शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुझे विरोध या धरने की परवाह नहीं, पानी के शुल्क में वृद्धि अपरिहार्य : शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-235

कोलकाता बलात्कार एवं हत्याकांड मामले में सनसनीखेज खुलासा

लाशें बेचने का धंधा करता था डॉ. संदीप घोष!

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हुई नृशंस हत्या का मामला सुर्खियों में आने के बाद और दुनियाभर में पश्चिम बंगाल सरकार की थू-थू होने के बाद एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि जिस आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद बर्बर तरीके से हत्या की गई उसका प्रमुख डॉ. संदीप घोष लाशें बेचने का धंधा करता था। लाशों के साथ-साथ वह अन्य मेडिकल एविडेंस भी बेच देता था। यह बात प्रदेश सरकार और बंगाल पुलिस जानती थी, लेकिन उस घृणित डॉक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही थी।

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल का पूर्व प्रमुख संदीप घोष शवों को बेचने और बायो मेडिकल एविडेंस की तस्करी करने का धंधा करता रहा है। आरजी कर कॉलेज के तत्कालीन डिप्टी सुपरिटेंडेंट अख्तर अली का दावा है कि एक साल पहले उन्होंने आरोप लगाए थे लेकिन पुलिस ने शिकायत नहीं दर्ज की थी। आरजी कर अस्पताल में जूनियर डॉक्टर से बलात्कार और हत्या के मामले में सीबीआई संदीप घोष से पूछताछ कर चुकी है। अस्पताल से लाशें बेचने के धंधे में शामिल एक सुरक्षा अधिकारी और कुछ अन्य लोगों का नाम भी सामने आया है। लाशें और बायो मेडिकल एविडेंस बेचने के धंधे में बाकायदा एक गैंग काम कर रहा था।मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में डिप्टी सुपरिटेंडेंट पद पर तैनात अख्तर अली ने बताया कि डॉ. संदीप घोष के जरायम धंधे के बारे में उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक इकाई से लेकर पुलिस और प्रदेश की अन्य एजेंसियों से भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई, कार्रवाई की बात तो दूर रही। डॉ. संदीप घोष पर भ्रष्टाचार, शवों और बायो मेडिकल एविडेंस की तस्करी के गंभीर आरोप रहे हैं। अख्तर अली ने कहा कि तस्करी के इस खेल में खान नाम का एक सुरक्षा अधिकारी भी शामिल था। अली ने डॉ घोष पर कार्य आदेश या अनुबंध देने के लिए 20 प्रतिशत रिश्वत लेने और जानबूझकर छात्रों को फेल करने का भी आरोप लगाया था। उन्होंने संदीप घोष को तस्करी माफिया बताया है।

लाशें और बायो मेडिकल एविडेंस बेचने की शिकायतें सरकार ने दबा रखी थी

30 साल के करियर में ऐसी लापरवाही नहीं देखी : जस्टिस जेबी पारदीवाला

कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष पर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं और नित नए खुलासे हो रहे हैं। आरजी कॉलेज में डॉ. संदीप घोष की शह पर गुंडा गैंग का राज चलता था। यह गैंग पिछले कई वर्षों से अस्पताल में भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी और वसूली कर रहा था। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विस डॉक्टर्स वेस्ट बंगाल (एएचएसडीडब्ल्यूबी) के महासचिव और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. उत्पल बंधोपाध्याय ने खुलासा किया है कि एक साल पहले आरजी कर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ने

▶10 पर

चुनाव आते ही कश्मीरी पंडितों की होने लगी खुशामद

पर आस्तीन में अभी भी छुपा रखा है 370 का छुरा

पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी पर सबको संदेह

खून के रिश्तेदार कांग्रेस और नेकां मिल कर लड़ेंगे चुनाव

श्रीनगर/जम्मू, 22 अगस्त (एजेंसियां/ब्यूरो)। तीन दशक से अधिक समय से विस्थापन का दंश झेल रहे कश्मीरी पंडित वोटरों की संख्या यों तो जम्मू-कश्मीर में लगभग 1.15 लाख है, लेकिन इनकी सम्मानजक वापसी सभी पार्टियों के शीर्ष एजेंडे में है। फिलहाल नेकां और अपनी पार्टी ने घोषणा पत्र जारी किया है, जिसमें इनकी वापसी को प्राथमिकता बताई है। पीडीपी कहती रही है कि पंडितों के बिना घाटी अधूरी है। कांग्रेस भी पंडितों के पुनर्वास के पक्ष में है। लेकिन इनकी नीयत में संदेह इसलिए है क्योंकि उनकी प्राथमिकता अनुच्छेद 370 की वापसी पहले से है, जिसे वे बार-बार जाहिर करते रहे हैं। यानी, वे जम्मू कश्मीर को पहले की स्थितियों में वापस लेना जाना चाहते हैं। भाजपा पहले से ही पंडितों की वापसी के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है। तमाम पार्टियों के वादों और घोषणाओं के बाद भी कश्मीरी पंडितों को भरोसा नहीं है कि पार्टियां उनके हित में कोई काम कर रही हैं।

कश्मीरी पंडित घाटी की सभी 47 विधानसभा सीटों के मतदाता हैं। दक्षिण, मध्य और उत्तर कश्मीर के 10 जिलों में इनके पैतृक घर हैं। यहीं से वह मतदाता भी हैं। 1990 में विस्थापन के बाद वह जम्मू, उधमपुर व अन्य स्थानों पर बस गए। तबसे डर के माहौल के कारण उनके लिए जम्मू, उधमपुर व दिल्ली में मतदान के लिए केंद्र बनाए गए। पंजीकृत मतदाताओं को एम-फॉर्म के जरिए मतदान करने की सुविधा दी जाती रही है, लेकिन पंडितों को सहूलियत देने के लिए लोकसभा चुनाव में इस फॉर्म की बाध्यता समाप्त कर दी गई। इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आए।

▶10 पर

बाहरी लोगों के बढ़ते अतिक्रमण से पर्वतीय प्रदेश खतरे में

उत्तराखंड के 104 वर्ग किमी जंगल पर कब्जा

देहरादून/हल्द्वानी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के 39 वन प्रभागों के कुल 104.54 वर्ग किलोमीटर जंगल पर बाहरी अतिक्रमणकारी काबिज हैं। प्रदेश की 11 हजार हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा हो गया और वन विभाग को पता ही नहीं चला। स्पष्ट है कि वन भूमि पर अवैध कब्जा वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से हुआ। पता चलने पर सरकार महज 11.5 हेक्टेयर वन भूमि अवैध कब्जे से मुक्त करा पाई है।

वर्तमान में प्रदेश के 39 वन प्रभागों में कुल 104.54 वर्ग किलोमीटर जंगल पर अतिक्रमणकारी काबिज हैं। सवाल यह हैकि कब्जा एक दिन में तो हुआ नहीं और अगर धीरे-धीरे हुआ तो वन अधिकारी कहां थे? और क्या कर रहे थे? उनकी नजर क्यों नहीं पड़ी? इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं है। आज वन मंत्री तक कब्जाधारियों से मिलीभगत पाए जाने पर वन कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कह रहे हैं लेकिन कब्जा क्यों होने दिया इसका किसी के पास जवाब नहीं है। जंगलों में अवैध कब्जों को लेकर वन विभाग की भूमिका सवालों घेरे में है। जंगल विभाग ने वर्ष- 2017-2018 में अपनी उत्तराखंड वन सांख्यिकी किताब को प्रकाशित किया (उसके बाद से यह किताब नहीं छपी) था, उसमें राज्य में 9506.2249 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जे का उल्लेख है।

▶10 पर

सैकड़ों घने पेड़ काट डाले गए, वन विभाग की भूमिका संदिग्ध

कार्टून कॉर्नर

साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले पोलैंड और भारत के प्रधानमंत्री

मजबूत हो रहे हैं भारत और पोलैंड के रिश्ते

वारसॉ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा पर हार्दिक प्रसन्नता जाहिर करते हुए पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने साझा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, आज का दिन हमारे दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है कि हम अपने देशों पोलैंड और भारत के बीच रणनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की मेजबानी कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। निस्संदेह यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर और मजबूत होते जा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में मदद देने के लिए पोलैंड सरकार के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री टस्क के इस सुंदर शहर वारसॉ में उनके शब्दों और गर्मजोशी से भरे स्वागत के लिए उनका बहुत आभारी हूं। भारत-पोलैंड मैत्री को मजबूत करने के लिए आपके अमूल्य प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। मैं आपके योगदान के लिए तहे दिल से आपका धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड टस्क से कहा आप लंबे समय से भारत के अच्छे मित्र रहे हैं। भारत और पोलैंड की मित्रता को मजबूत करने में आपका बहुत बड़ा योगदान है।

पीएम मोदी ने कहा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय है।

▶10 पर

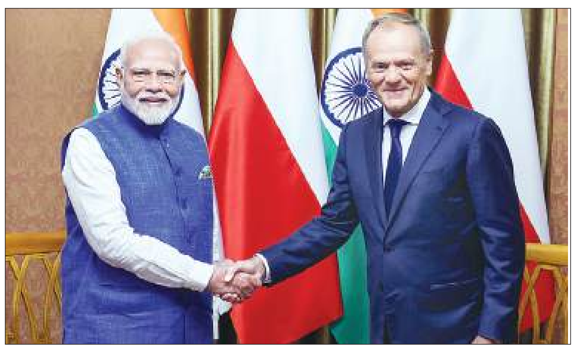

भारतीयों की सुरक्षित वापसी में पोलैंड की मदद हम भूल नहीं सकते

इस्लामिक कट्टरपंथियों के आगे एनएफडीसी ने घुटने टेके

लिबरल गैंग के विरोध पर इज़राइली फिल्म फेस्टिवल रद्द

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएफडीसी) ने इस्लामिक कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक दिए। लिबरल गैंग के विरोध पर एनएफडीसी ने इज़राइली फिल्म फेस्टिवल रद्द कर दिया है। इज़राइली फिल्म फेस्टिवल 21 और 22 अगस्त को मुंबई में होना था। लिबरल गैंग का नेतृत्व नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, इस्लामिक कट्टरपंथी और लिबरल एलिमेंट कर रहे थे। इज़राइली फिल्म फेस्टिवल मुंबई स्थित नेशनल म्यूजियम ऑफ़ इंडिया सिनेमा में आयोजित किया जाना था। इसमें इज़राइली कलाकारों और फिल्मों से उड़े लोगों को को भी शामिल होना था। इसके अलावा इस फेस्टिवल के दौरान इज़राइली फिल्मों की स्क्रीनिंग भी होनी थी। इज़राइली फिल्म फेस्टिवल का आयोजन एनएफडीसी और एनएमाईसी मिल कर कर रहा था। हालाँकि, इस फेस्टिवल के आयोजन से पहले ही सिनेमा की लिबरल-वामपंथी लॉबी ने इसका विरोध चालू कर दिया। उन्होंने इसे इज़राइल और हमास की लड़ाई से जोड़ दिया और रद्द करने की मांग की।

▶10 पर

राज्यसभा चुनाव

सभी 12 उम्मीदवारों का निर्विरोध चुनाव तय

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। नौ राज्यों की 12 सीटों पर होने वाले राज्यसभा उपचुनाव में सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित होंगे। नामांकन के अंतिम दिन बुधवार को किसी भी राज्य में अतिरिक्त उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया। आगामी 27 अगस्त को नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख के दिन चुनाव आयोग परिणाम की घोषणा करेगा। नतीजे घोषित होने के बाद इन 12 सीटों में से 11 सीटें राजग के हिस्से में आएगी, जिससे उसे उच्च सदन में बहुमत हासिल हो जाएगा।

ऐसे संकेत थे कि कांग्रेस हरियाणा की इकलौती सीट के लिए उम्मीदवार उतार सकती है। हालांकि, नामांकन के अंतिम दिन भाजपा उम्मीदवार किरण चौधरी को छोड़कर किसी ने नामांकन नहीं किया। इसके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, ओड़ीशा और त्रिपुरा की एक-एक सीट पर एक-एक उम्मीदवार ने, जबकि बिहार, असम और महाराष्ट्र से दो-दो उम्मीदवारों ने ही पर्चा भरा। आयोग अब बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र की जांच करने के बाद नतीजे घोषित करने के लिए 27 अगस्त की अंतिम तारीख का इंतजार करेगा।

नतीजे आने के बाद उच्च सदन में पहली बार भाजपा की अगुवाई वाले राजग को बहुमत हासिल हो जाएगा। गौरतलब है कि वर्तमान में राज्यसभा की 20 सीटें खाली हैं। 12 सीटों पर उपचुनाव के बाद उच्च सदन के सदस्यों की कुल क्षमता 237 हो जाएगी। इसके अलावा विधानसभा चुनाव नहीं होने के कारण जम्मू कश्मीर की चार सीटें रिक्त हैं, जबकि इतनी ही सीटों पर सदस्यों का मनोनयन नहीं हुआ है। नतीजे के बाद भाजपा के सदस्यों की संख्या 87 से बढ़ कर 97 (मनोनीत और निर्दलीय के साथ 104) जबकि राजग की संख्या 119 हो जाएगी। यह संख्या चुनाव के बाद 237 सदस्यों वाली राज्यसभा में बहुमत की शर्त को पूरी करता है।

नामांकन के अंतिम दिन अभिषेक मनु सिंघवी ने तेलंगाना, रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान, जॉर्ज कुरियन ने मध्य प्रदेश, मनन कुमार मिश्र और उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार, किरण चौधरी ने हरियाणा, ममता मोहंता ने ओड़ीशा, नितिन पटेल और धैर्यशील पाटील ने महाराष्ट्र, रामेश्वर तेली और मिशन रंजन दास ने असम में

▶10 पर

राज्यसभा में भी एनडीए को मिल जाएगा बहुमत

चार साल में 1.20 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी

59000 फर्जी कंपनियों की हो रही जांच, 170 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बीते चार साल में देश में 1.20 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। इस दौरान 59,000 फर्जी कंपनियों का भी पता चला है। इनके खिलाफ जांच चल रही है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी तरीके से इनपुट क्रेडिट टैक्स का लाभ उठाने वाले 170 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा, टैक्स चोरी करने वालों की पहचान और उनके मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर खास अभियान चला रखा है। इस बार यह अभियान 16 अगस्त से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसका मकसद संदिग्ध व फर्जी जीएसटीआईएन की पहचान करना, कंपनियों का सत्यापन और फर्जी बिल देने वालों को जीएसटी इकोसिस्टम से हटाने के उपाय करना शामिल है। अगर जीएसटीआईएन फर्जी है या मौजूद ही नहीं है, तो कर अधिकारी पंजीकरण को निलंबित करने और रद्द करने तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोकने की कार्रवाई शुरू करेंगे।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,390/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,150/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

धर्म ही जीवन का आधार: साध्वी धर्मप्रभाजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमन्तनगर के तत्वावधान में मरुधर केसरी रूप-रजत' जन्म जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय कार्यक्रम के तहत् गुरुवार को चौथे दिन को एकासना तप दिवस के रूप में तप त्यागपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गुरु भक्तों ने एकासना तप की साधना स्थानक -भवन में की। इस प्रसंग पर साध्वी धर्म प्रभाजी ने धर्मसभा में श्रद्धालुओं के तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तप करने से कर्म की निर्जरा होती हैं। तपस्या आत्मशुद्धि का माध्यम हैं। जैसे स्वर्ण आग में तप कर कुंदन बन जाता हैं। वैसे ही तप करने से आत्मा पवित्र, निर्मल, शुद्ध बनती हैं। शूरवीर ही तप कर सकता

हैं। जिसने इस आर्य- कर्म भूमि में जन्म लेकर भी धर्म और तप की साधना नहीं की तो उनसे ज्यादा मन्द भाग्य वाला कोई नहीं हो सकता। धर्म, प्रभु - भक्ति, तप जप आराधना से रहित वह इंसान कभी सौभाग्यशाली - भाग्यशाली नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि इच्छाओं का निरोध करना तप हैं। तप आत्मा की ज्योति हैं। प्रभु महावीर ने 12 प्रकार के तप बतलाएं हैं। साध्वी ने कर्णाकोणम से पधारे गुरुभक्त उत्तमचंद सुराणा के 20 उपवास की सुदीर्घ तपस्या की भेंट गुरु-चरणों में प्रस्तुत करने पर मंगल अनुमोदना की। साध्वी श्री स्नेह प्रभा जी ने कहा कि धर्म ही इस संसार में जीवात्मा के लिये रक्षा और सुरक्षा करता है। धर्म ही जीवन का आधार हैं। जो आत्मा को सुगति प्रदान करने में प्रकाश- स्तम्भ के समान पर्व पथ-प्रदर्शक है। धर्म का मर्म यही है कि एक में प्रवृत्ति करना व एक से निवृत्ति करना। संयम में प्रवृत्ति व असंयम में निवृत्ति करना। कषाय और योगों का निग्रह करना ही संयम हैं। जो धारण किया जाता हैं वो धर्म हैं। धर्म कोई ओढ़ने की वस्तु नहीं हैं। जो क्रिया करने से आत्मा में आनंद की अनुभूति, मन में पवित्रता चित्त में शांति की लहर तरंगित होने लगे, वास्तव में वहीं धर्म हैं।

धर्म हमारी आत्मा का स्वभाव: राजेश मुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शांतिनगर स्थित जैन स्थानक भवन में राजेश मुनि ने कहा कि प्रभु के गुणगान करते समय हमें अपने जीवन को फूलों की तरह महकाना है। हमें भगवान महावीर के संदेशों को जीवन में अपनाना है ताकि हम भी उस स्थिति को पा सकें और स्व के साथ पर का कल्याण कर सकें। किसी भी तरह के मद से हमारा और हमारी आत्मा के गुणों का नाश ही होगा। धर्म हमारी आत्मा का स्वभाव है। यह मद देता नहीं बल्कि हर प्रकार के मद को दूर करता है। धर्म हमें स्वाभिमान में जीना सिखाता है और मान सम्मान को पचाने की राह प्रशस्त करता है। मद की विवेचना करते हुए मुनि ने फरमाया कि हमें विनय भाव से ज्ञानी बनकर अपनी आत्मा को धनवान बनाना चाहिए। समर्पण की भावना से हम अपनी आत्मा को सिद्ध शिखर पर पहुंचाने में सफल हो सकते हैं। कोई भी ज्ञानी यदि मद से भरा है तो वह अजीव के समान ही है चाहे उसे कितना भी ज्ञान क्यों ना हो। श्रावक को भी साधु साध्वी के संयम में सहयोगी बनकर मां-बाप जैसा कर्तव्य निर्वाह करना चाहिए। ताकि साधुता रूपी नींव मजबूत हो सके। धर्म सभा में ऋषभ मुनि का भी सानिध्य रहा। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी सितम्बर में आयोजित उत्तर भारतीय प्रवर्तक साहित्य सम्राट अमरमुनि के संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विश्व शांति जप एवं गुरु गुणगान महोत्सव में सानिध्यता के लिए कृष्णगिरी शक्तिपीठाधिपति डॉ वसंतविजय महाराज को आमंत्रण पत्रिका देने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर बेंगलूरु के पदाधिकारी कृष्णगिरी पहुंचे। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल एवं कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि गुरु अमर अमृत संयम महोत्सव आगामी 22 सितंबर को बेंगलूरु में विराजित समस्त चारित्र आत्माओं के सानिध्य में तप त्याग एवं धर्म आराधना द्वारा मनाया जायेगा।

बसवनगुड़ी विमलनाथ जिनालय में रत्नत्रयी महोत्सव आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि हम हंसते हंसते कर्म बंधन तो कर लेते हैं, लेकिन जब उन कर्मों को भोगना पड़ता है तब हम बहुत विचलित हो जाते हैं। हमें अशुभ से शुभ की ओर तथा शुभ से शुद्ध की ओर बढ़ना है। हमारे पास तीन तत्व हैं अशुद्ध, शुद्ध और विशुद्ध। जब तक हमारे जीवन से अशुद्धता दूर नहीं होती तब तक शुद्धता नहीं आएगी, हमें अशुद्ध से शुद्ध

बनकर विशुद्ध को पाना है। भोग से त्याग में जाना है और त्याग से योग की ओर जाना है। यह सारे भोग हमें रोग देने वाले हैं। जितने भोग हम भोगते हैं उतनी भोगों में हमारी आसक्ति बढ़ती जाती है। हमने अभी तक टनों टन आहार कर लिया है लेकिन आहार की आसक्ति अभी तक नहीं टूटी है। घ्राणेन्द्रिय के वशीभूत होकर भंवरा अपने प्राण को भी त्याग कर देता है। हमें परमात्मा के प्रति हमारा रस बढ़ाना है। परमात्मा की पुष्प पूजा करने में भी हमें बहुत जयणा का पालन करना है और पुष्प पूजा में हमारे भाव भी उत्कृष्ट और कोमल होने चाहिए। हमें द्रव्य क्रिया के साथ साथ भावों से भी क्रिया करनी है। यह साधन हमें भाव सिद्धि प्राप्त करने हेतु मिले हैं। जिनवाणी श्रवण के माध्यम से भी हमें अपने भावों को उत्कृष्ट परिणामों तक पहुंचाना है। भाव सहित पूजा करने से हमें अशुद्ध से शुद्ध की ओर बढ़ना है, नागकेतु को परमात्मा के पुष्प अर्पण करते करते केवल ज्ञान प्राप्त हो गया। इन्द्रियों से भी अधिक खतरनाक इन्द्रियों के प्रति आसक्ति है, हमें इस आसक्ति को तोड़ना है। शुक्रवार से दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में रत्नत्रयी महोत्सव प्रारम्भ होने जा रहा है जिसमें प्रथम दिवस श्रुतोपासना क्विज प्रतियोगिता, शनिवार को गौतम स्वामी सरस्वती महापूजन का आयोजन किया जाएगा। गौतम स्वामी की पूजन वेदिका पर गिरधारी लाल, बाबूलाल, अशोक कुमार, महावीर मेहता परिवार पूजन करेंगे और सरस्वती माता की पूजन वेदिका पर गौतम चंद, निकेश कुमार, आशीष कुमार बाफना परिवार पूजन करेंगे।

राज्यपाल का इस्तेमाल कर भाजपा द्वारा दलित कार्ड खेलना समुदाय का अपमान: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत के कथित अपमान पर दलित कार्ड खेलने के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राजभवन के गलत कार्यों पर कांग्रेस के सवालों का जवाब नहीं दिया गया, जबकि उनकी दलित पहचान का हवाला देकर वे स्वाभिमानी दलित समुदाय का अपमान कर रहे हैं। मुडा साइट आवंटन घोटाले में अभियोजन की मंजूरी देने पर राज्यपाल पर हमला करने के लिए कांग्रेस नेताओं की भाजपा द्वारा की गई आलोचना पर अपनी प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री ने कहा वही भाजपा नेता जो यह उपदेश देते हैं कि हिंदुओं में जाति नहीं होती, केवल धर्म होता है, वे जाति को तब याद करते हैं जब उनका उद्देश्य पूरा होता है। राज्यपाल की ओर से विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं से

मेरे कुछ सरल प्रश्न हैं। यदि आप वास्तव में दलित समुदाय से आने वाले थावर चंद गहलोत का सम्मान करते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं, तो आपने उन्हें राज्यपाल क्यों नियुक्त किया और उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में रखने के बजाय एक औपचारिक भूमिका तक सीमित क्यों रखा? आपने उनके सक्रिय राजनीतिक करियर को क्यों सीमित किया और उन्हें मार्गदर्शक मंडल में क्यों भेजा, जिसे अक्सर राजनीतिक सेवानिवृत्ति गृह के रूप में देखा जाता है, जबकि वे अभी भी महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम थे? उन्हें उनके मंत्री पद से हटाकर और उन्हें अपनी राजनीतिक लड़ाई में मोहरे के रूप में इस्तेमाल करके, क्या आप दलित समुदाय के साथ घोर अन्याय और अपमान नहीं कर रहे हैं? क्या अपने राजनीतिक लाभ के लिए एक दलित नेता का इस्तेमाल करते समय आपकी अंतरात्मा आपको बिल्कुल भी परेशान नहीं करती थी? सिद्धरामैया ने कहा दलित समुदाय भाजपा और संघ परिवार की जोड़-तोड़ की राजनीति से भली-भांति परिचित है, जहां दलितों को सुविधानुसार इस्तेमाल किया जाता है और त्याग दिया जाता है। वे इतने भोले नहीं हैं कि दलितों के नाम पर आप जो मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं, उससे मूर्ख बन जाएं।

कम से कम अटल बिहारी वाजपेयी ने दलित समुदाय के नेता बंगारू लक्ष्मण को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया था। लेकिन भाजपा के भीतर संघी मानसिकता इसे बर्दाश्त नहीं कर सकी और उन पर भ्रष्टाचार का झूठा आरोप लगाया, जिससे उनका असामयिक निधन हो गया। उन्होंने भाजपा नेताओं से कहा कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता हमारे वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जो दलित समुदाय से आते हैं, के साथ किस तरह अत्यंत सम्मान और गरिमा के साथ पेश आते हैं, इससे सबक लें। सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा नेता, जो संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं, आरक्षण का विरोध कर रहे हैं और गुप्त रूप से जातिगत भेदभाव को बढ़ावा दे रहे हैं, उन्हें दलितों के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा अगर आप वाकई दलित समुदाय का सम्मान करते हैं, तो थावर चंद गहलोत पर उनकी अंतरात्मा के खिलाफ काम करने के लिए राजनीतिक दबाव डालना बंद करें। उन्हें संविधान के मुताबिक अपने कर्तव्यों का पालन करने दें और विरोध प्रदर्शन का यह नाटक बंद करें।

माँ बाप की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि संसार में माँ बाप की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। मां बाप की सेवा ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है।

हम अपने जीवन में कितने भी धर्म कर्म करें पर यदि अपने माता पिता का तिरस्कार कर रहे है, उनका मान सम्मान नहीं कर रहे है तो हमारे सारे धर्म कर्म व्यर्थ है। जीवन भर जप तप किया, बहुत पूजा पाठ की लेकिन माँ बाप को सुख नहीं दिया वे दुखी है। उनकी सेवा न की, उनका हमेशा अपमान किया तो इस सब पूजा पाठ का कोई अस्तित्व नहीं। अगर कोई भी व्यक्ति अपने मां-बाप और गुरुदेव की आज्ञा नहीं मानता और उनका तिरस्कार करता है उसका कभी कल्याण

नहीं हो सकता। जो मनुष्य अपने मां-बाप की सेवा नहीं करते, वे जीवन में कभी सुखी नही रह पाते हैं। व्यक्ति भले धन बहुत कमा ले, मगर उसकी आध्यात्मिक उन्नाति कभी नहीं हो पाती। जिस संतान को माता-पिता की सेवा का अवसर मिले, तो समझ लीजिये वह बहुत भाग्यशाली है। जो अपने माता-पिता की सेवा नहीं करता है और उनका अपमान करता है उसे कभी भी जीवन में सुख-शांति प्राप्त नहीं होती है। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है।

अग्रवाल बिज कनेक्ट एबीसी का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अग्रवाल समाज में युवाओं को एक प्लेटफॉर्म देने के लिए अग्रवाल बिज कनेक्ट एबीसी का पैलेश रोड स्थित संगरीला होटल के सभागार में उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल बिज कनेक्ट के संस्थापक महेश मित्तल और संस्थापक व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, बिजनेस गुरु जगत शाह के साथ उपाध्यक्ष आरती वैद, सचिव राज अग्रवाल, सह सचिव पंकज पटवारी व कोषाध्यक्ष निकेश गर्ग के अलावा सतीश मित्तल, अजय भाऊवाला, मनोज सरावगी, अनिता माखरिया व हर्षित मित्तल ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तत्पश्चात महेश मित्तल व अशोक अग्रवाल ने बताया कि यह अग्रवाल बिज कनेक्ट युवाओं के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म साबित होगा। इस मंच को आज देश की बढ़ती मांग को लेकर तैयार किया गया है। युवाओं में बिजनेस करने की लगन बहुत है पर अच्छे प्लेटफार्म की जरुरत है। बिजनेस गुरु जगत शाह ने बताया कि आज के समय में चाईना सब प्रोडक्ट बना सकता है तो हम अपने देश में क्यो नही बना सकते है।

रात्रि भोजन का त्याग एक अनुकरणीय व्रत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि रात्रि भोजन त्याग एक अनुकरणीय व्रत है। यह हमारे पूर्वजों की विरासत है और अपनी पहचान है। रात्रि भोजन त्याग स्वास्थ के लिए सुखद रहता है और खानपान नियंत्रण में रहेगा तो मोटापा जैसी समस्याओं से भी हम मुक्त रहेंगे। रस लोलुपता पर भी नियंत्रण रहेगा। विनय मुनि जी ने बताया कि हमारी आत्मा सबसे कीमती है। नश्वर तत्वों के पीछे हम अपनी आत्मा को ही भूल गए हैं। आजकल आपस में और संघ समाज में राग द्वेष बहुत बढ़ रहा है क्योंकि हमारी सहन शक्ति कमजोर हो रही हैं। परिवार में प्रीति मैत्री सामंजस्य सहिष्णुता और प्रेम के लिए सहन शक्ति जरूरी है। सहन शक्ति अपनी ताकत है और कई समस्याओं का समाधान भी है। आज फैलती हुई अराजकता का प्रमुख कारण सहनशक्ति की कमी है। राग द्वेष सहनशीलता के विपरीत तत्व हैं और राग द्वेष विध्वंश करते हैं। व्यक्ति में पागलपन पैदा करते हैं। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने संचालन किया। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज डायमंड्स बेंगलूरु और मैसूरु की ओर से हाल ही में गांधीनगर में स्थित ज्वैलरी एक्सपीरियंस सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9 से शाम 7 बजे तब आयोजित शिविर में निदेशक किशन सुराणा और सुनील कुमार सुराणा समेत कुल 111 लोगों ने रक्तदान किया। लायंस ब्लड बैंक बेंगलूरु के सह-समन्वयक दीपक सुमन आदि मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अभूतपूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान परामर्शक विमल कटारिया को परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से अभातेयुप के सर्वोच्च अलंकरण युवा गौरव प्रदान करने की घोषणा के बाद उनका जैन पट्ट द्वारा सम्मान तेयुप राजाजीनगर निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, मंत्री जयंतीलाल गांधी, सहमंत्री प्रथम सुनील मेहता, सहमंत्री द्वितीय चेतन मांडोत ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेवाड़ जैन मित्र मंडल बेंगलूरु के प्रतिनिधिमंडल ने गौ सेवक महेंद्र मुणोत को रविवार को प्रिंसेस गोल्फ में आयोजित एक शाम श्री टॉडगढ़ भैरुजी के नाम में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। महेंद्र मुणोत ने गतिविधियों की सराहना की। मंडल के गौतम मांडोत, अमृत दलाल, प्रेस संपर्क एवं विज्ञापन समिति के चेयरमैन चिराग मंडोत, हेमंत मेहता, अथिति समिति के चेयरमैन कैलाश दलाल, संतोष भटेवरा आदि मौजूद थे।

मुझे विरोध या धरने की परवाह नहीं, पानी के शुल्क में वृद्धि अपरिहार्य : शिवकुमार

110 गांवों को कावेरी जल आपूर्ति' कार्यक्रम का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ नंदिनी दूध की कीमतों में वृद्धि के बाद, कांग्रेस सरकार अब बेंगलूरु में पानी के शुल्क की दरों में वृद्धि करने जा रही है। यह संकेत उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने दिया, जो बेंगलूरु विकास और जल संसाधन विभागों को भी संभाल रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को विधान सौधा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले 12 से 13 वर्षों के दौरान बेंगलूरु में पानी के शुल्क में वृद्धि नहीं की गई है और बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) बड़ी कठिनाइयों के साथ वित्त का प्रबंधन कर रहा है। इस प्रकार उन्होंने संकेत दिया कि पानी के शुल्क में वृद्धि अपरिहार्य हो गई है। शिवकुमार ने कहा कि बीडब्ल्यूएसएसबी पानी के शुल्क में वृद्धि करेगा। इसका विरोध होने पर भी हम आगे बढ़ेंगे। उपमुख्यमंत्री ने विधान सौधा के पास '110 गांवों को कावेरी जल आपूर्ति' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के 1.40 करोड़ लोगों को पीने का पानी दिया जाना है। बीडब्ल्यूएसएसबी ऋण लेकर और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करके जीवित नहीं रह सकता है। बोर्ड बिजली खपत शुल्क को पूरा करने में सक्षम नहीं होगा। इसलिए, पानी के शुल्क में वृद्धि अपरिहार्य हो गई है। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि सभी प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए पानी का शुल्क नहीं बढ़ाया जाएगा। वृद्धि की मात्रा पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा मैं विरोध, विरोध या धरने की परवाह किए बिना टैरिफ बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि पिछले 14 वर्षों में बिजली की दरों में कई बार वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप बिजली बिल में वृद्धि हुई है। बीडब्ल्यूएसएसबी की बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एक अलग कंपनी शुरू करने से भारी बचत की संभावना है, जो सौर और अन्य स्रोतों के माध्यम से भी बिजली पैदा कर सकती है और इस तरह पैसे बचा सकती है। बेंगलूरु से जुड़े सभी विभागों को हाथ मिलाना चाहिए और एक संयुक्त कार्यक्रम तैयार करना चाहिए। इस दूरदर्शी विचार को ध्यान में रखते हुए, एक अलग कंपनी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि पावगडा सोलर पार्क ने बिजली उत्पादन शुल्क को घटाकर 3.50 रुपये प्रति यूनिट करने में मदद की है। उन्होंने महसूस किया कि सभी बीडब्ल्यूएसएसबी इकाइयों की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अलग कंपनी की स्थापना से बचत होगी। शिवकुमार ने कहा कि बीडब्ल्यूएसएसबी और इसके प्रबंधन को संभालने के लिए अडानी समूह सहित मुंबई की कई कंपनियां आगे आईं। मैं बीडब्ल्यूएसएसबी का निजीकरण कभी नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ जानकारी है क्योंकि उन्होंने पहले ऊर्जा और शहरी विकास विभाग संभाला था और वर्तमान में वे बेंगलूरु विकास और जल संसाधन विभाग संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पानी और बिजली दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा ने उनसे अन्य देशों में जलापूर्ति की स्थिति का अध्ययन करने के लिए कहा था और वे फ्रांस और अन्य देशों में गए थे। उन्होंने कहा बीडब्ल्यूएसएसबी के इंजीनियर विदेशी इंजीनियरों की तुलना में बेहतर काम करने में सक्षम हैं, क्योंकि उन्हें आवश्यकताओं का पता है। फ्रांस और अन्य देशों में जल आपूर्ति प्रणाली बेंगलूरु के लिए उपयुक्त नहीं है और इससे मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों को लाभ हो सकता है। मेरी रिपोर्ट के बाद, बेंगलूरु में जल आपूर्ति के निजीकरण का प्रस्ताव छोड़ दिया गया। शिवकुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि मेकेदातु परियोजना को न्यायालय से हरी झंडी मिल जाएगी। कर्नाटक ने निर्धारित मात्रा से अधिक 100 टीएमसी पानी तमिलनाडु को जारी किया है। उन्होंने कहा हम अधिशेष पानी को संग्रहीत करने में असमर्थ हैं। यदि हमारे पास एक और बांध होता, तो पानी को रोका जा सकता था। मुझे उम्मीद है कि राज्य को न्यायालय से न्याय मिलेगा। शिवकुमार ने खुलासा किया कि केआरएस से सीधे पानी प्राप्त करने के सुझाव दिए गए हैं। शरावती से पानी प्राप्त करने का भी प्रस्ताव है, जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। येट्टिनाहोल डायवर्जन परियोजना भी इस प्रस्ताव को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि कावेरी के पांचवें चरण की परियोजना रुकी हुई है और इसे फिर से शुरू किया जाएगा।

राज्यपाल द्वारा बुलेटप्रूफ कार का इस्तेमाल

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा के इस आरोप को खारिज कर दिया कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत को कांग्रेस पार्टी के कारण बुलेटप्रूफ कार का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और जेडीएस कांग्रेस सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने पर तुले हुए हैं, इसलिए पुलिस ने राज्यपाल को बुलेटप्रूफ कार का इस्तेमाल करने की सलाह दी है, क्योंकि भाजपा-जेडीएस के असामाजिक तत्व उन पर पत्थर फेंक सकते हैं। उन्होंने कहा हमारे पास भाजपा-जेडीएस के नापाक इरादों के बारे में विश्वसनीय जानकारी है। हम राज्यपाल का सम्मान करते हैं और इसलिए उन्हें सुरक्षा दी गई है। शिवकुमार ने कहा कि राज्यपाल के अपमान पर भाजपा-जेडीएस का विरोध निरर्थक है, क्योंकि वे राजभवन का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा लोकतंत्र में, हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। जिनका सम्मान किया जाना चाहिए, उन्हें सम्मान दिया जाना चाहिए। हम निश्चित रूप से राज्यपाल का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति देने के लिए राज्यपाल की आलोचना गलत है और इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा रही है।

नशे में धुत व्यक्ति ने डॉक्टर पर किया हमला, गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 37 वर्षीय डॉक्टर पर 35 वर्षीय होटल के रसोइए ने हमला किया, जो नशे में था और पुलिस उसे हाल ही में इलाज के लिए बेट्टादासनपुरा के एक निजी अस्पताल में लेकर आई थी।

आरोपी की पहचान नेपाल के मूल निवासी आशीष के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने नशे में सड़क पर हंगामा करने के आरोप में हिरासत में लिया था। आरोपी ने एक कार से अपना सिर टकराया था और उसे चोटें आईं, जिसके लिए पुलिस उसे अस्पताल ले आई और डॉक्टरों को सौंपने के बाद चली गई। डॉ. नागेंद्रप्पा ने उसे एक मरीज के रूप में भर्ती किया और उसकी चोटों का इलाज किया। जब दो नर्सें उसके घावों पर पट्टी बांधने और आईवी द्रव देने की कोशिश कर रही थीं, तब आशीष आक्रामक हो गया और कमरे में तोड़फोड़ करने लगा, एक चाकू उठाया और नर्सों पर हमला कर दिया। दोनों नर्सें भाग गईं, जबकि मरीज ने उन पर कैंची से हमला किया। शोर सुनकर डॉ. नागेंद्रप्पा उनकी मदद के लिए दौड़े और आशीष को शांत करने की कोशिश की। लेकिन आरोपी ने डॉ. नागेन्द्रप्पा पर हमला कर दिया, उनके होठों और हाथों पर कैंची से वार किया और यहां तक कि उन्हें काट भी लिया।

बस से गिरने से छात्र की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के करकला में एक निजी कॉलेज के छात्र की बुधवार को निट्टे के पास चलती बस से गिरने से मौत हो गई। बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र जनित शेट्टी (19) दुर्घटना में मारा गया। वह सुबह करकला से मेंगलूरु जा रही एक निजी बस में यात्रा कर रहा था, तभी वह सड़क पर गिर गया और बस के पिछले पहिये के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल जनित को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर उसे उन्नत उपचार के लिए मणिपाल ले जाया गया। हालांकि, कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। जनित के परिवार में उसकी मां और छोटी बहन हैं।

बेलगावी में 10 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के निप्पनी में एक व्यक्ति द्वारा 10 वर्षीय लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। 18 अगस्त की शाम को हुई यह घटना 21 अगस्त को सामने आई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान आसिफ बागवान (50) के रूप में हुई है। सूत्रों ने बताया कि उसने पीड़िता को चॉकलेट खरीदने के लिए पैसे देने के बहाने बहला-फुसलाकर उसे गलत तरीके से छुआ। पीड़िता ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने बुधवार को आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी आसिफ बागवान को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

सिद्धरामैया ने मुडा मामले में हाईकोर्ट को किया गुमराह: याचिकाकर्ता

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा मामले में तीन याचिकाकर्ताओं में से एक स्नेहमयी कृष्णा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मामले के संबंध में कर्नाटक हाईकोर्ट को गुमराह किया है। सिद्धरामैया ने मामले में राहत पाने के लिए अपनी रिट याचिका में जानकारी छिपाई है। अदालत के सामने सच्चाई छिपाना अदालत की अवमानना के बराबर है। 29 अगस्त को जब हाईकोर्ट सिद्धरामैया की रिट याचिका पर सुनवाई करेगा, तब सभी मामले अदालत के संज्ञान में लाए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया को पता था कि उनकी पत्नी पार्वती ने मुडा विभाग को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि रिट याचिका में 713 पृष्ठ हैं, जिसमें दस्तावेज भी शामिल हैं। सिद्धरामैया की पत्नी द्वारा लिखे गए पत्र को पृष्ठ संख्या 531 के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें पत्र का पहला पृष्ठ है। स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया कि हालांकि, पत्र का दूसरा पेज जो पेज नंबर 532 के रूप में दिखाया जाना चाहिए था, वह गायब है। उन्होंने कहा कि पत्र के दूसरे पेज पर व्हाइटनर से छेड़छाड़ की गई है, जबकि 532 पेज पर मुडा मामले की कार्यवाही दर्ज है। स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया कि पत्र के दूसरे पन्ने के साथ छेड़छाड़ की गई है, इसलिए पत्र के दूसरे पन्ने को छोड़ दिया गया है और केवल पहला पन्ना ही न्यायालय में पेश किया गया है। ऐसा करके सिद्धरामैया ने न्यायालय और जनता से सच्चाई छिपाई है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत को उनके शोकेस नोटिस के जवाब में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने पृष्ठ संख्या 30 पर अपनी पत्नी पार्वती द्वारा मुडा को लिखे गए पत्र का उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुडा मामले में राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ जांच के आदेश पर रोक लगाने और उसे रद्द करने की मांग करते हुए रिट याचिका दायर करने के बाद उच्च न्यायालय से अस्थायी राहत मिली है। न्यायालय ने निचली अदालत को 29 अगस्त तक कोई आदेश पारित नहीं करने को कहा था।

कांचिनाडका टोल प्लाजा के प्रस्तावित निर्माण के खिलाफ

पदुबिद्री-बेलमन-करकला समिति कल करेगी विरोध प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पदुबिद्री-बेलमन-करकला टोल विरोधी आंदोलन समिति शनिवार को करकला-पदुबिद्री राज्य राजमार्ग पर कांचिनाडका में प्रस्तावित टोल प्लाजा स्थापना के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी।

पदुबिद्री-बेलमन-करकला टोल विरोधी आंदोलन समिति के अध्यक्ष सुहास हेगड़े नंदालीके ने गुरुवार को उडुपी के प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कांचिनाडका में एक टोल प्लाजा बनाने की योजना प्रस्तावित की गई है।

2018 में, बेलमन में एक टोल गेट के लिए इसी तरह के प्रस्ताव को महत्वपूर्ण सार्वजनिक विरोध के कारण रद्द कर दिया गया था। अब, मौजूदा हेजामडी टोल गेट से सिर्फ 4 किमी दूर एक टोल प्लाजा की योजना बनाई गई है, जो इस सड़क पर निर्भर लोगों पर और बोझ डालेगा। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, विभिन्न समुदायों के धार्मिक नेताओं, सामाजिक संगठनों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और विभिन्न संघों के समर्थन से 40 से अधिक गांव इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। सचिव सर्वज्ञ तंत्री बालमन ने भी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा हमने करकला-पदुबिद्री के हर घर का दौरा किया है और निवासियों को नए टोल प्लाजा के प्रभाव के बारे में बताया है। ग्रामीणों ने हमारे मुद्दे का पूरा समर्थन किया है। विकास की आवश्यकता वाले क्षेत्रों में टोल गेटों का निर्माण समझ में आता है, लेकिन इस राज्य राजमार्ग को ऐसे विकास की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह प्रमुख बुनियादी ढाँचे को नहीं जोड़ता है। यह सड़क पहले पीडब्ल्यूडी के अधीन थी, लेकिन चौड़ीकरण के बाद इसे राज्य को सौंप दिया गया। हम इस बात का जवाब मांग रहे हैं कि अतिरिक्त टोल क्यों आवश्यक हैं और क्षेत्र में एक और टोल की आवश्यकता क्यों है। इस टोल की स्थापना लोगों पर एक बड़ा बोझ है। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को सुबह 9.30 बजे पदुबिद्री के पास कांचिनाडका में होगा। प्रदर्शन में राजनीतिक नेताओं, धार्मिक हस्तियों, किसानों, विभिन्न संगठनों, संघों, समितियों, ग्रामीणों, उद्योगपतियों और व्यापारियों सहित 10,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। 2013 में राज्य निधि से विकसित 28 किलोमीटर लंबा करकला-पदुबिद्री राज्य राजमार्ग, कांचिनाडका में प्रस्तावित टोल संग्रह केंद्र का स्थल है। इस विकास का स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है, जो मौजूदा टोल प्लाजा से सिर्फ 6 किलोमीटर दूर एक और टोल प्लाजा की स्थापना पर आपत्ति जताते हैं। प्रेस वार्ता में मानद अध्यक्ष लक्ष्मण एल शेट्टी, कोषाध्यक्ष शशिधर शेट्टी, पूर्व तालुक पंचायत सदस्य दिनेश कोटियन और जया एस शेट्टी शामिल हुए।

दो सामुदायिक आयोजकों का स्थानांतरण

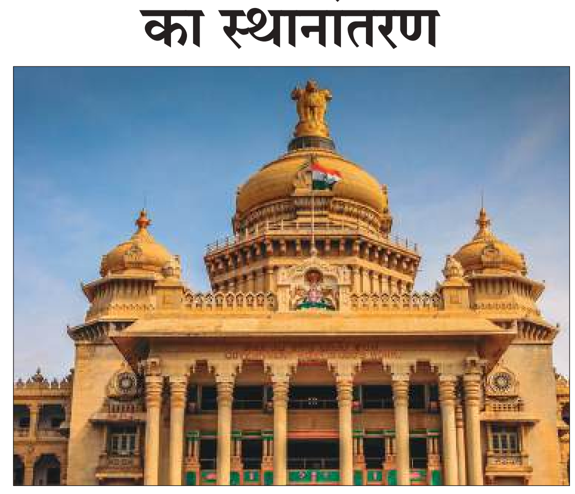

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहरी विकास विभाग ने नगरपालिका प्रशासन सेवा से संबंधित दो सामुदायिक आयोजकों को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया है। बी प्रसाद को गदग नगर परिषद के सामुदायिक आयोजक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। प्रसाद वर्गा को मालवल्ली नगर पालिका के सामुदायिक आयोजक के पद पर विजयलक्ष्मी हिरेमठ के स्थानांतरण से रिक्त हुए पद पर स्थानांतरित किया गया है। विजयलक्ष्मी हिरेमथ को नरगुंडा नगर पालिका में सामुदायिक आयोजक के रिक्त पद पर स्थानांतरित किया गया है।

अवैध धन अर्जित करने का मामला: लोकायुक्त की सुनवाई में पेश हुए डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अवैध धन अर्जित करने के मामले में गुरुवार को लोकायुक्त की सुनवाई में शामिल हुए। कैबिनेट बैठक में हिस्सा ले रहे डीके शिवकुमार बीच में ही उठकर लोकायुक्त कार्यालय में बयान देने पहुंच गए थे। डीएसपी सतीश ने बयान दर्ज किया। इससे पहले कांग्रेस सरकार की कैबिनेट बैठक में येदियुरप्पा सरकार द्वारा अवैध धन लाभ मामले की सीबीआई जांच कराने की दी गई अनुमति वापस ले ली गई थी। बाद में डीके शिवकुमार पर लगे

आरोप की जांच लोकायुक्त को सौंपी गई। राज्य सरकार के फैसले को सीबीआई ने कोर्ट में चुनौती दी थी। 90 फीसदी जांच पूरी हो चुकी है।

सीबीआई ने तर्क दिया कि इस स्तर पर अनुमति वापस लेना अनुचित था। कोर्ट ने कोई निर्देश नहीं दिया था। आरोप है कि सीबीआई जांच से बचने के लिए लोकायुक्त जांच का आदेश दिया गया। इस पृष्ठभूमि में, लोकायुक्त में जांच तेज कर दी गई है और डी.के. शिवकुमार का बयान दर्ज किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

शुभ लाभ DAILY

जब तक सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं दे देते हम आराम से नहीं बैठेंगे: नारायणस्वामी

सभी मुद्दे दलित समुदाय से संबंधित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मांग की है कि दलितों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के अन्याय के विरोध में कांग्रेस में दलित नेताओं और जन प्रतिनिधियों को इस्तीफा दे देना चाहिए। वे शहर के फ्रीडम पार्क में भाजपा के विशाल विरोध प्रदर्शन के दौरान बोल रहे थे। कांग्रेस पार्टी के सभी दलित नेताओं को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि दलितों के साथ अन्याय करने वाले मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। सीएम कहते हैं कि वे पिछड़े वर्ग का नेता हैं। इसीलिए भाजपा उन्हें परेशान कर रही है। तो इस देश का प्रधानमंत्री कौन है? वे भी पिछड़े हैं। वे आपकी तरह नहीं, बल्कि बेदाग हैं। जब तक सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं दे देते, हम आराम से नहीं बैठेंगे। हम तब तक आराम से नहीं बैठेंगे जब तक भ्रष्टाचार का कालापन नहीं मिट जाता, हम तब तक आराम से नहीं बैठेंगे जब तक आपको घर नहीं भेज देते। क्या आपने सरकारी जमीन नहीं खरीदी? क्या आपके दिमाग में कोई दिमाग है? उन्होंने पूछा कि क्या आप तब खुश थे जब आप बाघ थे और अब काले होकर बैठे हैं। कितना भी व्हाइटनर लगा लें वह सफेद नहीं होता है।

कृपया इस्तीफा दें और चले जाएं। पूरा राज्य सिद्धरामैया के खिलाफ है। दलितों के लिए धन हस्तांतरण मामला, वाल्मीकि निगम घोटाला, मुडा घोटाला - ये सभी मुद्दे दलित समुदाय से संबंधित हैं। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के भ्रष्ट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जनता और राज्य के हितों की रक्षा के लिए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। हमें भ्रष्ट सरकार के खिलाफ जागरूकता पैदा करनी चाहिए। उन्होंने विश्लेषण किया कि प्रतिदिन संघर्ष करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की नीति लूटने की है, सबूत मिलने के बाद भी इस्तीफा नहीं देंगे। वह लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं करते। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वह पाखंडी हैं जो कुर्सी से चिपके हुए हैं। वह संविधान हाथ में रखते हैं और अधिकारों की बात करते हैं। हालाँकि, वे अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में बात नहीं करते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि संविधान की इच्छाओं का सम्मान नहीं किया जा रहा है। अहंकार बहुत ज्यादा है। उनका कहना है कि वो बांग्लादेश की स्थिति बनाएंगे। विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार ने कहा कि अगर सिद्धरामैया में घोटालों की जांच कराने का साहस और ताकत है तो इसकी जांच सीबीआई से करायी जाये। उन्होंने सिद्धरामैया को धर्मस्थल श्री मंजुनाथ की उपस्थिति में शपथ लेने की चुनौती दी कि उनकी सरकार के दौरान व्हाइटनर लागू नहीं किया गया था। विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी ने कहा कि कांग्रेस और सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री चोर और भ्रष्ट हैं। इस मौके पर बेंगलूरु के विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व मंत्री मुनिरत्ना, गोपालैया, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस.पाटिल नदहल्ली, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सी.के. राममूर्ति, पूर्व विधायक, विधान परिषद के पूर्व सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य और पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चन्नपटना उपचुनाव :
जेडीएस स्थानीय लोगों को टिकट देने पर कर रही विचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चुनाव की घोषणा से पहले ही, जेडीएस ने कावेरी में चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय लोगों को मैदान में उतारने पर गंभीरता से विचार किया है। राज्य भर में उप-चुनाव का मुद्दा गर्म है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के इस्तीफे से खाली हुई चन्नपटना सीट पर जल्द ही उपचुनाव होगा। चन्नपटना तालुक जेडीएस अध्यक्ष और पूर्व राज्य ओक्कालिगा संघ के अध्यक्ष एचसी जयमुत्तु का जेडीएस से टिकट के दावेदारों में नाम प्रमुख है। राज्य ओक्कलिगा संघ के महासचिव सी. देवराजू का नाम भी सुनने में आ रहा है। कहा जा रहा है कि अगर विधान परिषद सदस्य और पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर चन्नपटना उपचुनाव में जेडीएस के सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ते हैं तो जेडीएस स्थानीय लोगों को मैदान में उतारने के लिए तैयार है। जेडीएस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, चन्नपटना जेडीएस पार्टी द्वारा जीता गया निर्वाचन क्षेत्र था और योगेश्वर को भाजपा के बजाय जेडीएस के प्रतीक के तहत चुनाव लड़ने की सलाह दी गई है। हालाँकि, वह भाजपा से टिकट के दावेदार हैं। साथ ही, वह भाजपा के शीर्ष नेताओं पर उन्हें गठबंधन उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का दबाव बना रहे हैं। योगेश्वर को किसी भी पार्टी ने उम्मीदवार नहीं बनाया है। हालांकि, असमंजस की वजह यह है कि चुनाव किस सिंबल पर लड़ा जाए। उपचुनाव में भी भाजपा और जेडीएस का गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन अभी तक उम्मीदवारों के चयन को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। टिकट के प्रबल दावेदार योगेश्वर जेडीएस के चुनाव चिन्ह के तहत चुनाव लड़ने की योजना नहीं बना रहे हैं। इसके बदले वे भाजपा से टिकट की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने स्वतंत्र चुनाव लड़ने का संदेश भी भेजा है। इस बीच, राजनीतिक गलियारे में ऐसी अफवाहें हैं कि वह फिर से कांग्रेस में शामिल होंगे और उम्मीदवार बनेंगे। हालांकि, हाल ही में दिल्ली गए योगेश्वर ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की और चन्नपटना उप-चुनाव पर चर्चा की। पार्टी आलाकमान ने भी बयान दिया है कि वे टिकट देने को लेकर आश्वस्त हैं। इस संसदीय क्षेत्र को तीन पार्टियां अपने पाले में करने की फिराक में हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घोषणा की है कि वह उपचुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा क्षेत्र में चुनावी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और कांग्रेस प्रत्याशी जीत के लिए अभी से रणनीति बना रहे हैं। चुनाव लड़ने का फैसला कर चुके योगेश्वर अपने तरीके से कार्यकर्ताओं को संगठित और तैयार भी कर रहे हैं। जेडीएस की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी पर चुनाव लड़ने का दबाव भी पार्टी में है।

सबूत नष्ट कर रहे हैं सीएम सिद्धरामैया: अशोक नाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपनी पत्नी पार्वती द्वारा मुडा को लिखे पत्र को विकृत करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने मुडा को लिखे पत्र के साथ छेड़छाड़ की है और गवाह को नष्ट करने की कोशिश की है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की अनुमति देनी चाहिए। इससे पहले अशोक ने कहा था कि अधिकांश कांग्रेस नेता जो खुले तौर पर कह रहे हैं कि सीएम सिद्धरामैया को हमारा पूरा समर्थन है, वे आंतरिक रूप से अन्यथा गणना कर रहे हैं। सिद्धरामैया, आपकी पार्टी में कई दुश्मन हैं जो यह कहते हुए आपकी पीठ में छुरा घोंपते हैं कि वे आपके पीछे खड़े होंगे। पूरा प्रदेश उनके इस्तीफे का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें जल्द से जल्द इस्तीफा दे देना चाहिए और अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। राज्य भाजपा इकाई ने ट्वीट किया, भ्रष्ट सिद्धरामैया के मुडा घोटाले के दस्तावेज एक-एक करके दिन-ब-दिन उजागर हो रहे हैं। इस बीच चालाकी से जारी किए जा रहे दस्तावेजों पर पर्दा डाला जा रहा है।

भाजपा की हरकतों के कारण राज्यपाल को बुलेटप्रूफ कार में यात्रा करनी पड़ी: परमेश्वर

सिद्धरामैया के इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि राज्य में भाजपा की हरकतों के कारण राज्यपाल थावर चंद गहलोत को बुलेटप्रूफ कार में यात्रा करनी पड़ी। इस संबंध में मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा हमें उन्हें किसी तरह के खतरे के बारे में नहीं पता है। राज्यपाल ने अपने खतरे की आशंका साझा की है और उन्हें उनके हक के अनुसार सुरक्षा दी गई है। भाजपा के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि सरकार राज्यपाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है, परमेश्वर ने कहा कि सरकार ने उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने कहा भाजपा ने राज्य में ऐसी स्थिति पैदा कर दी है। भाजपा नेताओं की हरकतों के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि राज्यपाल को बुलेटप्रूफ वाहन में घूमना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं के अपमानजनक बयानों की निंदा करने और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा द्वारा गुरुवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं है और इसकी कोई जरूरत भी नहीं है। शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) को सीएम की पत्नी द्वारा लिखे गए पत्र में कथित तौर पर छेड़छाड़ के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहले ही बयान दिया जा चुका है और यदि आवश्यक हुआ तो विशेष जांच दल (एसआईडी) इसकी जांच करेगा। उन्होंने कहा एसआईडी मुडा मामले के संबंध में दिए जा रहे विभिन्न बयानों की जांच करेगी। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति पीएन देसाई की अध्यक्षता वाले एकल पीठ आयोग ने अपनी जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में कोई भी जानकारी आयोग को सौंपी जानी चाहिए। मीडिया में बयान जारी करने और भ्रम पैदा करने के बजाय उन्हें आयोग से संपर्क करना चाहिए। कोई भी व्यक्ति आयोग से संपर्क कर अपनी बात कह सकता है।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की इस चुनौती के बारे में पूछे जाने पर कि अगर सौ सीएम सिद्धरामैया भी सामने आ जाएं तो भी वे उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकते, परमेश्वर ने कहा किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए कानून में प्रावधान हैं। 100 या 200 लोगों की कोई जरूरत नहीं है। एक सवाल का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि सरकार कोविड महामारी के दौरान राज्य में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा की गई अनियमितताओं की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा आयोग की सिफारिशों पर गौर करेगी। परमेश्वर ने निष्कर्ष निकाला, यदि आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की जाती है, तो सरकार इस पर विचार करेगी। इससे पहले परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल की नियुक्ति जाति के आधार पर नहीं होती है। इसलिए मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत के मामले में राज्यपाल पर लगे आरोपों के साथ जाति की राजनीति को जोड़ना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल टी.जे. अब्राहम की याचिका पर विचार करते हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ नियुक्ति की अनुमति देने के लिए व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की थी, तो लोकायुक्त संगठन द्वारा अनुरोधित नियुक्ति की अनुमति क्यों नहीं दी जाती? यह सवाल खड़ा हो गया है। 550 एकड़ जमीन अस्तित्वहीन संस्था को आवंटित कर दी गई। इसमें अनियमितताएं हैं, जांच चल रही है। 2023 में अभियोजन की ओर एक याचिका दायर कर आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई थी।

भाजपा यहां जाति का मुद्दा लाकर निम्न स्तर की राजनीति कर रही

इसी तरह शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, जनार्दन रेड्डी के मामले में भी याचिका दायर की गई थी। इससे असहमत राज्यपाल द्वारा अचानक जिस तरह से सिद्धरामैया के मामले को संभाला गया वह संदिग्ध है। इससे पहले तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल में राज्यपालों के व्यवहार पर चर्चा हो चुकी है। अब इसकी शुरुआत कर्नाटक में भी हो गई है। उन्होंने आलोचना की कि देश भर में गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

दुनिया जानती है कि राज्यपाल ने कैसा व्यवहार किया। इस मामले में कैबिनेट की सलाह नहीं मानी गयी। हमारी आपत्ति यह है कि उचित जांच नहीं की गई। कैबिनेट में इस पर लंबी चर्चा हुई। हमारा सुझाव अस्वीकार किया जा सकता था। लेकिन इसका उचित औचित्य बताया जाना चाहिए था। राज्यपाल की नियुक्ति जाति के आधार पर नहीं होती। भाजपा यहां जाति का मुद्दा लाकर निम्न स्तर की राजनीति कर रही है। यह कोई अच्छा विकास नहीं है। उन्होंने कहा कि वह इवान डिसूजा के आपत्तिजनक बयान का समर्थन नहीं करते हैं। राज्य में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। अगर कोई विरोध प्रदर्शन भी हो तो हमने किसी भी अप्रिय घटना से बचने का ध्यान रखा है।

सीएम के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने किया राज्यव्यापी प्रदर्शन
कानून का उल्लंघन स्पष्ट होने पर राज्यपाल ने साक्ष्यों पर विचार कर कार्रवाई की दी अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा मामले में आरोपी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे और राज्यपाल के खिलाफ अपमानजनक बात करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा ने गुरुवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी बेंगलूरु, मेंगलूरु, रामनगर, चामराजनगर, कोलार, चिक्कबल्लापुर, शिवमोग्गा, दावणगेरे, चिक्कमगलूरु, उडुपी, हुब्बल्ली-धारवाड़, बेलगावी, कलबुर्गी और अन्य जिला और तालुक केंद्रों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी और विधायक डॉ. अश्वथ नारायण के नेतृत्व में बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसी तरह राज्य के सभी जिला और तालुका केंद्रों पर भी भाजपा विधायकों, विधान परिषद के सदस्यों और सांसदों ने विरोध प्रदर्शन कर सरकार पर हमला बोला। मुडा मामले में सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती ने कानून का उल्लंघन कर जमीन का अधिग्रहण किया है। कानून का उल्लंघन प्रथम दृष्टया स्पष्ट होने पर राज्यपाल ने साक्ष्यों पर विचार कर कार्रवाई की अनुमति दे दी है। प्रदर्शनकारियों ने सवाल किया कि यह कहना कहां तक सही है कि राज्यपाल इतना महत्वपूर्ण फैसला कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेकर लेते हैं। मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज करने से पहले कई बार कानूनी राय मांगी जाती है। अगर राज्यपाल का फैसला गलत पाया गया तो सरकार इसे अदालत में चुनौती दे सकती है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इसके अलावा कार्यपालिका के मुखिया राज्यपाल की अपमानजनक तरीके से आलोचना करना ठीक नहीं है। मंत्री जमीर अहमद और विधान परिषद सदस्य इवान डिसूजा ने दबी जुबान से

सिर्फ इसलिए बात की है क्योंकि राज्यपाल दलित समुदाय से हैं। मांग की गई कि उनके खिलाफ तुरंत देशद्रोह का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। आरोपी पद पर आसीन सिद्धरामैया को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यदि वे सत्ता में बने रहेंगे तो वे निष्पक्ष जांच नहीं कर सकते। जब आरोपी के पद पर बैठे लोग शीर्ष पर हों तो जांच अधिकारी स्वतंत्र रूप से जांच कैसे कर सकते हैं। सिद्धरामैया को पहले नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अन्यथा, उन्होंने चेतावनी दी कि वह आने वाले दिनों में और अधिक उग्र संघर्ष करेंगे। विरोध के बहाने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं है। बसों पर पथराव करने वालों और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने सवाल किया कि अगर जिम्मेदार पद पर बैठे लोग जनता की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। हमारा संघर्ष यहीं नहीं रुकेगा। यह तब तक जारी रहेगा जब तक सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं दे देते। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक मामला तार्किक स्तर पर नहीं पहुंच जाता, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे।

राज्यपाल पर भेदभाव करने का लगाया आरोप

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर अभियोजन स्वीकृति अनुरोधों को मंजूरी देने में भेदभाव करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की विशेष जांच टीम ने सोमवार को एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गई है। एसआईटी ने पिछले साल नवंबर में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री पर मुकदमा चलाने के लिए गहलोत से अनुमति मांगी थी, जिन्होंने 2007 में मुख्यमंत्री रहते हुए श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स को कानून का उल्लंघन करते हुए कथित तौर पर खनन पट्टा दिया था। कोप्पल जिले के गनीगेरा में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि राज्यपाल ने 26 जुलाई को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया, उसी दिन उन्हें उनके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगने वाली याचिका मिली, जबकि कुमारस्वामी के मामले में गहलोत ने कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या उन्होंने (राज्यपाल ने) भेदभाव नहीं किया है?

मुकदमा चलाने की अनुमति दी

गहलोत ने 16 अगस्त को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत सिद्धरामैया के खिलाफ जांच और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी। मुख्यमंत्री ने कहा हमने कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल से या निजी तौर पर मंजूरी नहीं मांगी है। मंजूरी लोकायुक्त एसआईटी द्वारा मांगी गई थी। उन्होंने जांच की, सबूत एकत्र किए और उसके बाद उन्होंने (मंजूरी) मांगी, इसका मतलब है कि उनके (कुमारस्वामी) खिलाफ सबूत हैं। मेरे मामले में, किसी पुलिस अधिकारी ने (मंजूरी) नहीं मांगी। लोकायुक्त ने भी (मंजूरी) नहीं मांगी। कोई प्रारंभिक जांच नहीं हुई। इसके बावजूद, मंजूरी दी गई। उनके मामले में, लोकायुक्त द्वारा जांच किए जाने के बाद, उन्होंने मंजूरी के लिए अनुरोध किया, लेकिन मंजूरी नहीं दी गई। क्या यह भेदभाव है या नहीं?

त्रिपुरा में भूस्खलन और बाढ़ से 10 लोगों की मौत

अगरतला, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

त्रिपुरा में भारी बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से हाहाकार मचा है। इसके चलते राज्य में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक युवक लापता हो गया। बाढ़ और भूस्खलन को देखते हुए बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। इसके चलते अब तक 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। एनडीआरएफ की चार टीमें बचाव अभियान में राज्य की सहायता कर रही हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम से बात करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

राज्य सरकार के मुताबिक रविवार से हो रही भारी बारिश के चलते राज्य की सभी बड़ी नदियों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई। करीब 1900 जगहों पर भूस्खलन के चलते सड़क मार्ग बाधित हो गया। जगह-जगह जलभराव और बाढ़ से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार ने पश्चिम त्रिपुरा और सिपाहीजला जिले में भारी बारिश को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, असम राइफल्स समेत केंद्रीय अर्धसैनिक बल प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं। सरकार ने भारी बारिश को देखते हुए लोगों को बाहर न निकलने और सतर्कता बरतने के लिए भी कहा है।

बाढ़ के चलते 32,750 लोगों के 330 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। बचाव अभियान में लगीं टीमें लगातार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगी हुईं हैं। लोगों की मदद की जा रही है। उन्हें हर संभव सहायता मुहैया कराई जा रही है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मानिक साहा ने बताया कि राज्य में आई बाढ़ काफी भीषण है। हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। सभी जिला अधिकारियों को प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सहायता मांगी थी। उन्होंने एनडीआरएफ की चार अतिरिक्त टीमों को राज्य में बचाव अभियान में सहयोग करने के लिए भेजा है।

त्रिपुरा में आई बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा के सीएम मानिक साहा से बात की। इस दौरान उन्होंने राज्य को केंद्र की ओर से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने एनडीआरएफ की टीमों के साथ बोट और हेलीकॉप्टर राज्य की सहायता के लिए भेजे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार संकट की घड़ी में त्रिपुरा में रहने वाले अपने भाई बहनों के साथ है।

अमूल दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य-डेयरी ब्रांड

कंपनी ने हासिल किया 100 में से 91 का बीएसआई स्कोर

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय कंपनी अमूल दुनिया की सबसे मजबूत खाद्य एवं डेयरी ब्रांड बन गई है। स्विट्जरलैंड की नेस्ले ने 20.8 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान ब्रांड का खिताब बरकरार रखा है। ब्रांड फाइनेंस फूड एंड ड्रिंक-2024 रिपोर्ट के मुताबिक, अमूल का प्रभावशाली ब्रांड स्ट्रेन्थ इंडेक्स (बीएसआई) स्कोर 100 में से 91 है। इस कारण इसे एएए+ रेटिंग मिली है। खास बात है कि कंपनी का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 3.3 अरब डॉलर पहुंच गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमूल के व्यापक उत्पादों ने न सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में जाना-पहचाना नाम बना दिया है। भारतीय मक्खन बाजार में 85 फीसदी और पनीर में 66 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ अमूल की ब्रांड इक्विटी हर साल मजबूत होती जा रही है।

ब्रांड मूल्यांकन के लिहाज से दुनिया की शीर्ष-100 कंपनियों में सिर्फ चार भारतीय शामिल हैं। अमूल 3.3 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ सूची में 22वें स्थान पर है। 2023 की तुलना में कंपनी ने चार स्थान की छलांग लगाई है। ब्रिटानिया पांच पायदान खिसककर 68वें स्थान पर आ गई है। मदर डेयरी सात पायदान की छलांग लगाकर 87वें स्थान पर है, जबकि नंदिनी 95वें स्थान पर है।

वैश्विक स्तर पर खाद्य एवं पेय क्षेत्र का समग्र ब्रांड मूल्य 4 फीसदी घटकर करीब 268 अरब डॉलर रह गया है। इस गिरावट का कारण यह है कि उपभोक्ता पारंपरिक बड़े ब्रांड की तुलना में छोटे और निजी-लेबल वाली कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। शीर्ष-10 डेयरी ब्रांड के मूल्यांकन में 6 फीसदी की गिरावट आई है, जो अब 43.8 अरब डॉलर है। इसके बावजूद अमूल लगातार चौथे वर्ष सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड बना हुआ है।

टूटने लगा सुरक्षाबलों के सब्र का बांध

जंगलों में छिपे आतंकियों पर निर्णायक हमले की तैयारी

श्रीनगर/जम्मू, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

एक के बाद एक आतंकी हमलों ने सेना की रणनीति को धराशायी कर दिया है। बदली परिस्थितियों में अब सेना नई रणनीति पर मंथन कर रही है। जंगलों में छिपे आतंकियों के ठिकानों पर सेना एयर स्ट्राइक और ड्रोन हमले की तैयारी में जुट गई है।पूर्व डीजीपी एसपी वैद का भी मानना है कि समय की यही मांग है। जब अमेरिका और इज़राइल जैसे देश ऐसा कर सकते हैं, तो भारतीय सेना क्यों नहीं कर सकती।

सेना आतंकियों की सटीक जानकारी जुटा रही है। लगातार हो रहे नुकसान से सब्र का बांध टूट रहा है। आतंकियों का खात्मा करने के लिए एयरफोर्स की मदद लेने पर मंथन किया जा रहा है। ऐसे तमाम विकल्प खुले रखे गए हैं। जिस तरह से पाकिस्तान में भारतीय वायुसेना ने एयर स्ट्राइक कर आतंकियों को ढेर किया था। इसी तरह की कार्रवाई डोडा, कठुआ, राजौरी, पुंछ, उधमपुर के जंगलों में छिपे आतंकियों पर की जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने कहा कि एक समय था जब आतंकियों के साथ ऑपरेशन में कार्रवाई का अनुपात 10-1 था। एक जवान बलिदान होता था तो उसके बदले 10 आतंकी मारे जाते थे। अब यह 1-1 पर पहुंच गया है। लगातार अफसरों का बलिदान चिंताजनक है। आतंकी हर मुठभेड़ के बाद भागने में सफल हो रहे हैं। इनका खात्मा करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहिए। जरूरत हो तो एयरफोर्स की मदद लें और एयर स्ट्राइक करें। इसमें यदि इनको मदद करने वाले भी मारे जाते हैं, तो परवाह नहीं होनी चाहिए।

दलपति विजय भी अब पवन कल्याण की राह पर चलेंगे

अपनी पार्टी टीवीके का झंडे और चिह्न का अनावरण किया

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

जाने माने अभिनेता दलपति विजय भी अब पवन कल्याण की राह पर चल पड़े हैं। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण अभी आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं। दलपति विजय ने भी गुरुवार को अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) का झंडा और चिह्न का आधिकारिक रूप से अनावरण किया। अनावरण के दौरान दलपति विजय के पिता-माता भी पार्टी कार्यालय में मौजूद थे। इस दौरान विजय ने कहा, मुझे पता है कि आप सभी हमारे पहले राज्य सम्मेलन का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए तैयारियां चल रही हैं और बहुत जल्द मैं इसकी घो-षणा करूंगा। उससे पहले मैंने आज हमारी पार्टी के झंडा अनावरण किया है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। हम तमिलनाडु के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।

पार्टी के झंडे का अनावरण करने से पहले अभिनेता से राजनेता बने दलपति विजय ने एक शपथ पढ़ी। उन्होंने कहा कि वह सभी जीवित प्राणियों के लिए समानता के सिद्धांत को कायम रखेंगे। शपथ में विजय ने पढ़ा, हम हमेशा उन सेनानियों की सराहना करेंगे, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति दी। हम हमेशा उन अनगिनत सैनिकों के योगदान को अपने जहन में रखेंगे, जिन्होंने तमिल भूमि से हमारे लोगों के अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया। मैं जाति, धर्म, लिंग, जन्म स्थान के नाम पर भेदभाव को दूर करूंगा। लोगों में जागरूकता पैदा करूंगा और सभी के लिए समान अवसर और समान अधिकार के लिए प्रयास करूंगा। मैं पूरी निष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं सभी जीवित प्राणियों के लिए समानता के सिद्धांत को कायम रखूंगा।

इससे पहले बुधवार को तमिल में जारी एक प्रेस बयान में अभिनेता ने कहा कि लोगों के काम करना एक बड़ा आशीर्वाद है। यह एक महान आशीर्वाद की तरह है अगर आपको हर दिन एक नई दिशा और एक नई ताकत के साथ काम करना हो। 22 अगस्त 2024 वह दिन है, जिसे भगवान और प्रकृति ने हमें इस तरह के आशीर्वाद के रूप में दिया है। यह वह दिन है, जब हमारे तमिलनाडु विजय क्लब का मुख्य प्रतीक ध्वज पेश किया जाएगा।

विज्ञप्ति में कहा गया कि तमिलनाडु के कल्याण के लिए काम करते हुए हम अपने मुख्यालय सचिवालय में अपना वीर ध्वज, विजय ध्वज पेश करेंगे। यह हमारे राज्य का प्रतीक बन जाएगा। हम ध्वज गीत भी जारी करेंगे। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम इसका झंडा भी फहराएंगे। अभिनेता विजय ने हाल ही में राजनीति में प्रवेश किया है और इस साल फरवरी में अपनी पार्टी का नाम तमिलगा वेत्री कझगम रखा था।

कश्मीर के चुनावों के लिए सुरक्षा बड़ी चुनौती

जम्मू, 22 अगस्त (ब्यूरो)।

दस साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय होने के कारण जम्मू कमीर में सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनने जा रही है जिस कारण बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की जाने लगी है।

जम्मू कश्मीर आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है, जो 18 सितंबर से शुरू होकर तीन चरणों में होने वाले हैं। चुनावों में संभवतः केंद्र शासित प्रदेश भर में विभिन्न बटालियनों से बड़ी संख्या में पुलिस इकाइयों की तैनाती शामिल होगी। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत चुनाव प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को प्रमुख क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।

चुनाव अवधि के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए जहां भी आवश्यक होगा, वहां अतिरिक्त सीएपीएफ इकाइयां तैनात की जाएंगी। सूत्रों ने कहा कि उनकी ड्यूटी में सफाई अभियान चलाना और आतंकवादी गतिविधियों से किसी भी संभावित व्यवधान को रोकने के प्रयास में आतंकवाद विरोधी ग्रिड को मजबूत करना शामिल होगा, खासकर पिछले कुछ महीनों में जम्मू क्षेत्र में हुए हालिया हमलों के मद्देनजर। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के तहत, हम एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनावों के दौरान की गई व्यवस्थाओं के अलावा सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी।

उम्मीदवारों की सुरक्षा, चुनाव प्रचार तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान शांति बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मियों की तैनाती की उम्मीद है।

चुनाव के दौरान उम्मीदवारों और मतदाताओं दोनों की सुरक्षा पर जोर देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सावधानीपूर्वक तैयार किया जा रहा है। अधिकारी जिला सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुरक्षा तंत्र मजबूत हो और प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हो। एक सुरक्षा सूत्र का कहना था कि मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता के आधार पर उन्हें मजबूत करने के लिए एक व्यापक सुरक्षा खाका तैयार किया जा रहा है। संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की जाएगी और विघटनकारी व्यवहार के इतिहास वाले व्यक्तियों की निगरानी के लिए निगरानी प्रयासों को बढ़ाया जाएगा।

भौतिक सुरक्षा उपायों के अलावा, अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग को रोकने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल चुनावों में बाधा डालने के लिए किया जा सकता है।

राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा हिंसा या विध्वंसकारी गतिविधियों को भड़काने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सतर्क निगरानी और त्वरित कार्रवाई रणनीति का हिस्सा होगी।

समग्र योजना के हिस्से के रूप में, संचार और रिपोर्टिंग चैनलों को बढ़ाने के लिए जम्मू और कश्मीर में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को मजबूत किया जाएगा।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए विघटनकारी ताकतों द्वारा किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी सुरक्षा बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस साल की शुरुआत में संसदीय चुनावों के सफल आयोजन को देखते हुए, सुरक्षा अधिकारियों को विश्वास है कि बढ़ी हुई तैयारियों के साथ, आगामी विधानसभा चुनाव सुचारू रूप से संपन्न होंगे।

दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी

अलकायदा से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन अलकायदा से प्रेरित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की पुलिस के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन चलाकर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। जानकारी के मुताबिक, इस मॉड्यूल को रांची का रहने वाला डॉक्टर इश्तियाक लीड कर रहा था। ये भारत में आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में थे।

मॉड्यूल के सदस्यों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग अलग-अलग जगहों पर दी जा रही थी। राजस्थान के भिवाड़ी से हथियार चलाने का प्रशिक्षण ले रहे छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा झारखंड और यूपी से कुल मिलाकर करीब आठ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। फिलहाल विभिन्न स्थानों पर पूछताछ चल रही है और अतिरिक्त गिरफ्तारियों की भी उम्मीद है। कई स्थानों से हथियार, गोला-बारूद, साहित्य आदि की बरामदगी की है।

आरोपी सपा नेता के मल्टी कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

सरकारी भूमि और तालाब की जमीन पर बना अवैध मल्टी कॉम्प्लेक्स ढहा

अयोध्या, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

भदरसा कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर योगी सरकार पूरे एक्शन में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े फरमान के बाद जिला प्रशासन ने घटना के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि और तालाब पर बनाए गए मल्टी कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात तक आरोपी का आधा साम्राज्य ढहा दिया जाएगा। इससे पहले तहसील प्रशासन की जांच मे आरोपी की बेकरी तालाब की भूमि पर पाए जाने के बाद तहसील प्रशासन ने बेकरी निर्माण इकाई पर बुलडोजर चलवाकर उसे ध्वस्त करा दिया था।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस बिल्डिंग का निर्माण अवैध ढंग से तालाब की जमीन पर और चकरोड की जमीन पर कब्जा करके किया गया था। विकास प्राधिकरण के द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस दी जा चुकी थी। उसके बाद उनके द्वारा मानचित्र नहीं दाखिल किया गया। न तो किसी प्रकार की रुचि ही दिखाई गई। इसके ध्वस्तीकरण का आदेश जून में ही पारित कर दिया गया था। इस आदेश का तामीला कराते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को एक्टिवेट कराया गया है। एसडीएम के द्वारा आगे जांच की जा रही है, आगे भी जो अवैध संपत्ति पाई जाएगी उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा उपचुनाव में संघ ने संभाली कमान

भाजपा और संघ कार्यकर्ता मिलकर जूझेंगे

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद से ही भाजपा के भीतर मचे घमासान को थामने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अब कमान संभाल ली है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ के सह सर कार्यवाह अरुण कुमार की मौजूदगी में सरकार, संघ और भाजपा संगठन के बीच समन्वय को लेकर एक बड़ी बैठक हुई। जिसमें सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय के साथ ही उप चुनाव की रणनीति, निकायों और बोर्डों में पार्टी पदाधिकारियों की नियुक्ति समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ है कि उप चुनाव में भाजपा के साथ संघ कार्यकर्ताओं को भी तैयारियों में भागीदार बनाया जाए।

सीएम आवास पर करीब ढाई घंटे तक हुई बैठक में सबसे अधिक चर्चा सरकार और संगठन के कद को लेकर छिड़ी रार को लेकर हुई। संघ की ओर से इस बात पर चिंता जताई जताई गई कि अगर यही स्थिति रही तो आगे के सियासी सफर में सबसे अधिक नुकसान भाजपा को उठाना पड़ सकता है। संघ ने नेताओं को ऐसी स्थिति से बचने की सलाह दी है। बैठक में उप चुनाव के साथ ही सरकार और संगठन के आपसी समन्वय पर खास चर्चा हुई और यह कहा गया है कि पार्टी के सभी बड़े नेताओं की यह जिम्मेदारी है कि यदि कहीं पर आपसी मतभेद या मनभेद की स्थिति हो तो उसे आमने-सामने बैठकर समाधान कर लिया जाए। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल रायबरेली रोड स्थित प्रकृति सदन भी गए थे. जहां पर क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार के साथ बैठक करके सीएम आवास पर होने वाली बैठक के संबंध में चर्चा की।बैठक में दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल, क्षेत्र प्रचारक पूर्वी अनिल कुमार और क्षेत्र प्रचारक पश्चिमी महेन्द्र भी मौजूद रहे।

बैठक में उप चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। खास तौर से बूथ प्रबंधन को और मजबूत करते हुए बूथवार छोटी-छोटी बैठकें करके जनता के बीच लगातार संवाद करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। कहा गया है कि विपक्ष द्वारा आरक्षण और संविधान को लेकर बनाए जा रहे नेरेटिव को खत्म करने के लिए लोगों के बीच सच्चाई रखने को कहा गया है। बैठक में यह भी तय किया गया है कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे पीडीए के भ्रमजाल को तोड़ने के लिए भी बूथवार हर समाज के लोगों को जोड़कर जनता के बीच सरकार और पार्टी के नजरिए को रखें। बैठक में यह भी तय किया गया है कि सदस्यता अभियान में पिछड़े और दलित समाज के लोगों को जोड़ा जाए।

बैठक में यह भी तय किया गया है कि इस बार विभिन्न निकायों और बोर्डों में रिक्त पदों पर समायोजन में पार्टी के कॉडर वाले व पुराने कार्यकर्ताओं को ही तरजीह दी जाएगी। पिछले दिनों जिलों और क्षेत्रीय संगठन से जो नाम भेजे गए हैं, उनमें से पार्टी के लिए वर्षों से जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को ही प्राथमिकता दिए जाने की बात हुई है। जो लोग दूसरे दलों से आएं हैं, उन्हे बाद में समायोजित किया जाएगा।

बैठक में माना गया है कि जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच पनपे असंतोष और उपेक्षा के कारण भी लोकसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए आगे से पुराने और कॉडर वाले कार्यकर्ताओं के सम्मान का ख्याल रखा जाए। उनकी उपेक्षा की शिकायतों को दूर किया जाए। नौकरशाही के मनमाने व्यवहार को लेकर भी बैठक में कहा गया कि जिला स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों बीच बेहतर समन्वय से जनता के काम कराने की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए।

निवेश मित्र पोर्टल ने 15.40 लाख आवेदन निस्तारित किए

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को देश का इकोनॉमिक पावर हाउस बनाने में जुटी योगी सरकार ने तकनीक को अपना प्रमुख हथियार बनाया है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका सिंगल विंडो सिस्टम निवेश मित्र पोर्टल निभा रहा है। इस पोर्टल ने उत्तर प्रदेश में निवेश के इच्छुक निवेशकों एवं उद्यमियों की भागदौड़ को समाप्त कर दिया है। इसी का परिणाम है कि निवेश मित्र पोर्टल ने एनओसी/लाइसेंस के 15.40 लाख से अधिक आवेदनों को सफलतापूर्वक निस्तारित किया है।

सीएम योगी का कहना है कि आज का समय उत्तर प्रदेश का है, क्योंकि किसी प्रदेश में उद्योग के लिए आवश्यक बेहतरीन कानून व्यवस्था, पर्याप्त लैंड बैंक, 96 लाख एमएसएमई इकाइयां और सस्ता श्रम आज देश में सिर्फ उत्तर प्रदेश में उपलब्ध है। ये बड़े निवेश के बैकबोन हैं। वहीं जब हम इसमें तकनीक को जोड़ते हैं तो प्रदेश में निवेश के इच्छुक निवेशकों की राह और आसान हो जाती है। निवेशकों को एनओसी/लाइसेंस के लिए विभागों के चक्कर नहीं काटने पड़ते हैं। साथ ही भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगती है। इसी का परिणाम है कि 8 लाख से अधिक उद्यमियों ने निवेश मित्र पोर्टल के विषय में 'संतुष्टि' का फीडबैक दिया है।

इस पोर्टल पर अब तक 10 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। योगी सरकार का यह सिंगल विंडो सिस्टम पर 42 से अधिक विभागों की 491 से अधिक लाइसेंस संबंधी सेवाएं उपलब्ध हैं। विगत 6 वर्षों में इस पोर्टल को उत्तर प्रदेश में निवेश के इच्छुक उद्यमियों की तरफ से एनओसी/लाइसेंस के लिए 15.90 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं, जिसमें से पोर्टल द्वारा 97 प्रतिशत आवेदनों का सफलता-पूर्वक निस्तारण किया जा चुका है।

उत्तर प्रदेश का निवेश मित्र पोर्टल आज देश का सबसे अधिक सेवा देने वाला सिंगल विंडो का प्लेटफार्म बन गया है। इसके माध्यम से एमओयू मॉनिटरिंग और इंसेंटिव वितरण की प्रकिया भी सरल हुई है। यही वजह है कि आज उत्तर प्रदेश, देश में ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में अचीवर स्टेट बन गया है। 2016 तक ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में जो उत्तर प्रदेश देश में 16वें स्थान पर था, आज दूसरे स्थान पर है। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश ने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल उत्तर प्रदेश में निवेश के इच्छुक उद्यमियों को सहूलियत प्रदान करने और उनकी समस्याओं के ससमय निस्तारण के लिए कटिबद्ध है। इसके माध्यम से निवेशकों की जिज्ञासाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए उन्हें समय पर एनओसी प्रदान की जा रही है

अगले दो साल में दो लाख नौजवानों को देंगे सरकारी नौकरी : योगी

जिले वृहद रोजगार एवं ऋण मेला में शामिल हुए सीएम योगी

मुजफ्फरनगर, 22 अगस्त (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश सरकार अगले दो साल में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देगी। उन्होंने कहा कि पहले नौकरियां निकलती थीं तो पश्चिमी यूपी के युवाओं को उससे वंचित रखा जाता था, मगर आज यहां के युवा और बेटियां नौकरियां प्राप्त कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि शुक्रवार से प्रदेश में पुलिसकर्मियों की 60 हजार से अधिक नौकरियों के लिए भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निकलने वाली सरकारी नौकरियों में यहां के युवाओं को बढ़चढ़ कर भाग लेना होगा। कोई माई का लाल युवाओं की योग्यता पर प्रश्न नहीं खड़ा कर पाएगा। उन्होंने आगाह किया कि किसी ने भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोशिश की तो उसे जेल भेजने के साथ ही उसकी संपत्तियों को जब्त करके गरीबों में बांट दिया जाएगा।

सीएम योगी गुरुवार को यहां बीआईटी कॉलेज में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार एवं ऋण मेला में शामिल हुए। इस दौरान 5 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। साथ ही विभिन्न योजनाओं में चयनित पात्रों एवं एमएसएमई उद्यमियों में 30 करोड़ का ऋण वितरित किया गया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को टैबलेट भी वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के जनपदों में हर तीन माह में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए कहा कि मुजफ्फरनगर को सैकड़ों करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। खासकर मीरापुर विधानसभा क्षेत्र को इससे सबसे ज्यादा लाभ मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर वही स्थान है, जो 10 साल पहले दंगों की आग में झुलसता था। आज ये दंगामुक्त हो चुका है और यहां धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकलती है। सीएम ने कहा कि यहां की नई पहचान विकास, सुरक्षा, नौजवानों को काम, सरकारी नौकरी के रूप में बन रही है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार मवाना चीनी मिल का विस्तारीकरण कराने जा रही है। इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर सरकार आगे बढ़ रही। उन्होंने कहा कि बहुत कम क्षेत्र को पौराणिक स्थलों से जुड़ने का सौभाग्य मिलता है। यहां शुकतीर्थ को मां गंगा की धारा से जोड़ने का कार्य हुआ है। आज यहां के गुड़ की मिठास पूरी दुनिया में फैल रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की ताकत बन चुका है।

सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन लोगों से पूछा जाना चाहिए कि उनके उस बॉन्ड का क्या हुआ, जिसमें एक लाख रूपए देने के लिए भरवाया गया था। मुख्यमंत्री ने सपा मुखिया को लेकर कहा कि उनके लोग प्रदेश की बेटियों के साथ दुष्कर्म करते हैं और वह दुष्कर्मियों के साथ खड़े रहते हैं। सीएम योगी ने इसे सपा का मॉडल बताया। सीएम ने आश्वस्त किया कि बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ करेगा तो अगले चौराहे पर उसका इंतजार यमराज करते मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मुजफ्फरनगर के 38 मार्गों के लिए यहां के विधायकगणों ने प्रस्ताव दिया है। यहां मिनी स्टेडियम का शिलान्यास किया गया है। हमारी सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड लाने वाली यूपी की बेटी पारुल चौधरी को डिप्टी एसपी की सीधी नौकरी दी है। प्रदेश के युवाओं की खेल प्रतिभा को आकार देने के लिए मेरठ में प्रदेश का पहले स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण हो रहा हैं। जब ये बनकर तैयार होगा तो यहां का नौजवान ओलम्पिक में गोल्ड और सिल्वर लेकर आएगा। सीएम ने कहा कि हमने प्रदेश के 500 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है और जो भी नौजवान देश के लिए मेडल जीतेगा, यूपी में सरकारी नौकरी उसका इंतजार कर रही होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यूपी में कोई आना नहीं चाहता था। यहां से लोग भागते थे, कैराना से पलायन हो रहा था। आज यहां से उद्योग भागते नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। सहारनपुर और जेवर में एयरपोर्ट बन रहा है। हाईवे का नेटवर्क सुदृढ़ हो रहा है। ये वर्तमान को बेहतर भविष्य देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बांटने का काम कर रहे हैं। देश को दंगों की आग में फिर से झोंकने का काम कर रहे हैं। मगर हमें किसी भी दंगाई को सिर उठाने का अवसर नहीं देना है। जो जाति के नामपर बांटकर अराजकता फैलाना चाहते हैं। जो बेटी की सुरक्षा पर खतरा आने पर दुष्कर्मियों के साथ खड़े होते हों। ऐसे लोगों को हमें आगे नहीं बढ़ने देना है। देश में युवा, गरीब, महिला और अन्नदाता यही चार जातियां हैं। इनकी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को नई उड़ान देना ही हमारी सरकार का संकल्प है।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री अनिल कुमार, कपिल देव अग्रवाल, सोमेन्द्र तोमर, केपी मलिक, बीजेपी क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिसोदिया, एमएलसी मोहित बेनीवाल, सांसद चंदन चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, रालोद नेता राजपाल बालियान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य मौजूद रहे।

यूपी में और बढ़ेगा मक्के का जलवा, दोगुना होगा उत्पादन

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में मक्के का उत्पादन 2027 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए तय अवधि में इसे बढ़ाकर 27.30 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। इसके लिए रकबा बढ़ाने के साथ प्रति हेक्टेयर प्रति कुंतल उत्पादन बढ़ाने पर भी बराबर का जोर होगा। इसके लिए सरकार ने त्वरित मक्का विकास योजना शुरू की है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023/2024 में 27.68 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अभी प्रदेश में करीब 8.30 लाख हेक्टेयर में मक्के की खेती होती है। कुल उत्पादन करीब 21.16 लाख मिट्रिक है। प्रदेश सरकार की मदद भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से संबद्ध भारतीय मक्का संस्थान भी कर रहा है। धान और गेंहू के बाद यह खाद्यान्न की तीसरी प्रमुख फसल है। उपज और रकबा बढाकर 2027 तक इसकी उपज दोगुना करने के लक्ष्य के पीछे मक्के का बहुपयोगी होना है। अब तो एथनॉल के रूप में भविष्य में इसकी संभावनाएं और बढ़ गई हैं।

आने वाले समय में बहुपयोगी होने की वजह से मक्के की मांग भी बढ़ेगी। इस बढ़ी मांग का अधिक्तम लाभ प्रदेश के किसानों को हो इसके लिए सरकार मक्के की खेती के प्रति किसानों को लगातार जागरूक कर रही है। उनको खेती के उन्नत तौर तरीकों की जानकारी देने के साथ सीड रिप्लेसमेंट (बीज प्रतिस्थापन) की दर को भी बढ़ा रही है। किसानों को मक्के की उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार पहले ही इसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दायरे में ला चुकी है। विशेषज्ञों की मानें तो उन्नत खेती के जरिये मक्के की प्रति हेक्टेयर उपज 100 क्विंटल तक भी संभव है। प्रति हेक्टेयर सर्वाधिक उत्पादन लेने वाले तमिलनाडु की औसत उपज 59.39 कुंतल है। देश के उपज का औसत 26 कुंतल एवं उत्तर प्रदेश के उपज का औसत 2021-22 में 21.63 कुंतल प्रति हेक्टेयर था। ऐसे में यहां उपज मक्के की उपज बढाने की भरपूर संभावना है।

मक्के की तैयार फसल में करीब 30 फीसद तक नमी होती है।

यूपी में अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा

बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद ही अभ्यर्थियों को मिलेगी एंट्री

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए फूलप्रूफ प्लान बनाया है। इसके तहत योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती की 23 अगस्त शुक्रवार से दो पालियों में होने वाली परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं। हर परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है जबकि केंद्र में अभ्यर्थियों की संख्या के अनुरूप केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर मौजूद रहेंगे। वहीं सीसीटीवी कैमरों से गहन निगरानी की जाएगी। साथ ही सभी अभ्यर्थियों का बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद भी उन्हे परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। मालूम हो कि योगी सरकार पुलिस बल को और मजबूती देने के लिए 60,244 पुलिस आरक्षी पदों पर भर्ती कर रही है, जिसकी परीक्षाएं 23, 24, 25 और 30, 31 अगस्त को प्रदेश के सभी 67 जनपदों के 1174 सेंटर पर आयोजित की जा रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) की अध्यक्ष राजीव कृष्णा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परीक्षा के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं जनपद स्तर पर जिलाधिकारी जनपदीय पर्यवेक्षक (मजिस्ट्रेट) के रूप में कार्य करेंगे। उनके द्वारा परीक्षा केंद्र ड्यूटी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती समेत अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं की गयी हैं। इसके तहत जिलाधिकारी द्वारा हर सेंटर पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट के साथ सहायक केंद्र पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी (प्रशासन) के रूप में नियुक्त किया गया है जबकि 3 परीक्षा केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की भी तैनाती हुई है। इतना ही नहीं नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए उड़ान दस्ते भी मुस्तैद रहेंगे। वहीं केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर मौजूद रहेंगे। प्रदेश के जिन सेंटर पर एक हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे, वहां पुलिस उपाधीक्षक तैनात रहेंगे। वहीं एक हजार तक अभ्यर्थी वाले सेंटर पर इंस्पेक्टर और पांच सौ तक अभ्यर्थी वाले सेंटर पर सब इंस्पेक्टर को नियुक्त किया गया है। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्र पर नियुक्त कर्मियों में से 50 प्रतिशत जिलाधिकारी और शेष 50 प्रतिशत केंद्र व्यवस्थापक (प्रधानाचार्य) द्वारा नियुक्त किए गए हैं। इनमें परीक्षा सहायक प्रथम एवं द्वितीय जिलाधिकारी और केंद्र व्यवस्थापक द्वारा नियुक्त किए जाएंगे जबकि 12 अभ्यर्थियों पर एक अंतरीक्षक को तैनात किया जाएगा। इसके साथ सहयोगी अंतरीक्षक भी तैनात रहेंगे।

परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए सही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाए, इसके लिए तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की चैकिंग, फ्रिस्किंग एवं पर्यवेक्षण की उचित व्यवस्था की गई है।

केंद्र पर अभ्यर्थियों को प्रवेश फिजिकल फ्रिस्किंग, एचएचएमडी द्वारा फ्रिस्किंग, बायोमैट्रिक फिंगर प्रिन्ट एवं फेशियल रिकॉग्निशन के बाद ही दिया जायेगा। वहीं फेशियल रिकॉग्निशन न होने पर एफआरआईएस कैप्चर करने की भी व्यवस्था की गई है। फेशियल रिकॉग्निशन में संशय होने पर अभ्यर्थी का आधार ऑथेंटिकेशन कराया जाएगा। इसके अलावा सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज जैसे मोबाइल, ब्लूटूथ को निष्क्रिय करने के लिये जैमर लगाए जाएंगे। परीक्षा कक्ष एवं केंद्र में सीसीटीवी लगाकर निगरानी की जा रही है, जिसका लाइव फीड केंद्र के कंट्रोल रूम, जनपद के कंट्रोल रूम एवं भर्ती बोर्ड मुख्यालय के कंट्रोल रूम में प्राप्त होगी।

संपादकीय

दूध की सुध

यह मानवीय मूल्यों के पराभव की पराकाष्ठा है कि दूध की जगह रासायनिक पदार्थों से बना जहरीला पदार्थ धड़ल्ले से बिक रहा है। हकीकत में दूध दुनिया में सबसे ज्यादा मिलावटी खाद्य पदार्थ है, लेकिन भारत में यह संकट बड़ा है। वैसे भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने-पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी। लेकिन इसके बावजूद इस मिलावट पर अंकुश लगाने के लिये हितधारकों की तरफ से कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। यह दुखद ही है कि हर घर में प्रयुक्त होने वाले दूध की गुणवत्ता में भारी गिरावट के बाद भी शासन-प्रशासन की दृष्टि में यह गंभीर मुद्दा नहीं है। न ही राजनीतिक दल ही इस गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हैं। जिसकी वजह से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं। बहरहाल, आज यदि समाज में सेहत के लिये घातक रासायनिक पदार्थों से बना नकली दूध धड़ल्ले से बिक रहा है तो स्वाभाविक प्रश्न है कि जिन खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के पास खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने का जिम्मा है, क्या वे ईमानदारी से अपने दायित्वों को निभा रहे हैं? दरअसल, इन मलाईदार पदों पर नियुक्ति में जिस तरह धनबल व राजनीतिक बल चलता है, वह पद कालांतर सोने का अंडा देने वाली मुर्गी में बदल जाता है। तभी दिवाली आदि त्योहारों में मिठाई के लिये बाजार में दूध, मावे और पनीर की बाढ़ आ जाती है, लेकिन ऐसी स्थिति वर्ष के शेष महीनों में नहीं होती। सवाल स्वाभाविक है कि दिवाली व अन्य त्योहारों के समय दूध व उसके उत्पादों से जो बाजार भर जाता है, साल के शेष महीनों में वह दूध आदि क्यों नजर नहीं आता? इस खेल की तह तक जाने की जरूरत है। वहीं क्या उपभोक्ताओं को मिलावटी दूध से स्वास्थ्य को पैदा होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया जाता है? विडंबना देखिए कि पंजाब, जहां प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता देश में सर्वाधिक है, वह मिलावटी दूध के दाग को धोने के लिये संघर्षरत है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में एकत्र किए गए दूध व दूध से बने उत्पादों के लगभग 18 प्रतिशत नमूने फेल हुए हैं। वहीं दूध-दही के खाने के लिये प्रसिद्ध हरियाणा में भी 28 फीसदी नमूने मानक कसौटी पर खरे नहीं उतरे। जैसे-जैसे त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है नमूने भरने, तलाशी लेने और मिलावट करने वालों की धरपकड़ की रस्मी कार्रवाई तेज हो जाएगी। लेकिन अब तक सुना नहीं गया कि किसी दोषी को कोई बड़ी सजा मिली हो। दरअसल, इन मामलों में कड़ी सजा न मिलने से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद रहते हैं। उन्हें पता है कि आखिरकार येन-केन-प्रकारेण वे बच ही जाएंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि आम उपभोक्ता के लिये दूध में मिलावट की पहचान करने वाली किट बाजार में सहजता से उपलब्ध हों। इस किट को किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल तथा सटीक जानकारी देने वाला बनाया जाए। खाद्य सुरक्षा एजेंसियों को उत्पादों की जांच, नमूने लेने तथा दोषी पाये जाने पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

> भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फॉर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने-पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उम्मीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और बीमार पड़ जाए। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफेद रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

> पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और

आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं।

दृष्टि कोण

नदिया तू सागर हो जा...

संत कबीर की वाणी में हमेशा एक ही संदेश होता है, और वह संदेश है कि सारी कायनात उसी परमात्मा की रचना है, और परमात्मा को किसी विधि-विधान की जरूरत नहीं है, किसी लाउडस्पीकर की जरूरत नहीं है, किसी व्रत-उपवास की जरूरत नहीं है, किसी तीर्थ यात्रा की जरूरत नहीं है, किसी मंदिर-मस्जिद-चर्च की जरूरत नहीं है। परमात्मा को तो प्रेम, समर्पण और श्रद्धा चाहिए। बुद्ध हों, कबीर हों, गुरु नानक हों या संत रविदास हों, सबने एक ही बात कही है। शब्द अलग हो सकते हैं, होते ही हैं, पर संदेश एक ही है, और संदेश यह है कि व्रत, उपवास, मंदिर, मस्जिद, चर्च, कर्मकांड आदि सब शुरुआती खिलौने हैं, ये आध्यात्मिकता की प्री-नर्सरी के खिलौने हैं। असली आध्यात्मिक निश्छल अनासक्त प्रेम में है, सबके लिए प्रेम में है, इनसान और जीव जगत ही नहीं, जड़-चेतन, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे आदि सबके लिए प्रेम, निश्छल प्रेम, अनासक्त प्रेम ही आध्यात्मिकता है। यह प्रेम किसी जान-पहचान का मोहताज नहीं है, किसी लेन-देन का मोहताज नहीं है, किसी रिश्ते का मोहताज नहीं है, बस प्रेम है, सबके लिए है, और सबके लिए एक समान प्रेम है। इस प्रेम का कोई कारण नहीं है, यह बस छलकता ही रहता है, अनायास। संत कबीर कहते हैं कि इस प्रेम के लिए किसी तीर्थ पर जाने की जरूरत नहीं है, जप, तप, व्रत, उपवास की जरूरत नहीं है, इसके लिए तो परमात्मा में आस्था की जरूरत है, उस आस्था में विश्वास की जरूरत है, और इस ब्रह्मांड के जीव जगत ही नहीं, बल्कि हर जड़-चेतन के प्रति प्रेम की जरूरत है, उसके सम्मान की जरूरत है। इतना ही काफी है। गुरु नानक देव जी कहते हैं कि मैं जो कुछ भी करता हूं, वही पूजा है, और अपने कामों के लिए जहां कहीं भी जाता हूं, वही परमात्मा की प्रदक्षिणा है, क्योंकि परमात्मा तो हर जगह है, हर गति में, चलने-फिरने में, मूवमेंट में, उसी परमात्मा की प्रदक्षिणा हो रही है। मुझे परमात्मा की अर्चना के लिए कोई दीपक या धूप-बत्ती जलाने की भी आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह सारा ब्रह्मांड ही परमात्मा की आरती कर रहा है। सूर्य, चंद्रमा और ये अनगिनत तारे दीपक हैं, यह सुगंधित-सुवासित हवा धूप-अगरबत्ती है। हम सब मानते ही हैं कि जर्रे-जर्रे में उसी परमात्मा का नूर है। फूल में, पौधे में, पेड़ में, हिरन में, बाघ में, इनसान में, सूर्य में, चंद्र में, तारों में, आकाश में, हवा में भगवान है, तो मिट्टी में, पत्थर में, लोहे में, लकड़ी में, पेड़ से टूट कर गिरे सूख चुके पत्ते में भी वही परमात्मा है, उसी का नूर है। वो खुदा जिसका नूर जर्रे-जर्रे में जगमगाता है, और वो पत्ता जो पेड़ से टूट कर, गिर कर सूख गया है, उसमें भी उसी का अक्स मुस्कुराता है। आध्यात्मिकता तब होती है, जब यह सच समझ में आ जाता है। प्रेम क्या है? जिसे 'ढाई आखर प्रेम का' कहा गया है, वह असल में क्या है, उसकी पहचान क्या है, उसकी खूबी क्या है? गौतम बुद्ध की शिक्षाओं में कहा गया है कि जब प्रेम पूर्णतः निरासक्त हो, अकारण हो, सबके लिए हो, सार्वभौम हो, करुणामय हो, सामने वाले की खुशी में हम खुश होते हों, सामने वाले की सहायता करते हुए हम सहानुभूतिपूर्ण हों और हमें सच्ची खुशी हासिल हो, उसमें अहसान की भावना न हो, अहंकार की भावना न हो, और यह प्रेम और सहायता की भावना सबके लिए हो, तभी वह सच्चा प्रेम है। सवाल उठता है कि निरासक्त स्नेह वाले प्रेम का अभ्यास कैसे हो? प्रेम का अभ्यास करने के लिए हमें पहले खुद से प्यार करना सीखना चाहिए। उसके बाद वही प्रेम परिवार के सभी सदस्यों के लिए जगाना सीखना चाहिए। यह इतना परिपक्व और निष्पक्ष हो कि सास-बहू, देवरानी-जेठानी आदि रिश्तों में भी वैमनस्य, संपत्ति के लिए षड्यंत्र आदि तिरोहित हो जाएं। उसके बाद पड़ोसियों, गांवों या कस्बों, फिर पूरे देश और आखिरकार पूरी दुनिया में सभी प्राणियों के बीच प्रेम और कृपा के विस्तार का नाम ही सच्चा प्रेम है। जब हम सबसे प्रेम करने लगते हैं, अनायास प्रेम करने लग जाते हैं, बिना किसी उद्देश्य के और बिना किसी लालच के प्रेम करने लग जाते हैं तो हमारा हाथ हमेशा किसी जरूरतमंद की सहायता के लिए बढ़ा ही रहता है। अक्सर हम पढ़ते सुनते आए हैं कि दान किसी सुपात्र को ही देना चाहिए। हम 'सहज संन्यास मिशन' के अनुगामी संन्यासी इसे एक बिल्कुल ही अलग नजरिये से देखते हैं। हम यह मानते हैं कि दान देने के लिए लेने वाले की पात्रता नहीं देखी जाती, इसके बजाय देखना यह होता है कि देने वाला सुपात्र है या नहीं। महत्वपूर्ण यह है कि देने वाला किस भावना से दे रहा है, किस मन्शा से दे रहा है, किस लालच के वशीभूत होकर दे रहा है। देने वाले को सुपात्र होना चाहिए। हम एक और भ्रम में जी रहे हैं कि यह संसार दुखों का घर है। गुरु नानक देव जी ने जब 'नानक दुखिया सब संसार' कह कर एक सार्वभौम समस्या की तरफ इशारा किया तो 'सो सुखिया जो नाम अधार' कह कर इस समस्या का हल भी साथ ही बता दिया। गौतम बुद्ध ने कहा कि दुख है, दुख का कारण भी है, पर इस दुख से पूर्ण रूप से छुटकारा हो सकता है और यह दुख ही असल में मुक्ति का मार्ग है, क्योंकि यह दुख हमें घमंड से दूर करता है, विनम्र होना सिखाता है, कृतज्ञ होना सिखाता है।

कुछ अलग

तेरे वादे पर जिए हम...

जो शुरू ही नहीं हुआ, उसे आपने खत्म घोषित कर दिया। आज पूरा देश जैसे माला पहनने और पुष्पित अभिनंदन करवाने की जल्दबाजी में लगा नजर आता है। यहां तो उनका उद्घाटन और अभिनंदन कर देने की प्रथा एक साथ बनती नजर आती है। यह केवल स्व नियोजित साहित्य समारोहों में ही नजर नहीं आता, कि आप अपने पैसे से पुस्तक छपवाएं और उसके लोकार्पण के दिन ही अपना अभिनंदन भी करवा लें। इन किताबों के शीर्षक उछालने में भी कोताही नहीं होती। जुमा जुमा आठ दिन हुए साहित्य से लुकाछिपी खेलते हुए और पुस्तक के आवरण पर शीर्षक जमा दिया, 'इस देश के सर्वश्रेष्ठ लेखक।' इतना ही क्यों, कुछ तो यहां अपने आपको विश्व के चुनिंदा लेखकों में से घोषित करते नजर आते हैं। तबीयत नहीं भरी तो इससे आगे जा इस सदी, इक्कीस सदी का सरताज लेखक घोषित कर दिया। यह न पूछ लेना कि आपको यह विशेषण घोषित करने का अधिकार किसने दिया। यह किसी ऐसे निर्णायक मंडल के महानुभावों का नाम ले देंगे, जो स्वयं भी बरसों साहित्य की पहचान के चौराहे पर ठिठके-ठिठके व्यतीत हो गए। जनाब, आजकल महामारी के दिनों में सामाजिक अंतर रख कर जीने का रिवाज बन गया है। इसलिए आपके साहित्य के लिए पाठक वर्ग और आपकी किसी अन्य उपलब्धि के लिए करतल ध्वनि से तालियां बजाते दर्शक वर्ग की जरूरत ही नहीं रही। ऑनलाइन वैबिनार आयोजित कीजिये, इंटरनैट पर अवतरित होकर कल्पना कीजिये कि आप लाखों घरों में एक साथ प्राकशित हो गए। ऑनलाइन इन सम्मान समारोहों ने तो कल पैदा हुए लोगों को भी अंतरराष्ट्रीय व्यक्तित्व बना दिया। बस कल्पना कीजिये, कि लाखों लोग आपके प्रभावशाली व्यक्तित्व का स्वागत कर रहे हैं। आपकी बात कम सुनते हैं, बस तालियां पीटते जा रहे हैं। वैसे बन्धु, आपके पास कहने के लिए था भी क्या, बस इस काबिलेगौर जिक्र के कि आप जैसा अभिभूत कर देने वाला व्यक्तित्व न कोई पिछले जन्म में था, न कोई अगले जन्म में होगा। इस गुजरते जन्म में तो आपकी शोभा अनिवर्चनीय है ही। जी नहीं, यह बात केवल स्व-प्रचारित लेखकों, नाटक अभिनेताओं, खिलाडियों या गायकों के लिए ही नहीं हो रही। रातोंरात चोला बदल कर अपने महान अवतरण की घोषणा करने वाले आज आपको हर क्षेत्र में नजर आते हैं। कल तक जो सरहदों पर तस्करी और सरकारी दफ्तरों में दलाली खा आपको काम करवा देने का भरोसा दे रहे, आज वही हर प्रकार के असामाजिक, अनैतिक धंधों के विरुद्ध आवाज बुलंद करते नजर आते हैं। आपके सामने भेंट किए गए पैसों को खुर्द-बुर्द कर वे 'रिश्वत लेना और देना गुनाह है' का नारा लगा सामाजिक शुचिता के लिए बलिहान हो जाने का तेवर दिखाते हैं। 'जब तक किसी आरोपी पर आरोप प्रमाणित न हो जाए, वह न तो अपराधी है और न उसे दंड दिया जा सकता है।' बस कानून की इसी पतली गली का इस्तेमाल करके ही आज केवल नेता भवन और पार्टी कार्यालय ही नहीं देश की विधानसभाएं और संसद तक इन मुजरिम चेहरों से भरी नजर आती है। न ये आरोपित अपराधी प्रमाणित होंगे और न ही इन्हें देश का दंड विधान, कानून के रखवालों और समाज के भद्र लोगों की श्रेणी से बाहर कर सकेगा। देश की जिस युवा पीढ़ी को वास्तव में कानून का रखवाला बनना चाहिए था, या अपने सजग चिंतन के साथ समाज को नया रूप देते हुए दिखना चाहिए था, वह भी हैं, पहले रोजगार मेलों का कतारों में खड़े होकर अपने लिए रोजगार की दिलासा प्राप्त कर रहे थे। अब ऑनलाइन रोजगार मेलों में घोषणाओं के भ्रमजाल में जी रहे हैं।

देश दुनिया से

खेल भावना में 'राष्ट्र प्रथम' सर्वोपरि रहे

> विश्व के प्रत्येक खिलाड़ी का सपना इन खेलों में भाग लेकर अपने तथा अपने राष्ट्र के लिए पदक जीतना रहता है। जुआन एंटोनियो समारांच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, 'खेल मित्रता है, खेल स्वास्थ्य है, खेल शिक्षा है, खेल जीवन है और खेल विश्व को एक साथ लाते हैं।' प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 23 जून को मनाया जाता है। इस बार 2024 में इस दिवस का विषय 'चलो चलें और जश्न मनाएं' (लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट) था। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का पदक तालिका में प्रदर्शन कोई ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं रहा है। भारत का ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है जिसमें भारत ने 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमारा 48वां स्थान था जबकि इस बार खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं तैयारियों पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

विश्व में प्रायः खेलों की अनेक प्रतिस्पर्धाएं प्रतिवर्ष अलग-अलग नामों से आयोजित की जाती हैं, जिनमें ओलंपिक खेलों को खेलों के महाकुंभ का दर्जा दिया गया है। विश्व के प्रत्येक खिलाड़ी का सपना इन खेलों में भाग लेकर अपने तथा अपने राष्ट्र के लिए पदक जीतना रहता है। जुआन एंटोनियो समारांच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पूर्व अध्यक्ष के अनुसार, 'खेल मित्रता है, खेल स्वास्थ्य है, खेल शिक्षा है, खेल जीवन है और खेल विश्व को एक साथ लाते हैं।' प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस 23 जून को मनाया जाता है। इस बार 2024 में इस दिवस का विषय 'चलो चलें और जश्न मनाएं' (लेट्स मूव एंड सेलिब्रेट) था। अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय खिलाडियों का पदक तालिका में प्रदर्शन कोई ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं रहा है। भारत का ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है जिसमें भारत ने 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमारा 48वां स्थान था जबकि इस बार खिलाडियों के प्रशिक्षण एवं तैयारियों पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पेरिस ओलंपिक में 117 सदस्यीय खिलाडियों की टीम वाले भारत ने केवल छह पदक जीते हैं, जिनमें एक रजत और पांच कांस्य शामिल हैं। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 40 स्वर्ण, 44 रजत, 42 कांस्य पदकों और कुल 126 पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। अगले 34वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन 2028 में अमरीकी शहर लॉस एंजिल्स में होगा। ओलंपिक खेलों का इतिहास काफी पुराना है, लगभग 1200 वर्ष पूर्व प्राचीन ओलंपिक खेलों का आयोजन करवाया गया था। चूंकि यह खेल यूनान की राजधानी एथेंस के निकट ओलंपिया पर्वत के आसपास आयोजित किए गए थे, इसलिए 1896 में पुनः शुरू हुई इन खेलों का नाम भी ओलंपिक खेल रखा गया था, जिसमें उत्तरोत्तर बदलावों को लाकर इन खेलों को बेहद आकर्षक, रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जाता रहा है। ओलम्पिक खेलों के जनक बेरोंन पियरे डी कोबर्टीन के सुझाव पर 1913 में ओलम्पिक ध्वज का सृजन हुआ था और जून 1914 में इसका विधिवत उद्घाटन पेरिस में हुआ था। इस ध्वज को सर्वप्रथम 1920 के एंटवर्प ओलम्पिक में फहराया गया। ध्वज की पृष्ठभूमि सफेद है, सिल्क के बने ध्वज के मध्य में ओलम्पिक प्रतीक के रूप में पांच रंगीन एक-दूसरे से मिले हुए छल्ले दर्शाए गए हैं, जो विश्व के 5 महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही निष्पक्ष एवं भेदभाव से मुक्त स्पर्धा का प्रतीक भी हैं। नीला चक्र यूरोप, पीला चक्र एशिया, काला चक्र अफ्रीका, हरा चक्र ऑस्ट्रेलिया और लाल चक्र उत्तरी एवं दक्षिणी अमरीका महाद्वीपों को दर्शाता है। सन् 1897 में फादर डिडोन द्वारा लेटिन भाषा में रचित 'सिटियस, अल्टीयस, फोर्टियस' को ओलम्पिक के उद्देश्य के रूप में अपनाया गया था जिसका अर्थ है तेज, ऊंचा, बलवान। इसको पहली बार 1920 में ओलम्पिक के उद्देश्य के रूप में एंटवर्प (बेल्जियम) ओलम्पिक खेलों में प्रस्तुत किया गया था। इसी के साथ ओलम्पिक मशाल को जलाने की शुरुआत 1928 से एम्स्टर्डम ओलम्पिक से हुई थी। 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में मशाल के वर्तमान स्वरूप को अपनाया गया था। उसी समय से मशाल को आयोजन स्थल तक लाने का प्रचलन भी शुरू हुआ। इस बार पेरिस ने तीसरी बार 1900, 1924 और 2024 में 33वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी की है। पेरिस ओलंपिक में 32 खेलों की 48 विधाओं की स्पर्धाओं के लिए 329 पदक दांव पर रहे, जिसमें 206 देशों के लगभग 10500 खिलाडियों ने भाग लिया। वर्ष दर वर्ष भारत में खेलों के उन्नयन एवं खिलाडियों की नई पौध को तैयार करने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन स्कूली स्तर पर खिलाडियों की नर्सरी तैयार करने के दावे अभी भी फीके ही हैं। गांव, कस्बों में तो कोच, खेल परिसर, खेल मैदानोंस जिम एवं अन्य सुविधाओं का नितांत अभाव है ही, वहीं खेलों को एक कॅरियर चॉइस के रूप में अपनाने के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए समयबद्ध तैयारी एवं खुले मन से धन आवंटन की दरकार भी है। इस कटु सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज बड़ी संख्या में युवा वर्ग नशीले पदार्थों के सेवन से अपनी शारीरिक एवं मानसिक सेहत से खिलवाड़ कर रहा है, जिससे उनके घरवाले एवं समाज अलग परेशान हैं। पुलिस नशीले पदार्थों के व्यापार में संलग्न लोगों पर पूरी तरह से नकेल कसने में कामयाब नहीं हो पा रही है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो जाता है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें युवाओं की ऊर्जा को खेलों एवं अन्य साहसिक गतिविधियों में नियोजित करने के लिए मुक्त हस्त से बजट आबंटन कर पंचायत स्तर तक खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करें और गांव से राष्ट्र स्तर तक योग्य प्रतिभाशाली खिलाडियों की पौध तैयार करने पर निवेश करें।

आप का नजरिया

कहां जाएं बेटियां-बहनें

प्रख्यात क्रिकेटर सौरव गांगुली को भी विरोध-प्रदर्शन के लिए सडक़ पर उतरना पड़ा है। पत्नी डोना गांगुली भी उनके साथ होंगी। उन्हें बर्बर बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और कार्यस्थलों पर असुरक्षा सरीखे मुद्दों पर विरोध जताना पड़ा है, क्योंकि सौरव-डोना भी एक बेटी के माता-पिता हैं। इधर कुछ घटनाओं ने उनकी आत्मा को झकझोर दिया है। सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ कोलकाता रेप-मर्डर कांड की सुनवाई कर रही है। सर्वोच्च अदालत ने इस कांड का स्वतः संज्ञान लिया है। बंगाल सरकार और पुलिस को खूब फटकार लगाई है और उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए हैं। सरकारें बड़ी मोटी खाल की होती हैं। फटकार का उन पर कोई असर नहीं पड़ता। बेशक संदर्भ कोलकाता अस्पताल में एक युवा ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और बाद में हत्या का है, लेकिन शीर्ष अदालत का सरोकार राष्ट्रीय है। खासकर अस्पतालों में महिला डॉक्टर और नर्स आदि कैसे सुरक्षित रहें, इसके मद्देनजर एक टास्क फोर्स बनाने और अस्पतालों की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने के महत्वपूर्ण फैसले सुनाए गए हैं। प्रधान न्यायाधीश की यह टिप्पणी देशवासियों की आत्मा में लगातार गूंजती रहनी चाहिए कि बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म और हत्या का इंतजार नहीं कर सकता। टास्क फोर्स को अपनी अंतरिम रपट तीन सप्ताह में देनी है और अंतिम रपट दो माह की अवधि में देनी है। फोर्स महिला सुरक्षा के उपाय सुझाएगी। गौरतलब यह है कि 'निर्भया कांड' के एक साल बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में सख्त 'पॉक्सो एक्ट' बनाया गया। उसके बाद 'पॉश' (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरासमेंट ऑफ वूमन एट वर्कप्लेस) एक्ट बनाया गया। फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया। क्या इन कानूनों ने बलात्कारियों को डराया? हमारी व्यवस्था में कई विसंगतियां हैं। करीब 2.43 लाख केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में लंबित पड़े हैं। इनमें पॉक्सो केस भी हैं। हर रोज बलात्कार के केस आ रहे हैं और सरकारें फास्ट ट्रैक कोर्ट के आश्वासन देती रहती हैं। पीड़िता को इंसाफ मिलना बहुत दूर की कौड़ी है। बहरहाल अब मौजूदा संदर्भ में सर्वोच्च अदालत के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा है, लेकिन आदमी की 'पाशविक हवस' अब दरिंदगी की हदें भी पार कर चुकी है। हम बलात्कारियों, हत्यारों को इनसान नहीं मान सकते, वे 'जानवर' से भी अधिक खौफनाक हैं। अब हालात ये बन गए हैं कि बेशक बेटी 3-4 साल की हो और स्कूल जाना शुरू ही किया हो। बेटी बड़ी होकर कॉलेज में पढ़ती हो अथवा गहन पढ़ाई करके डॉक्टर बनी हो और एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत हो। बेटी कहीं जाने के लिए राज्य परिवहन की बस में बैठी हो या बाजार में किसी काम से गई हो। उम्र 60 पार कर चुकी हो और विधवा महिला हो! अब ऐसी बेटियां, नाबालिग या बालिग लड़कियां अथवा उम्रदराज विधवा महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। वे सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं।

गाजा-मिस्र सीमा से नहीं हटेंगे इज़राइली सैनिक : पीएम बेंजामिन नेतन्याहू

यरूशलम , 22 अगस्त (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में हमास के साथ चल रहे युद्ध के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा बयान दिया है। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली सैनिक गाजा-मिस्र सीमा से नहीं हटेंगे।

इजरायली प्रधानमंत्री के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पीएम ने कहा कि वे हमास के साथ संभावित युद्धविराम समझौते के तहत गाजा-मिस्र सीमा से सैन्य बलों को नहीं हटाएंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा बुधवार को जारी बयान के हवाले से कहा कि नेतन्याहू ने गाजा-मिस्र सीमा से सैन्य बलों को हटाए जाने की खबरों को गलत बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल इस क्षेत्र पर नियंत्रण छोड़ने के लिए सहमत नहीं है।

बयान में कहा गया है कि इजरायल सुरक्षा कैबिनेट अपने सभी युद्ध उद्देश्यों को हासिल करने पर जोर देगा। जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि गाजा फिर से इजराइल के लिए खतरे का कारण न बने। इसके तहत दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने की जरूरत है।

इससे पहले व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि बुधवार को भी नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने युद्धविराम समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा के लिए फोन पर बात की।

इजरायली सैन्य अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि इजराइल फिलाडेल्फिया कॉरिडोर पर नियंत्रण बनाए बिना अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा कर सकता है।

ज्ञात हो कि गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए अमेरिका समर्थित मौजूदा समझौता प्रस्ताव को इजरायल ने स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को घोषणा की थी कि इजरायल ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

इसके तहत गाजा पट्टी और मिस्र के बीच स्थित फिलाडेल्फिया कॉरिडोर से इजरायली सैनिकों की वापसी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूबर ने दी भारत पर परमाणु बम गिराने की धमकी, लोगों का गुस्सा फूटा

लंदन। ब्रिटेन के यूट्यूबर ने भारत पर परमाणु बम गिराने की बात कह दी थी। माइल्स रूटलेज नाम के इस युवक को भारतीयों पर नस्लवादी टिप्पणियां करने के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल यह पूरा मामला एक मीम वीडियो से शुरू हुआ जिसे उसने एक्स पर अपलोड किया था। वीडियो में अमेरिका में छिपे हुए साइलो से परमाणु मिसाइलें निकलती दिखाई दे रही हैं और दुनिया भर में परमाणु युद्ध की बात कही जा रही है। वीडियो शेयर करते हुए रुटलेज ने लिखा-जब मैं इंग्लैंड का पीएम बनूंगा तो मैं ब्रिटिश हितों और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाली किसी भी विदेशी ताकत पर परमाणु साइलो खोल दूंगा। मैं बड़ी घटनाओं की बात नहीं कर रहा हूं, मैं छोटी-सी बात पर पूरे देश को खत्म कर दूंगा। इसके कुछ मिनट बाद रूटलेज ने पोस्ट पर एक कमेंट करते हुए कहा कि मैं भारत पर हमला कर सकता हूं। पोस्ट शेयर करने के बाद लोगों ने उसकी जमकर खिंचाई शुरु कर दी। उसे ट्रोल से धमकी भरे डीएम भी मिलने लगे। इसके बाद उसने भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां करना शुरू कर दी। यूट्यूबर रुटलेज ने लिखा- मानो या न मानो मुझे भारत पसंद नहीं। साथ ही मैं एक भारतीय को महसूस कर सकता हूं कि वह भारतीय है। अगर कोई ऑनलाइन आदमी अचानक पहली प्रतिक्रिया में आपकी मां को गाली देता है, तो वह भारतीय है। ऐसे कई मामले हैं। इस तरह की टिप्पणी के बाद लोग और भड़क गए। एक्स यूजर्स ने उस पर भारतीयों को भड़काने का आरोप लगाया है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ आईसीटी में तीन और शिकायत दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर 15 जुलाई से पांच अगस्त के बीच मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाते हुए कल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की जांच एजेंसी में तीन और शिकायतें दर्ज की गई हैं। यह जानकारी बांग्लादेश के समाचार पत्र द डेली स्टार ने अपनी रिपोर्ट में दी है। द स्टार के अनुसार, इसके अलावा हसीना के खिलाफ हत्या के नौ व एक अन्य मामला कुछ दिन पहले दर्ज किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ अब तक कुल 44 मामले दर्ज किए गए। इनमें हत्या के 35, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के सात, अपहरण का एक और बीएनपी के जुलूस पर हमले का एक मामला शामिल है। जांच एजेंसी के उप निदेशक (प्रशासन) अताउर रहमान ने कहा है कि हमने तीन शिकायतें दर्ज कर इस तरह सभी मामलों की जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर पति द्वारा बनाए गए हजारों अश्लील वीडियो लेकर पुलिस के पास पहुंची महिला, गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका में रह रहे एक भारतीय ने हजारों लड़कियों के न्यूड वीडियो रिकॉर्ड किए हैं। भारतीय डॉक्टर ओमैर एजाज ने इस महिलाओं के अलावा बच्चों को भी नहीं छोड़ा है। पुलिस ने एजाज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कथित तौर पर अस्पतालों और अपने घर में छिपे हुए कैमरे का इस्तेमाल करता था। अब शख्स पर यौन अपराधों के 10 मामलों में केस दर्ज किया गया है। यह मामला तब सामने आया जब एजाज की पत्नी ने पुलिस को ये सारी चीज़ें उपलब्ध कराई। इसके बाद ओकलैंड काउंटी शेरिफ ने मिशिगन में उसके रोचेस्टर हिल्स स्थित घर पर तलाशी वारंट जारी किया। 13 अगस्त को एजाज पर औपचारिक रूप से बच्चों के साथ यौन शोषण, न्यूड महिलाओं की तस्वीरें खींचने के चार मामलों और अपराध के लिए कंप्यूटर का उपयोग करने के पांच मामलों में आरोपी बनाया गया है। पुलिस को अपनी जांच के दौरान एक ही हार्ड ड्राइव में 13,000 से ज़्यादा वीडियो मिले हैं। इसके अलावा 15 और डिवाइस ज़ब्त किए हैं। एजाज को 8 अगस्त को बाथरूम, चेंजिंग एरिया, अस्पताल के कमरों और यहां तक कि अपने घर में भी छिपे हुए कैमरे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जानकारी के मुताबिक इंटरनल मेडिसिन का एक्सपर्ट ओमैर एजाज 2011 में भारत से वर्क वीजा पर अमेरिका गया था। मिशिगन के सिनाई ग्रेस अस्पताल में रहने के बाद वे अलबामा के डॉसन चला गया था। इससे पहले भी वह कई अस्पतालों में काम कर चुका है। हाल ही में उसने अलग-अलग अस्पतालों में काम करने के लिए फिजिशियन के रूप में कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था।

रूस-यूक्रेन जंग ढाई साल से जारी

यूक्रेन ने मॉस्को में बरसाए गोले, रूस बोला, 45 ड्रोन कर दिए जमींदोज

मॉस्को, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग में बीते ढाई साल से बैकफुट पर नजर आ रहे वोलोदिमीर जेलेंस्की अब फ्रंट-फुट पर आकर पुतिन एंड कंपनी को करारा जवाब दे रहे हैं। करीब एक सप्ताह पहले रूस में घुसकर हमले करने के बाद अब यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को में बमबारी की। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। हालांकि साथ ही यह भी दावा किया गया कि उनके सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया है। यूक्रेन की कोशिश है कि वो ज्यादा से ज्यादा रूस की जमीन पर अपना कब्जा कर ले, ताकि जब बात आपसी समझौते की हो तो वो रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी जमीन को वापस पा सके। विशेषज्ञ का कहना है कि इसी कारण अब यूक्रेन अमेरिका सहित तमाम अन्य पश्चिमी देशों की मदद से रूस पर हमलावर हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए। दावा किया गया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए जबकि 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए।

रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, जहां उसका लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण है! वह अपने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के अटैक को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा विदेशी हमला है!

रूसी मीडिया ने मॉस्को क्षेत्र के आसमान में ड्रोन के चक्कर लगाने और फिर हवाई सुरक्षा द्वारा आग के गोले में मार गिराए जाने का फुटेज शेयर किया। रूसी विमानन नियामक संस्था ने कहा कि मॉस्को के हवाई अड्डों वनुकोवो, डोमोडेडोवो और जुकोवस्की ने चार घंटे के लिए उड़ानों को सीमित कर दिया, लेकिन 0330 जीएमटी से सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया था।

इजराइली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा, बोले- 7 अक्टूबर का हमल। नहीं रोक पाया

येरूसलम। इजराइल और हमास के बीच पिछले दस माह से जंग चल रही है। इसकी शुरुआत तब हुई थी जब 7 अक्टूबर को इजराइल में एक समारोह में दौरान आतंकी हमला किया जिसमें सैकड़ो नागरिकों की मौत हो गई। इसके बदला लेने के लिए इजराइल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया और हमास पर धावा बोल दिया। अब 10 महिने बाद इजरायली सैन्य खुफिया प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया है। विदाई समारोह में 7 अक्टूबर को देश की सीमा की सुरक्षा ना कर पाने की जिम्मेदारी ली। 38 साल से भी ज्यादा समय तक सेना से जुड़े रहे मेजर जनरल अहरोन हालिवा ने अप्रैल में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। इस दौरान जनरल अहरोन ने माना कि वे इजरायल के इतिहास में सबसे बड़े हमले का पता लगाने और उसे रोकने में असफल रहे। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला कर पूरे क्षेत्र में तबाही मचाई थी।

इजरायल के आंकड़ों के मुताबिक इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली और विदेशी मारे गए जिनमें से ज्यादातर आम लोग थे। हमास ने लगभग 250 लोगों को गाजा में बंदी भी बना लिया था। माना जाता है कि लगभग 109 बंधक अभी भी गाजा में हैं जिनमें से लगभग एक तिहाई के के बचने की उम्मीद नहीं है। सशस्त्र बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल हर्ज़ी हलेवी और घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार दोनों ने हमले के बाद जिम्मेदारी स्वीकार की लेकिन गाजा में युद्ध जारी रहने के बीच वे पद पर बने हुए हैं। समारोह में हालिवा ने कहा, खुफिया कॉर्प्स की असफलता मेरी गलती थी। हालिवा ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध की वजहों का का गहराई से पता लगाने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की जांच बैठने की भी बात की है। 7 अक्टूबर के हमले से इजरायली सेना और खुफिया सेवाओं की प्रतिष्ठा को बेहद नुकसान पहुंचा था। 7 अक्टूबर की सुबह के एक तीव्र रॉकेट हमले के बाद हमास और अन्य समूहों के हजारों लड़ाकों ने गाजा के चारों ओर सुरक्षा घेरों को तोड़ दिया था। इससे इजरायली सेना को संभलने का मौका नहीं मिला। इन समूहों ने दक्षिणी इजरायल में जमकर उत्पात मचाया।

यूरोपियन यूनियन के एक फैसले पर भड़का चीन

बुरी तरह छटपटा रहे जिनपिंग दादागिरी करने वाले अब दे रहे हैं नियमों की दुहाई

बीजिंगे, 22 अगस्त (एजेंसियां)। यूरोपियन यूनियन के एक फैसले से चीन को मिर्ची लग गई है। चीन के अधिकारी और उद्योग जगत के लोग यूरोपियन यूनियन पर भड़क गए। दरअसल ईयू ने एक नया ड्राफ्ट रिलीज किया है जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल के खिलाफ जांच करने की बात कही गई है। यह बात चीन को बुरी तरह चुभ गई।

चीन ने कहा कि यूरोपीय संघ का यह फैसला चीन और यूरोपियन यूनियन के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर करता है क्योंकि इस फैसले से यूरोपियन यूनियन के बाजार में चीनी की कंपनियों के प्रति विश्वास में कमी आएगी। विशेषज्ञ ने कहा कि यूरोपीय यूनियन का यह ऐलान, जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल्स निर्माताओं के खिलाफ भारी टैरिफ दरें शामिल हैं, ने विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत में और भी ज्यादा मुश्किलें पैदा कर दी हैं। इस बीच चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने चीन के घरेलू उद्योग के अनुरोध पर यूरोपीय संघ के कुछ डेयरी उत्पादों की जवाबी जांच शुरू की। चाइनीज विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू उद्योग के आवेदन और डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार शुरू की गई यह जांच उचित है। हालांकि, यह ईसी की संरक्षणवादी जांच से पूरी तरह अलग है जो डब्ल्यूटीआई नियमों का उल्लंघन करती है। यूरोपियन यूनियन ने चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ 36.3 प्रतिशत की अधिकतम टैरिफ दर बनाए रखने का फैसला किया, जबकि चीन में टेस्ला द्वारा निर्मित ईवी पर यह दर 9 प्रतिशत है। इस फैसले से नाराज कई चीनी मंत्रालयों और उद्योग समूहों ने इस कदम की निंदा की है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ईसी की जांच को संरक्षणवाद और राजनीति से प्रेरित कार्रवाई कहा कि उन्होंने कहा कि ईसी की यह जांच तथ्यों की अनदेखी और डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया इलाज के बाद अस्पताल से घर लौटीं

ढाका, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया अस्पताल में करीब एक महीने से ज्यादा इलाज कराने के बाद बुधवार को घर वापस आ गई हैं। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद खालिदा (79) को सभी आरोपों से बरी करते हुए जेल से रिहा कर दिया गया था। जानकारी के मुताबिक जिया पिछले पांच वर्षों से नजरबंद थी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष जिया को इस महीने की शुरूआत में राष्ट्रपति ने क्षमादान दिया था जिसके बाद यह पहली बार है कि वह स्वतंत्र तौर घर आईं हैं। खबर में बीएनपी मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य शायरुल कबीर खान के हवाले से बताया गया है कि शाम करीब सात बजे जब वह अस्पताल से निकलीं तो कई पार्टी कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता उनके साथ घर तक गए। जिया मार्च 1991 से मार्च 1996 तक तथा जून 2001 से अक्टूबर 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री लिवर सिरोसिस, गठिया, मधुमेह, गुर्दे, फेफड़े, हृदय और आंखों से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित जिया को आठ जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने 16 अगस्त को कहा था कि जल्द ही जिया को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए विदेश भेजा जाएगा।

पाकिस्तान में बवाल : पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक इस्लामाबाद के लिए रवाना

इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था

इस्लामाबाद, 22 अगस्त। (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक गुरुवार फिर से सड़कों पर उतर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब जैसे प्रांतों से हजारों की संख्या में उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंच रहे हैं। इन समर्थकों ने एक जलसे का फैसला किया है। इस जलसे यानी रैली का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर करेंगे। वहीं इस्लामाबाद प्रशासन ने इस रैली के लिए जारी एनओसी को रद्द कर दिया है, जिससे तनाव बढ़ गया है। इमरान समर्थक रोक लगने के बाद भी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने पर आमादा हैं।

यदि इन लोगों पर कोई लाठीचार्ज या बल प्रयोग हुआ तो फिर हालात बिगड़ भी सकते हैं। इससे पहले बीते साल 9 मई को जब इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पूरे पाकिस्तान में ही हिंसा भड़क गई थी। यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए थे। उस मामले में कई पीटीआई नेता अब भी जेलों में बंद हैं। खुद इमरान खान जेल में ही हैं। इससे पहले रमजान के दौरान इस्लामाबाद प्रशासन ने पीटीआई को अनुमति दी थी कि वह रैली कर सकती है। तब पीटीआई का कहना था कि हमारे कार्यकर्ता मस्जिदों में व्यस्त हैं।इमरान खान समर्थकों ने इस्लामाबाद के तारनोल में जुटने का फैसला लिया है।

बता दें कि पहले प्रशासन ने 31 जुलाई को रैली के लिए एनओसी जारी कर दी थी, लेकिन अब उसे वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अब भी इमरान खान की पार्टी की ही सरकार है। वहां उसका अच्छा प्रभाव भी है और खुद इमरान खान पठान हैं और मूल रूप से खैबर के ही हैं। ऐसे में वहां से हजारों की संख्या में लोग इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं। पाक सरकार को आशंका है कि कोई बड़ा बवाल भी हो सकता है। गौरतलब है कि इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर पीएम के तौर पर मिले उपहारों को गबन करने समेत कई मामले चल रहे हैं। पाकिस्तान पंजाब सरकार ने इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है ताकि इन लोगों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। पंजाब में किसी भी तरह के राजनीतिक जुटान पर भी रोक लगी है। बीते कई महीनों से इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक इस्लामाबाद में रैली की परमिशन मांग रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंत में 22 अगस्त को जुटने का फैसला लिया गया। इस रैली के लिए खैबर पख्तूनख्वा से हजारों लोग आगे बढ़ रहे हैं। वहीं उन्हें रोकने के लिए प्रशासन ने इस्लामाबाद के एंट्री पॉइंट्स पर बड़े-बड़े कंटेनर रखवा दिए हैं।

पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी आरोपी फरहान आसिफ को दबोचा

ब्रिटेन में दंगा भड़काने की साजिश रचने वाला लाहौर से गिरफ्तार

लाहौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन में झूठी सूचना और अफवाह से दंगा भड़काने वाले पाकिस्तानी नागरिक को पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने लाहौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फरहान आसिफ के रूप में हुई। वह फ्रीलांस वेब डेवलपर है। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआइए) ने फर्जी जानकारी आनलाइन फैलाने के लिए उसपर साइबर अपराध का आरोप लगाया है।

एफआइए ने कहा कि यह साबित हो चुका है कि फर्जी खबर फैलाने वाला अकाउंट आसिफ का था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ब्रिटेन ने उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है या नहीं। आरोप है कि उसने ब्रिटेन में डांस क्लास में 29 जुलाई को चाकूबाजी में शामिल संदिग्ध के बारे में यूट्यूब और फेसबुक पर गलत सूचना फैलाई थी। उसने दावा किया था कि संदिग्ध हाल ही में ब्रिटेन आया है और शरण चाहता है। हमलावर ब्रिटेन का रहने वाला था।

गलत सूचना के लगातार प्रसारित होने के बाद वहां दंगा भड़क उठा था। धुर दक्षिणपंथियों ने शरण चाहने वालों पर हमला शुरू कर दिया था। भीड़ ने मस्जिद के साथ ही शरण चाहने वालों से जुड़े स्थानों को भी निशाना बनाया था। ब्रिटेन के कई शहर दंगे से प्रभावित हुए थे। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे।

जेनिफर लोपेज, बेन एफ्लेक को देंगी तलाक, कोर्ट में लगाई याचिका

लॉस एंजिलिस। दो दशक सात में रहने और सुर्खियां बटोरने के बाद मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने फिल्म निर्माता बेन एफ्लेक से तलाक लेने का फैसला लिया है। हॉलीवुड के 'पावर कपल' कहे जाने वाले इस जोड़े को उनके फैंस प्यार से 'बेनिफर' कहते थे। लोपेज ने लॉस एंजिलिस में तलाक लेने के लिए आवेदन दिया। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि लोपेज ने लॉस एंजिलिस सुपीरियर कोर्ट में एक याचिका दायर की। लोपेज ने याचिका में बेन से अलग होने की तारीख 26 अप्रैल 2024 दर्ज कराई है।

यूटीटी 2024 : बेंगलुरु स्मैशर्स ने अल्वारो रॉबल्स को कप्तान नियुक्त किया

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) 2024 में स्टार स्पेनिश पैडलर अल्वारो रॉबल्स बेंगलुरु स्मैशर्स टीम की कप्तानी करेंगे। यूटीटी 2024 की शुरुआत शुक्रवार को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हो रही है, पहले मैच में चेन्नई लायंस का सामना बेंगलुरु स्मैशर्स की टीम से होगा।

33 वर्षीय रॉबल्स प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की एक टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें भारतीय शीर्ष खिलाड़ी मनिका बत्रा, यूएसए की सनसनी लिली झांग, युवा जीत चंद्रा और तनीषा कोटेचा और बेहद अनुभवी अमलराज एंथोनी शामिल हैं। रॉबल्स अल्टीमेट टेबल टेनिस में अपने चौथे वर्ष में हैं और पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स के साथ उनका यह पहला वर्ष है। दो बार के ओलंपियन, रॉबल्स ने पिछले सीज़न के यूटीटी फ़ाइनल में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय महान अचंता शरथ कमल को 3-0 से हराया था।

पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स के मालिक पुनीत बालन ने कहा, हम अल्वारो रॉबल्स को पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स का कप्तान बनाकर बहुत खुश हैं। अल्वारो का ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है - वह एक सिद्ध चैंपियन हैं और उनके पास लीडर का दिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और इस लीग में उनका अनुभव उन्हें हमारी टीम का नेतृत्व करने के लिए एकदम सही विकल्प बनाता है। हम एक ऐसी टीम बनाने में विश्वास करते हैं जो उत्कृष्टता और टीमवर्क का प्रतीक हो, और अल्वारो के नेतृत्व में, हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस सीज़न में स्मैशर्स के लिए क्या होने वाला है।

रॉबल्स की उल्लेखनीय उपलब्धियों में हंगरी के बुडापेस्ट में 2019 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक रजत पदक शामिल है, जिससे वह इस खेल में इतनी ऊंचाइयों तक पहुंचने वाले पहले स्पेनिश खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में स्पेन का प्रतिनिधित्व करने वाले रोबल्स ने 2020 में भूमध्यसागरीय खेलों का स्वर्ण पदक जीता और हमवतन मारिया ज़ियाओ के साथ मिलकर उसी वर्ष आईटीटीएफ चैलेंजर सीरीज़ इवेंट में फ़ाइनल में पहुँचने वाले पहले स्पेनिश खिलाड़ी बने।

टीम का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने पर रॉबल्स ने कहा, पीबीजी बेंगलुरु स्मैशर्स का कप्तान चुना जाना एक बहुत बड़ा सम्मान है। अल्टीमेट टेबल टेनिस जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के इतने प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करना एक चुनौती है जिसे मैं स्वीकार करने के लिए उत्सुक हूँ। हमारे पास एक मजबूत टीम है, और मेरा मानना है कि हमारे अनुभव और युवा प्रतिभा का मिश्रण हमें एक मजबूत दावेदार बना देगा।

यूटीटी में तीसरी बार, रॉबल्स डच कोच एलेना टिमिना के अधीन काम करेंगे, जिन्होंने पिछले साल अपनी टीम को यूटीटी चैंपियन बनने के लिए प्रशिक्षित किया था। टिमिना अपने विशाल अनुभव को डेब्यू करने वाले भारतीय कोच अंशुमान रॉय के साथ खिलाड़ियों तक पहुँचाएंगी, जिसमें रोबल्स कोच के प्रतिनिधि होंगे। रॉबल्स की कप्तानी पर, टिमिना ने कहा, मैं अल्वारो रॉबल्स को फिर से कोचिंग देने के लिए रोमांचित हूं, खासकर टीम कप्तान की ऐसी महत्वपूर्ण भूमिका में।

न्यूज ब्रीफ

काउंटी चैंपियनशिप 2025 में ससेक्स के लिए नहीं खेलेंगे चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अगले साल काउंटी चैंपियनशिप के लिए ससेक्स की टीम का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि इंग्लिश क्लब ने उन्हें हटाकर आस्ट्रेलियाई डेनियल ह्यूजेस की सेवाएं बरकरार रखने का फैसला किया है। बाएं हाथ के ह्यूजेस अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 विटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने यह भी घोषणा की कि वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सेल्स चैंपियनशिप के पहले ब्लॉक में खेलेंगे। पुजारा ने ह्यूजेस के आने से पहले पहले सात चैंपियनशिप मैच खेले थे। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में कहा, चेतेश्वर की जगह लेना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन डैन ने शानदार तरीके से काम किया है और हम सभी खुश हैं कि वह अगले पूरे सत्र के लिए वापस आ जाएंगे। ह्यूजेस इस साल के ब्लास्ट के ग्रुप स्टेज में 43.07 की औसत से 560 रन बनाकर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें पाँच अर्द्धशतक और नाबाद 96 रन का उच्चतम स्कोर शामिल था। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 4 सितंबर को घरेलू मैदान पर लंकाशायर लाइटनिंग के खिलाफ़ क्वार्टर फ़ाइनल में ससेक्स की मदद की। वह इस सीज़न में ससेक्स के अंतिम पाँच चैम्पियनशिप खेलों में भी शामिल होंगे।

आईसीसी की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक इंदिरा नूयी का इस्तीफा

दुबई। इंदिरा नूयी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपना नाता तोड़ लिया है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ, जो विश्व निकाय की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक थीं, अब इस प्रतिष्ठित पद पर नहीं हैं। क्रिकबज के अनुसार, पिछले महीने कोलंबो में हुए वार्षिक सम्मेलन के साथ ही उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। कोलंबो सम्मेलन के दौरान भारतीय मूल की अमेरिकी नूयी ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और इस अवसर के लिए आईसीसी को धन्यवाद दिया। माना जा रहा है कि आईसीसी अब एक उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश कर रहा है, जो स्वतंत्र निदेशक की परिभाषा में फिट हो सके। चर्चा है कि उनकी जगह एक ऑस्ट्रेलियाई महिला आएगी। चेन्नई में जन्मी अमेरिकी व्यवसायी नूयी जून 2018 में शुरुआत में दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी में शामिल हुईं, आईसीसी संविधान के अनुसार, एक स्वतंत्र महिला निदेशक दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र है और जुलाई 2024 में, उन्होंने तीन कार्यकालों वाले पात्र छह साल पूरे कर लिए। नूयी को सबसे पहले शशांक मनोहर ने आईसीसी में नियुक्त किया था, जो आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष हैं। इसके बाद, उन्हें दो बार सेवा विस्तार मिला। आईसीसी में शामिल होने से पहले, नूयी ने 2006 से 2018 तक पेप्सिको के सीईओ के रूप में काम किया।महिला निदेशक के जाने के बाद, आईसीसी के शक्तिशाली बोर्ड में अब 16 सदस्य 12 पूर्ण सदस्य, तीन एसोसिएट नेशन निदेशक और अध्यक्ष हैं । हालांकि अब बोर्ड में 17 सदस्य होंगे। यह संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि निदेशक नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे, जिसके लिए आईसीसी ने अधिसूचना जारी कर दी है।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए आर. श्रीधर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर को सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 54 वर्षीय श्रीधर न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम से जुड़ेंगे। लंबी अवधि के अनुबंध पर बाद में विचार-विमर्श किया जा सकता है। श्रीधर के पास कोचिंग का अच्छा खासा अनुभव है और उन्होंने 2021 टी20 विश्व कप तक रवि शास्त्री के अधीन भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया है। 2008 से 2014 तक, पूर्व प्रथम श्रेणी बाएं हाथ के स्पिनर ने भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में सहायक फील्डिंग और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया और 2014 के भारत अंडर-19 विश्व कप टीम के सहायक कोच भी रहे। उन्होंने आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब फ्रैंचाइज़ी के साथ कोचिंग का भी लुत्फ़ उठाया है। अफगानिस्तान टीम में श्रीधर मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट के अधीन काम करेंगे, क्योंकि टीम 9 सितंबर से नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच 18 सितंबर से शारजाह में खेले जाएंगे।

दिल्ली प्रीमियर लीग चैंपियनशिप

अर्पित राणा के साहसिक अर्धशतक से पुरानी दिल्ली 6 को मिली पहली जीत

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा के शानदार अर्धशतक की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के अपने तीसरे मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस को 7 विकेट से हरा दिया। यह जीत सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा के शानदार अर्धशतक की बदौलत मिली, जिन्होंने 43 गेंदों पर 56 रनों की पारी खेली।

पुरानी दिल्ली 6 की मौजूदा सीजन में यह पहली जीत है। ललित यादव की अगुआई वाली टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में वेस्ट दिल्ली लायंस को 141/9 पर रोक दिया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से लक्ष्मण ने तीन और आयुष सिंह ने दो विकेट लिए। इसके बाद दिल्ली 6 ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, यह जीत हमारे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ की कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है। अर्पित राणा की पारी में धैर्य और कौशल का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और गेंदबाजों ने अपने अनुशासित प्रयासों से नींव रखी। हम इस प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हैं।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने तीन ओवर के अंदर तीन विकेट गंवा दिए।शिवम गुप्ता और कप्तान ऋतिक शौकीन ने वेस्ट दिल्ली लायंस को दो छोटी साझेदारियां बनाने में मदद की। शिवम आठवें ओवर में आउट हो गए, जबकि शौकीन 12वें ओवर में आउट हो गए, जिससे वेस्ट दिल्ली

लायंस का स्कोर 65/5 हो गया। देव लाकड़ा ने कुछ शॉट खेले, लेकिन पारी को ज्यादा देर तक आगे नहीं बढ़ा पाए।

वेस्ट दिल्ली लायंस नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना पाई। एकांश डोबाल और तिशांत डबला ने क्रमश:14 गेंदों पर 34 और 9 गेंदों पर 23 रन बनाकर वेस्ट दिल्ली लायंस को निर्धारित 20 ओवर में 141/9 तक पहुंचाया।

142 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने 4 ओवर में 40 रन बनाकर सकारात्मक शुरुआत की। अर्पित राणा ने पुरानी दिल्ली 6 को जोरदार शुरुआत दी, लेकिन चौथे ओवर में मंजीत आउट हो गए। इसके बाद सनत सांगवान ने अर्पित राणा की मदद की और दोनों ने 40 रनों की साझेदारी की। 11वें ओवर में सांगवान आउट हो गए और पुरानी दिल्ली 6 का स्कोर 82/2 हो गया। 13वें ओवर में ललित यादव आउट हो गए, लेकिन अर्पित राणा ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। अंत में, पुरानी दिल्ली 6 ने 17 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया, वंश बेदी ने 18 गेंदों में 30 रन बनाए और दिल्ली 6 को जीत दिलाई। पुरानी दिल्ली का अगला मुकाबला शुक्रवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स से होगा।

टी20 विश्वकप का आयोजन स्थल बदलने से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा :दीप्ति

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि टी20 विश्व कप के आयोजन स्थल में हुए बदलाव से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दीप्ति ने कहा कि हमारा लक्ष्य पहले भी जीत दर्ज करना था और अब भी वही है। साथ ही कहा कि अचानक स्थल बदलने से हमारी तैयारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए विश्वकप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया है हालांकि मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ही रहेगा। तीन से 20 अक्टूबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट अब दुबई और शारजाह में होगा। हाल ही में इंग्लैंड में द हंड्रेड में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वदेश लौटी दीप्ति ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विश्व कप कहां हो रहा है। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान केंद्रित करती हूं कि एक ऑलराउंडर के रूप में मैं टीम की सफलता में कैसे योगदान दे सकती हूं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बस अपना सब कुछ देना चाहती हूं और पिछले चार-पांच महीने हमारे लिए अच्छे रहे हैं। उम्मीद करते हैं कि अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा और इस बार हम ट्रॉफी के इंतजार को खत्म करेंगे। हमें थोड़ी जानकारी है कि यूएई के विकेट कैसे होते हैं।' इस ऑलराउंडर ने कहा, 'मैं इस समय अपने क्रिकेट का आनंद उठा रही हूं और इससे मुझे अपने ऊपर से दबाव हटाने में मदद मिली है। मैंने अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों से सीखा है कि जब आप खेल का आनंद लेना शुरू करते हैं, तो आप मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं।' दीप्ति ने लंदन स्पिरिट वुमेन के लिए द हंड्रेड 2024 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को विजयी छक्का लगाकर उसका पहला खिताब दिलाया था।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

साईनाथ पारधी ने जीता कांस्य, चार भारतीय महिला पहलवान फाइनल में

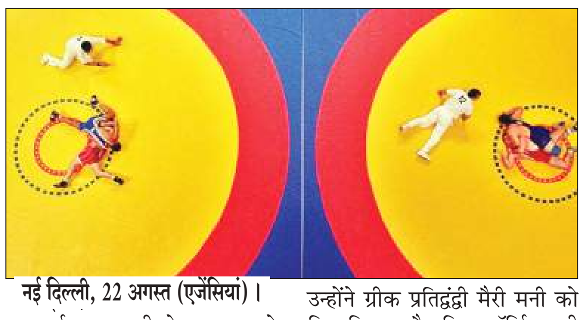

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

साईनाथ पारधी ने बुधवार को जॉर्डन के अम्मान में अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए दूसरा पदक जीता, जब उन्होंने पुरुषों के 51 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में कजाकिस्तान के येरासिल मुसन पर 3-1 से जीत के साथ कांस्य हासिल किया। पारधी ने रेपेचेज राउंड में यूएसए की मुनारेटो डोमेनिक माइकल को 7-1 से हराकर पदक मुकाबले में प्रवेश किया था।

चार भारतीय महिला पहलवान फाइनल में पहुंचीं

43 किग्रा वर्ग में अदिति कुमारी ने अलेक्जेंड्रा बेरेज़ोवस्काया को 8-2 से हराकर स्वर्ण पदक मैच में प्रवेश किया और अब उनका सामना ग्रीस की मारिया एल गिका से होगा। अदिति ने यूक्रेन की कैरोलिन शपरिक (10-0) और मैरिएम मोहम्मद अब्देलाल (4-2) के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए नॉकआउट में प्रवेश किया।

57 किग्रा के सेमीफाइनल में नेहा ने कजाकिस्तान की अन्ना स्ट्रेटन को 8-4 से हराया और अब उनका मुकाबला जापान की सो त्सुत्सुई से होगा। नेहा ने बिना कोई अंक गंवाए सेमीफाइनल में जगह बनाई क्योंकि उन्होंने ग्रीक प्रतिद्वंद्वी मैरी मनी को पिन किया और फिर जॉर्जिया की मिरांडा कपानाडेज़ के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की।

65 किग्रा वर्ग में पुलकित ने मिस्र की मरम इब्राहिम एली पर 3-0 से जीत हासिल की और फाइनल में डारिया फ्रोलोवा से भिड़ेंगी। इससे पहले पुलकित ने चीन के लिंग कै को विन बाय फॉल के लिए हराया और उसके बाद जुलियाना कैटानज़ारो के खिलाफ 9-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस बीच, 73 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही मानसी लाथेर ने यूक्रेन की क्रिस्टीना डेमचुक के खिलाफ 12-2 के स्कोर के साथ फॉल से जीत हासिल की और स्वर्ण पदक के लिए हन्ना पिरस्काया का सामना करेंगी।

मंगलवार रात ग्रीको-रोमन कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में विश्व में दूसरे स्थान पर काबिज रौनक ने तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को 6-1 से आसानी से हराकर चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक जीता। सेमीफाइनल में वे हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन ज़ाको से हार गए थे। स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने ज़ाको को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया।

पेरिस स्वर्ण पदक विजेता पाउला लीटन हैदराबाद में शिविर के लिए तैयार

बार्सिलोना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिसमस की छुट्टियों में हैदराबाद में वॉटर स्पोर्ट्स के शौकीनों के पास वाटर पोलो की मूल बातें और बारीकियां सीखने का सुनहरा अवसर होगा, स्पेन की पाउला लीटन एरोनेस से, जिन्होंने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता है।पाउला हैदराबाद में एक शिविर-सह-क्लिनिक का आयोजन करेंगी, जिसका आयोजन स्पोर्ट्स विलेज द्वारा हैदराबाद पोलो और राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) के सहयोग से हैदराबाद के अत्याधुनिक ओलंपिक स्विमिंग पूल में किया जाएगा। यह शिविर अंडर-16 और अंडर-18 लड़के और लड़कियों के लिए खुला रहेगा।स्पेन के बार्सिलोना में पाउला से मिलने वाली स्पोर्ट्स विलेज टीम में इसके सीईओ मो. शम्सुद्दीन, सदस्य सैयद ओवैस कादरी और यूरोपा स्पोर्ट्स विलेज प्रमोटर जोआक्विन बीना मार्टिनेज शामिल थे। पाउला ने सैद्धांतिक रूप से हैदराबाद में शिविर का दौरा करने और उसका संचालन करने पर सहमति जताई है।बातचीत के दौरान 24 वर्षीय स्पैनियार्ड ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि वॉटर स्पोर्ट्स में भाग लेने के लिए आदर्श आयु 12 वर्ष है, जिसके बाद सबसे पहले तैराकी पर ध्यान देना चाहिए। पेरिस खेलों की अपनी तैयारियों के बारे में पाउला ने कहा कि वह हर दिन आठ से नौ घंटे तक प्रशिक्षण लेती हैं। उन्होंने कहा कि शारीरिक फिटनेस और निपुणता के अलावा, विश्व प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मानसिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए।

CEAT क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार से सम्मानित रोहित शर्मा, विराट कोहली ने जीता 'मेन्स ओडीआई बैटर ऑफ द ईयर का अवार्ड

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और तेज गेंदबाज मो शमी को सम्मानित किया गया। रोहित को यहां आयोजित इस समारोह में 'सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स 2023-24 का 'मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला है। वहीं पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को 'मेन्स ओडीआई बैटर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। इसके अलावा 2023 के क्रिकेट विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज मोहम्मद शमी को भी 'ओडीआई बॉलर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल को 'मेन्स टेस्ट बैटर ऑफ द ईयर और आर अश्विन को 'मेन्स टेस्ट बॉलर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा खेल प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए बीसीसीआई सचिव जय शाह को भी इस दौरान सम्मानित किया गया।

विराट के स्वदेश लौटने की अटकलें

लंदन। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली आजकल अपनी पत्नी बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और अपने बच्चों के साथ लंदन में हैं। बेटे अकाय के जन्म के बाद से ही उनका परिवार यहां रह रहा है। हाल ही में ये अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि अब वह स्थायी रुप से यही रह सकते हैं पर अब अनुष्का ने भारत लौटने के संकेत दिये हैं। इससे प्रशंसक उत्साहित हैं। अनुष्का ने एक विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया में लिखा, जल्द मिलती हूं।

मणिपुर के डीजीपी ने पेरिस ओलंपियन मीराबाई चानू, नीलकांत शर्मा को किया सम्मानित

इंफाल, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीट मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में सम्मानित किया। पेरिस ओलंपिक में भारत का अभियान पांच कांस्य और एक रजत सहित छह पदकों के साथ समाप्त हुआ।

मणिपुर पुलिस ने एक्स पर सम्मान समारोह की झलकियाँ साझा कीं और लिखा, मणिपुर के 2024 पेरिस ओलंपियन अर्थात् सुश्री मीराबाई चानू और शांगलाकपम नीलकांत शर्मा को पुलिस मुख्यालय, इंफाल में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ डीजीपी मणिपुर द्वारा सम्मानित किया गया। मणिपुर पुलिस को उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में सभी प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया गया है। चानू और नीलकांत शर्मा मणिपुर से हैं। चानू मामूली अंतर से पोडियम स्थान से चूक गईं और महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इस बीच, नीलकंठ शर्मा को कृष्ण बहादुर पाठक और जुगराज सिंह के साथ भारत की पुरुष हॉकी टीम की वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन पर 2-1 की जीत के बाद ओलंपिक में 52 वर्षों में पहली बार लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता।

निशानेबाजी में मनु भाकर ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह स्वतंत्रता के बाद के युग में ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। इससे पहले यह गौरव पेरिस 1900 खेलों में नॉर्मन प्रिचर्ड के नाम था।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु ने कांस्य पदक जीता और इस स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। सरबजोत सिंह के साथ मनु ने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना दूसरा कांस्य हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहकर वह पदकों की हैट्रिक बनाने से चूक गईं। स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पोडियम पर खड़े होकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया।

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा टोक्यो में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में विफल रहे, लेकिन 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। पहलवान अमन सेहरावत, जिन्होंने ओलंपिक में पदार्पण किया, ने प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज़ पर 13-5 की जीत के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

केरल सरकार श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का इनाम देगी

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने घोषणा की है कि भारतीय हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीजेश ने पूरे टूर्नामेंट में एक दीवार की तरह खड़े होकर गोल होने से रोके थे। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में श्रीजेश के खेल में योगदान को देखते हुए ये इनाम दिये जाने पर फैसला लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

भारत में धातु और इस्पात उद्योग की वृद्धि में एमसीएक्स के माध्यम से मिलेगा नया आयाम

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में धातु और इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका और दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस उद्योग की प्रगति को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यह कदम छोटे निर्माताओं को भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती संभावनाओं का लाभ दिलाने में सहायक होगा। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स प्रेसेंट ने कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में मेटल कॉन्क्लेव नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में धातु और इस्पात क्षेत्र की विभिन्न स्तरों की कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए।

ज्ञात हो कि 2006 में भारत सरकार ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) विकास अधिनियम के तहत इस क्षेत्र के नियम-कानून लागू किए थे। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विभोर टंडन ने इस अवसर पर कहा कि देश के कुल जीडीपी का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एमएसएमई से प्राप्त होता है। देश की बढ़ती जनसंख्या और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की मांग के साथ-साथ धातु और इस्पात उद्योग का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है। टंडन ने कहा कि एमएसएमई के स्टैंडर्डाइजेशन एंड लिस्टिंग के बारे में कई लोगों को स्पष्ट समझ नहीं है। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के लगभग 250 सदस्य और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स के लगभग 800 सदस्यों को इस उद्योग के विभिन्न अज्ञात पहलुओं के बारे में जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस कॉन्क्लेव में विभोर टंडन के अलावा चित्तरंजन रेगे, महेश अग्रवाल, टाटा स्टील के चीफ जनरल मैनेजर संजय बेहेरा भी शामिल हुए। चर्चा के दौरान कच्चे माल की कीमत, बिक्री मूल्य, तकनीकी बदलाव के साथ रोल ऑफ रेगुलेटर्स, प्राइस मैकेनिज्म जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए। गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज, इन 3 प्रकार की सर्टिफिकेशन और उनके नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह भी बताया कि इन प्रमाणपत्रों के आधार पर केंद्र सरकार से सब्सिडी प्राप्त की जा सकती है। 20 निर्दिष्ट मानकों को पूरा करने पर गोल्ड सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाएगा। धातु क्षेत्र में वित्तपोषण की भूमिका पर चर्चा में अभीक गुप्ता, ममता बिनानी, प्रज्ञा झुनझुनवाला आदि विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा में जीएसटी जैसे वित्तीय और कर से संबंधित मुद्दों पर भी विचार किया गया। एक निजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी इंद्रजीत घोष ने मंच पर संक्षिप्त भाषण दिया। चर्चा में विभिन्न बैंकों और निजी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लाशें बेचने ...

एक हजार पेजों का एक दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग को जमा किया था। उसमें यह आरोप था कि आरजी कर मेडिकल में गुंडों का एक गैंग है जो बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार कर रहा है और जबरन वसूली का धंधा चला रहा है। ये सारी जानकारी उन दस्तावेजों में है। आरोप है कि गिरोह पार्किंग वालों से वसूली करता है, आसपास दुकानों से जबरन वसूली करता है। अस्पताल के वेस्ट में भ्रष्टाचार होता है। ड्रग्स के लेन-देन में जबरन वसूली की जाती है। अस्पताल में गुंडा गैंग का राज चलता था। अस्पताल का कोई भी व्यक्ति इनके डर से मुंह नहीं खोल पाता था। अब जाकर डॉ. संदीप घोष के खिलाफ आर्थिक मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।

ऐसे रोंगटे खड़े कर देने वाले कांड में अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा की जा रही लीपापोती पर दुखी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जेबी पारदीवाला ने कहा कि उन्होंने अपने 30 वर्ष के लंबे अनुभव में ऐसी लापरवाही कभी नहीं देखी। सीबीआई द्वारा सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट पर न्यायाधीश की यह स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया अभिव्यक्त हुई।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में सीबीआई ने अब तक की स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर दी है। रिपोर्ट में सीबीआई ने बताया है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में अपराध स्थल से छेड़छाड़ की गई और इस पूरे मामले में लीपापोती की कोशिश की गई। सीबीआई ने पीड़ित डॉक्टर के अंतिम संस्कार के बाद एफआईआर दर्ज किए जाने पर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को स्वतः संज्ञान लेकर आरजी कर कॉलेज की घटना पर सुनवाई की थी। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई और बंगाल सरकार से घटना की जांच पर स्टेटस रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपराध स्थल को सुरक्षित करने में की गई देरी पर नाराजगी जाहिर की। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान कहा कि अप्राकृतिक मौत मामले में जानकारी सुबह 10.10 बजे दी गई, जबकि अपराध स्थल को 11.45 बजे सुरक्षित किया गया। यह बेहद परेशान करने वाला तथ्य है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में सुप्रीम कोर्ट में बंगाल सरकार का पक्ष रखने वाली कानूनी टीम में 21 वकील शामिल हैं। वहीं केंद्र सरकार की कानूनी टीम में 5 वकील शामिल हैं।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर गंभीर चिंता जताई थी और साथ ही डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए नेशनल टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने बंगाल सरकार और पुलिस को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में अपराध स्थल को सुरक्षित न रख पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल पुलिस को फटकार भी लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए और पूछा कि कई घंटे बीत जाने के बाद भी प्रिंसिपल ने एफआईआर दर्ज क्यों नहीं कराई। साथ ही मृतका के शव को देखने के लिए उसके परिजनों को कई घंटे इंतजार कराए जाने पर भी सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार और पुलिस से कई गंभीर सवाल किए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में गंभीर लापरवाही बरती गई है। यह मामला मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के पास है। इसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 20 अगस्त को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टर्स समेत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को काम पर लौटने दें और एक बार जब वे ड्यूटी पर लौट आएंगे तो अदालत अधिकारियों को उन पर कार्रवाई न करने के लिए मनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर डॉक्टर काम पर नहीं लौटेंगे तो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा कैसे काम करेगा। दरअसल, सुनवाई के दौरान एम्स नागपुर के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने कहा कि उनके विरोध के कारण अब उन पर हमला किया जा रहा है। उन्हें परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर वे ड्यूटी पर हैं तो उन्हें अनुपस्थित नहीं माना जाएगा और अगर वे ड्यूटी पर नहीं हैं तो कानून का पालन किया जाएगा। उन्हें पहले काम पर लौटने के लिए कहें। कोई भी डॉक्टर के खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं करेगा। अगर उसके बाद कोई परेशानी होती है तो हमारे पास आएं, लेकिन पहले उन्हें काम पर लौटने दें। वहीं, पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टर्स की ओर से दलील दी गई कि डॉक्टरों को परेशान किया जा रहा है। वे सुबह एक घंटे रैली करते हैं और फिर काम पर लग जाते हैं, लेकिन वे भी परेशान किया जा रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा कि इन संस्थानों को चलाने वाले अनुभवी निदेशक कभी ऐसा कुछ नहीं करेंगे। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी छुट्टियां काटी जा रही हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि एक बार जब डॉक्टर्स काम पर वापस आ जाएंगे तो हम अधिकारियों पर दबाव डालेंगे कि वे प्रतिकूल कार्रवाई न करें अन्यथा अगर डॉक्टर काम नहीं करेंगे तो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा कैसे चलेगा। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस अदालत से मिलने वाले आश्वासन से डॉक्टरों को संतुष्टि मिलनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमने नेशनल टास्क फोर्स बनाई है। इस व्यापक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का मकसद यह है कि सभी हितधारकों से परामर्श किया जाएगा, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं। इसलिए उनकी बात सुनी जाएगी। यदि आप हमारे आदेश को देखें तो हमने वास्तव में उसी पहलू को उजागर किया है कि सार्वजनिक अस्पतालों की एक ढर्रे पर काम होता है। जूनियर डॉक्टर कई तरह के उत्पीड़न झेल रहे हैं, न कि केवल यौन उत्पीड़न। हमें बहुत सारे ईमेल मिले हैं और हम पर बहुत ज्यादा दबाव है। 48 या 36 घंटे की ड्यूटी अच्छी नहीं है। सीनियर एडवोकेट गीता लूथरा ने आरजी कर जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की बात कोर्ट के सामने रखी। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को प्रशासन के सदस्यों, अस्पताल के लोगों द्वारा धमकाया जा रहा है। सीनियर एडवोकेट करुणा नंदी ने कहा कि यह एकदम सही बात है। मैं कोलकाता में डॉक्टरों के लिए पेश हुई हूं। वहां गुंडे डॉक्टर्स को डरा धमका रहे हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि यह तो गंभीर है, हमें नाम बताइए, हम इस पर ध्यान देंगे।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने आरोपी की चोट की मेडिकल रिपोर्ट के बारे में पूछा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह केस डायरी का हिस्सा है। इसके बाद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सीबीआई ने 5वें दिन जांच शुरू की, सब कुछ बदल दिया गया और जांच एजेंसी को नहीं पता था कि ऐसी कोई रिपोर्ट है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने एसजी की दलील का खंडन किया और कहा कि हर चीज की वीडियोग्राफी है, न कि बदला गया। एसजी मेहता ने कहा कि शव के अंतिम संस्कार के बाद 11:45 बजे एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता के वरिष्ठ डॉक्टरों और सहकर्मियों के आग्रह के बाद वीडियोग्राफी की गई और इसका मतलब है कि उन्हें भी कुछ संदेह था।

सुप्रीम कोर्ट ने घटना से जुड़े तथ्यों पर पश्चिम बंगाल सरकार से भी सवाल पूछे। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि एक पहलू बेहद परेशान करने वाला है, अप्राकृतिक मौत की डीडी एंट्री सुबह 10:10 बजे दर्ज की गई है, लेकिन अपराध स्थल की सुरक्षा, जब्ती रात में की गई। सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने वीडियोग्राफी के आधार पर एक समय सीमा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस से सवाल किया और पोस्टमार्टम के समय के बारे में पूछा। सिब्बल ने जवाब दिया कि यह शाम 6:10-7:10 बजे के आसपास था। सुप्रीम कोर्ट ने आगे पूछा कि जब आप शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गए थे तो क्या यह अप्राकृतिक मौत का मामला था या नहीं और अगर यह अप्राकृतिक मौत नहीं थी तो पोस्टमार्टम की क्या जरूरत थी? सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अप्राकृतिक मौत का मामला दोपहर 1:45 बजे दर्ज किया गया था।सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह बहुत आश्चर्यजनक है क्योंकि पोस्टमार्टम अप्राकृतिक मौत के पंजीकरण से पहले होता है। सुप्रीम कोर्ट ने सिब्बल से कहा कि कृपया जिम्मेदारी के साथ बयान दें और जल्दबाजी में बयान न दें। सुप्रीम कोर्ट ने सिब्बल से आगे कहा कि जब वह मामले को अगली तारीख के लिए ले जाएगा तो कृपया यहां एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी को मौजूद रखें क्योंकि अदालत को अभी तक यह ठीक-ठीक जवाब नहीं मिला है कि अप्राकृतिक मौत का मामला कब दर्ज किया गया था।

सिब्बल ने कहा कि कृपया केस डायरी देखें। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि यूडी (अप्राकृतिक मौत केस रिपोर्ट) केस कब दर्ज हुआ? सिब्बल ने जवाब दिया कि दोपहर 1:45 बजे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको यह कैसे पता चला? हमें दिखाइए। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि कृपया यहां एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी को मौजूद रखें। हमें अभी तक यह जवाब नहीं मिला है कि यूडी केस कब दर्ज हुआ। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हमें बताएं कि जांच पंचनामा कब हुआ? सिब्बल ने जवाब दिया कि शाम 4:20 से 4:40 बजे। कोर्ट ने कहा कि हमारे पास जो रिपोर्ट है, उससे पता चलता है कि जांच पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद यूडी केस दर्ज हुआ। सिब्बल ने इससे इनकार किया। इसके बाद जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि राज्य सरकार ने इस केस में इस तरह से काम किया, जो मैंने अपने 30 साल के करियर में नहीं देखा। क्या यह सच है कि अननैचुरल डेथ रिपोर्ट 10:30 बजे दर्ज की गई थी? यह असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट नॉन-मेडिकल कौन है? उसका आचरण भी बहुत संदिग्ध है, उसने ऐसा व्यवहार क्यों किया?

सरकारी अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नौ अगस्त को महिला चिकित्सक का शव मिला था। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

महिला अपराध में बंगाल के नेता सबसे ज्यादा दागी

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 जनप्रतिनिधियों (सांसदों व विधायकों) के खिलाफ महिलाओं से अपराध के मामले दर्ज हैं। वहीं देशभर में कुल 151 जनप्रतिनिधि (16 सांसद व 135 विधायक) ने अपने चुनावी हलफनामे में उनके खिलाफ महिलाओं के साथ अपराध के मामले दर्ज होने की जानकारी दी है। एडीआर ने 2019 से 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामे में से 4,693 की जांच की। संगठन ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों की पहचान की।

एडीआर की रिपोर्ट में बंगाल के बाद 21 जनप्रतिनिधियों के साथ आंध्र प्रदेश दूसरे व ओड़ीशा तीसरे स्थान पर है। ओड़ीशा में 17 जनप्रतिनिधियों के खिलाफ महिलाओं से अपराध के मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दो सांसद व 14 विधायक ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म का मामला दर्ज होने की जानकारी दी है। इस मामले में कम से कम दस वर्ष से उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। आरोपों में एक ही पीड़ित के विरुद्ध बार-बार अपराध करना शामिल है, जो इन मामलों की गंभीरता को और अधिक रेखांकित करता है।

पर आस्तीन में ...

पंडितों के मतदान का प्रतिशत बढ़ा। यही प्रक्रिया इस चुनाव में भी अपनाई जाएगी। चुनाव आयोग का मानना है कि इससे पंडितों के वोट बढ़ेंगे। साथ ही इस चुनाव में पंडित समुदाय के कई प्रत्याशी मैदान में आ सकते हैं। फिलहाल श्रीनगर के हब्बाकदल इलाके से संदीप मावा और संजय सर्राफ के नाम चर्चा में हैं।

कश्मीरी पंडितों का मानना है कि सभी पार्टियों की ओर से विस्थापन के बाद से ही कहा जाता रहा है कि उनके पुनर्वास तथा सम्मानजनक वापसी की बात हमेशा से की जाती रही है, लेकिन यह देखना चाहिए कि उन्हें मिला क्या। जमीनी स्तर पर तो कोई सुधार नहीं दिख रहा। सरकारी नौकरी देना पुनर्वास नहीं हो सकता। एक भी कश्मीरी पंडित घाटी में जाकर नहीं बसे। उनका यह भी कहना है कि सरकार ने उनकी जमीनों पर हुए कब्जे को छुड़ाने के लिए पोर्टल का शुभारंभ किया था। इसके कुछ सकारात्मक नतीजे भी आए, लेकिन अब भी इस दिशा में बहुत कुछ होना बाकी है। कश्मीरी पंडितों की संस्था पनुन कश्मीर के प्रवक्ता एमके धर का मानना है कि होमलैंड ही सभी समस्याओं का समाधान है। झेलम (वितस्ता) के पूर्व व उत्तर दिशा में होमलैंड की मांग लंबे समय से की जा रही है जहां सभी पंडितों को बसाया जा सकता है। हालांकि, सरकार पर भरोसा है कि एक दिन स्थितियां बदलेंगी।

कश्मीरी पंडितों का मानना है कि उनका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर हमेशा से विश्वास रहा है। इस वजह से वह अपना अधिकार समझते हुए हमेशा से वोट करते आए हैं। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि वह वोट किसके लिए कर रहे हैं। कश्मीरी पंडितों के लिए जम्मू, उधमपुर व दिल्ली में वोटिंग की विशेष व्यवस्था की जाती है। वह कश्मीर में रहते नहीं हैं और वहां के विकास तथा वहां के नुमाइंदों के लिए वोट डालते हैं। वह यह नहीं जानते हैं कि उनके वोट से उनका कौन सा विकास हो रहा है। उनके पास जम्मू में पार्टियों के नुमाइंदे आते हैं और वह अपनी पसंद के अनुसार वोट करते हैं। भाजपा नेता रवींद्र रैना कहते हैं कि भाजपा हमेशा कश्मीरी पंडितों के साथ रही है। सरकार ने इनके कल्याण के लिए तमाम काम भी किए हैं। पीएम पैकेज में इनकी भर्ती में तेजी लाई गई। कश्मीर में ट्रांजिट आवास का भी निर्माण कार्य तेज किया गया। हमारे एजेंडे में इनकी वापसी रहेगी।

दूसरी तरफ, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच प्रदेश की 90 सीटों पर मिल कर चुनाव लड़ने का समझौता हो गया है। इसकी घोषणा दोनों पार्टियों द्वारा संयुक्त तौर पर करते हुए कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। दोनों पार्टियों के बीच सभी 90 विधानसभा सीटों पर गठबंधन हो गया है। आज रात तक कागजी कार्रवाई पूरी हो जाएगी। कांग्रेस, नेकां और सीपीआई (एम) साथ में हैं। हम साथ मिलकर काम करेंगे और चुनाव लड़ेंगे। हमें उम्मीद है कि राज्य का दर्जा वापस मिलेगा। किसी के लिए कोई दरवाजा बंद नहीं है। हालांकि कुछ सीटों पर जो विवाद उठा है उसे आज रात तक सुलझा लेने की बात कही जा रही है।

कांग्रेस ने भी गठबंधन की पुष्टि की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने आज श्रीनगर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि हमारी बैठक हुई। हमारी योजनाएं सही रास्ते पर हैं और हमें उम्मीद है कि गठबंधन अच्छा चलेगा। सीट बंटवारे पर हमारे बीच विचार चल रहा है। आज शाम तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे।

राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले।

हालांकि इस समझौते में डोडा विधानसभा सीट पर सीट बंटवारे पर बातचीत अटकी हुई है। दोनों पार्टियां डोडा सीट पर चुनाव लड़ना चाहती हैं, जो परंपरागत रूप से कांग्रेस पार्टी का गढ़ रहा है। दोनों पार्टियों की समन्वय समिति ने सीटों के बंटवारे को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं, लेकिन डोडा विधानसभा सीट पर बातचीत अटकी हुई है, जहां से नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने नेता और पूर्व गृह राज्य मंत्री खालिद नजीद सुहरवर्दी को मैदान में उतारना चाहती है, जबकि कांग्रेस दावा कर रही है कि वे पहले भी इस सीट पर जीतते रहे हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस कहीं भी उनके करीब नहीं है। लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्य किसी भी कीमत पर यह सीट चाहते हैं, जबकि कांग्रेस भी पीछे नहीं हट रही है। कांग्रेस की ओर से पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष विकार रसूल वानी हार मानने को तैयार नहीं हैं। वानी का मानना है कि कांग्रेस ने पिछले चार सालों में कड़ी मेहनत की है, जबकि नेकां कहीं नहीं रही।

पहले चरण के लिए दूसरे दिन भी नहीं हुआ कोई नामांकन

श्रीनगर/जम्मू, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन बुधवार को भी किसी ने नामांकन नहीं किया। सभी 24 विधानसभा हलकों में नामांकन का खाता नहीं खुला। दक्षिण कश्मीर के शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग व कुलगाम तथा डोडा, किश्तवाड़ व रामबन जिले की 24 सीटों पर पहले चरण में मतदान होना है। फिलहाल, नेकां, कांग्रेस, भाजपा की ओर से किसी भी प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गई है। पीडीपी और अपनी पार्टी ने प्रत्याशियों के नाम तय किए हैं। नेकां-कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत जारी रहने के कारण प्रत्याशियों के नाम की घोषणा नहीं हो सकी है। वहीं, भाजपा संसदीय बोर्ड की 25 अगस्त को प्रस्तावित बैठक के बाद प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होगी। पहले चरण का नामांकन 27 अगस्त तक होना है। शनिवार से सोमवार तक तीन दिन नामांकन नहीं होंगे। ऐसे में अब पर्चा दाखिल करने के लिए केवल तीन दिन का ही समय रह गया है। ऐसे में अब तीन दिन नामांकन करने वालों की तादाद बढ़ेगी। खासकर अंतिम दिन भारी गहमागहमी होगी।

रामबन में दो बार जीती भाजपा, बनिहाल में नहीं खुला खाता

उधमपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। चिनाब घाटी के रामबन में दो बार कमल खिलाने वाली भाजपा बनिहाल का किला नहीं हिला पा रही है। कांग्रेस के गढ़ वाले इस इलाके में भाजपा जीत के लगातार प्रयास कर रही है। रामबन जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों रामबन और बनिहाल में पहले चरण में 18 सितंबर को मतदान है। दोनों सीटों पर कांग्रेस और नेकां का शुरू से दबदबा रहा है।

1962 में अस्तित्व में आए रामबन विधानसभा क्षेत्र से नेकां और कांग्रेस का रहा दबदबा चार-चार वार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। भाजपा को भी दो बार नेतृत्व करने का मौका मिला। बाली भगत ने 1996 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की व स्वास्थ्य मंत्री रहे। विस चुनाव 2014 में भाजपा और नेकां के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इसमें भाजपा के नीलम लंगेह को जीत मिली।

इसी तरह से वर्ष 1967 में अस्तित्व में आई बनिहाल विधानसभा सीट शुरुआती दौर के बाद लंबे समय तक नेशनल कॉन्फ्रेंस का गढ़ रही। इसमें चार बार नेकां उम्मीदवारों ने क्षेत्र का नेतृत्व किया। 1977 से 87 तक लगातार तीन बार विजयी रहे नेकां के अब्दुल रशीद 2002 के विस चुनाव में आजाद उम्मीदवार के रूप में भी जीत गए।

कांग्रेस ने 1972 में यहां अपना खाता खोला। 2008 और 2014 में भी कांग्रेस के विकार रसूल वानी ने जीत दर्ज की। भाजपा, पीडीपी व पैंथर्स पार्टी अब तक बनिहाल में खाता नहीं खोल पाए हैं। विस चुनाव 2014 में कांग्रेस के विकार रसूल वानी और पीडीपी के बशीर अहमद रुनियाल के बीच मुकाबला रहा। इसमें वानी ने 17671 और दूसरे स्थान पर रहे रुनियाल ने 13322 वोट प्राप्त किए।

कठुआ में चौंका चुकी है बसपा, चुनाव में फिर सक्रिय

कठुआ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में कठुआ विधानसभा सीट पर 31.65 फीसदी वोट पाकर बसपा सभी दलों को चौंका चुकी है। बेशक 39 फीसदी वोट पाकर भाजपा को जीत मिली लेकिन बसपा का ग्राफ ऊपर आने से कांग्रेस चौथे स्थान पर खिसक गई। अब विस चुनाव 2024 में भी बसपा ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। विधानसभा चुनाव 2014 में कठुआ जिले में कई रोचक फेरबदल भी हुए। यहां पूर्व विधायक समेत 44 प्रत्याशियों की जमानत जनता जब्त करवा चुकी है। 20 दिसंबर 2014 को पांचवें चरण में बसोहली, कठुआ, बिलावर, हीरानगर की सीट पर एक ही दिन मतदान हुआ। पांच विधानसभा हलकों में चुनाव के दौरान रोचक मुकाबले देखने को मिले।

बहुजन समाज पार्टी ने भाजपा को कठुआ में कांटे की टक्कर दी। इस दौरान कई ने दल बदले। कुछ ने भाजपा तो कइयों ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस से चुनाव लड़ा। 44 प्लस के दावे के बीच कठुआ की पांचों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का दबदबा रहा। कठुआ सीट से 2014 में एक महिला उम्मीदवार सहित 22 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। विलावर से आठ उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और छह की जमानत जब्त हो गई। अनुसूचित आरक्षित हीरानगर सीट से दो महिलाओं समेत 13 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा। छह उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई। बसोहली में 15 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा। तीन ने वापस ले लिया। मैदान में टिके उम्मीदवारों में दस की जमानत जब्त हुई। बनी से 11 उम्मीदवारों में नौ की जमानत जब्त हो गई।

वर्ष 2014 में 113075 मतदाताओं वाली कठुआ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजीव जसरोटिया ने 39.11 प्रतिशत वोट के साथ जीत हासिल की। बसपा प्रत्याशी सोम राज मल्होत्रा ने टक्कर देते हुए 31.65 प्रतिशत वोट हासिल किए। पूर्व विधायक चरणजीत सिंह को 14.52 प्रतिशत और कांग्रेस प्रत्याशी जितेंद्र सिंह को 7.89 प्रतिशत वोट मिले। बनी विधानसभा क्षेत्र से कुल 41533 मतदाताओं में से 32808 मतदाताओं ने वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में अपना विधायक चुना। 78.99 प्रतिशत मतदान के बीच भाजपा से अनुसूचित जनजाति के जीवन लाल ने 39.14 प्रतिशत मत हासिल कर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रत्याशी पूर्व डिप्टी स्पीकर ने 25.69 प्रतिशत वोट हासिल किए। 302 वोट नोटा शामिल रहे।बिलावर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2014 में 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा प्रत्याशी डॉ. निर्मल सिंह 58.30 प्रतिशत वोट के साथ विजयी हुए। कांग्रेस से चुनाव लड़े प्रत्याशी पूर्व मंत्री मनोहर लाल शर्मा को 34.18 प्रतिशत वोट हासिल हुए। बसोहली विधानसभा हलके में वर्ष 2014 में 76209 मतदाता दर्ज थे। इनमें से 56 हजार 163 ने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 73.70 प्रतिशत वोट पड़े। भाजपा प्रत्याशी चौधरी लाल सिंह को 53.07 प्रतिशत वोट मिले। नेकां प्रत्याशी देवेंद्र सिंह बिंदू को 21.38 प्रतिशत जबकि कांग्रेस के जगदीश राज सपोलिया को 15.68 प्रतिशत वोट हासिल हुए। हीरानगर विधानसभा क्षेत्र में 2014 विस चुनाव में 72.34 प्रतिशत मतदान हुआ। कुलदीप राज 69.15 प्रतिशत वोट हासिल कर विजेता बने। उन्होंने पूर्व विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी गिरधारी लाल चलोत्रा को हराया। गिरधारी लाल चलोत्रा को 20.11 प्रतिशत वोट हासिल हुए।

उत्तराखंड के...

पर वन विभाग ने सीएम के निर्देश पर पिछले साल वन भूमि पर कब्जे खाली कराने का अभियान शुरू किया था, उसमें अतिक्रमण का आंकड़ा 11814.47 हेक्टेयर बताया गया। अब सवाल यह है कि यह बढ़ोतरी तीन साल में हुई? या पहले के कब्जे का मामला है, जिसकी रिपोर्टिंग करने में लापरवाही की गई है।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, जहां अधिकारी संलिप्त हैं, वहां कार्रवाई की गई है और आगे जो भी इस मामले में दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। लोगों ने जहां कब्जा किया है, वहां से उन्हें हटाया जा रहा है। प्रदेश के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) डॉ. पराग मधुकर धकाते ने कहा कि वन भूमि पर कब्जे को खाली कराने का अभियान चलाया जा रहा है। अगर कहीं पर लापरवाही हुई है या फिर जानबूझकर जानकारी नहीं दी गई, उस संबंध में भी कार्रवाई की जाएगी।

मजबूत हो रहे ...

भारत का ये दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। किसी भी संकट में मासूम लोगों की जान की हानि संपूर्ण मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। हम शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। इसके लिए भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर हर संभव सहयोग देने को तैयार है।

पीएम ने कहा, आज 45 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे यह सौभाग्य मिला। इस अवसर पर मैं पोलैंड की सरकार और यहां के लोगों का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। 2022 में यूक्रेन संकट के दौरान फंसे हुए भारतीय छात्रों को निकालने के लिए आपने जो उदारता दिखाई, उसे हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। भारत और पोलैंड के संबंध लोकतंत्र और कानून का राज जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। भारत और पोलैंड अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते रहे हैं। हम दोनों सहमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में रिफॉर्म वर्तमान समय की मांग है।

चार साल में...

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा, कार्रवाई और कारोबार को आसान बनाने के बीच संतुलन की जरूरत है। जीएसटी रिटर्न में लागू किए गए हालिया बदलाव जैसे जीएसटीआर-1ए से व्यवस्थित तरीके से चोरी से निपटने के प्रयासों में मदद मिलेगी। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय यानी डीजीजीआई को बीते साल मई में चलाए विशेष अभियान में 24,000 करोड़ रुपए से अधिक की संदिग्ध जीएसटी चोरी से जुड़े करीब 22,000 फर्जी पंजीकरणों का पता चला था। देश में करीब 1.4 करोड़ से अधिक जीएसटी पंजीकरण हुए हैं। हालांकि, इसमें से कुछ फर्जी तरीके से किए गए हैं। इस साल अप्रैल में रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह रहा है।

सभी 12...

नामांकन पत्र दाखिल किया। लोकसभा चुनाव में राजस्थान के राज्यसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल केरल से चुने गए। राजद की बिहार की ही सांसद मीसा भारती और दीपेंद्र हुड्डा अपने गृह राज्य से निर्वाचित होकर लोकसभा पहुंचे। इन राज्यों की विधानसभा में भाजपा को या तो बहुमत है या संख्या बल उसके साथ है। ऐसे में इन तीनों ही सीटों पर भाजपा को जीत हासिल होगी।

लिबरल गैंग के...

देश में डर का माहौल का हौव्वा खड़ा करने वाले नसीरुद्दीन शाह और सेट पर खुले सेक्स की बात करने वाली उनकी पत्नी रत्ना पाठक शाह ने इस फिल्म फेस्टिवल को रद्द करने की मांग की थी। नसीरुद्दीन के अलावा डाक्यूमेंट्री बनाने वाले आनंद पटवर्धन, नक्सलियों को बचाने का प्रयास कर चुके अर्बन नक्सल तुषार गांधी और किसान आंदोलन में फेक न्यूज फैलाने वाली कांग्रेस की पिट्ठू एक्टिविस्ट शबनम हाशमी शामिल हैं।

कल मनाया जाएगा ऊब छठ

घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना का पर्व है ऊब छठ

भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्ठी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ को चन्दन षष्ठी, चानन छठ और चंद्र छठ के नाम से भी जाना जाता है। वहीं देश की कई राज्यों में इस दिन को हलषष्ठी के रूप में मनाई जाती है।माना जाता है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्म हुआ था और उनका शस्त्र हल था इसलिए इस दिन को हलषष्ठी भी कहा जाता है। वहीं कई जगह इस दिन को चंदन षष्ठी के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार षष्ठी तिथि 24 अगस्त को है और इसी दिन ऊब छठ पर्व होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि भगवान कृष्ण के बड़े भ्राता बलराम का जन्म दिवस (चंद्र षष्ठी पर्व) 24 अगस्त को ऊब छठ के रूप में मनाया जाएगा। सुहागिनें घर-परिवार की सुख समृद्धि और सौभाग्य की कामना के लिए सूर्यास्त बाद चंदनयुक्त जल सेवन कर व्रत का संकल्प लेंगी। संकल्प के बाद निरंतर चन्द्रोदय तक खड़े रहकर उपासना एवं पौराणिक कथाओं का श्रवण करेंगी। ऊब छठ का व्रत और पूजा विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए तथा कुंआरी लड़कियां अच्छे पति कामना में करती है। भाद्र पद महीने की कृष्ण पक्ष की छठ (षष्ठी तिथि) ऊब छठ होती है। ऊब छठ के दिन मंदिर में भगवान की पूजा की जाती है। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया जाता है। उसके बाद ही व्रत खोला जाता है। सूर्यास्त के बाद से लेकर चाँद के उदय होने तक खड़े रहते है। इसीलिए इसको ऊब छठ कहते है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि महिलाएं और युवतियाँ पूरे दिन उपवास रखती है। शाम को दुबारा नहाती है और नए कपड़े पहनती है। मंदिर जाती है। वहाँ भजन करती है। चन्दन घिसकर टीका लगाती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है। कुछ अपने इष्ट की। भगवान को कुमकुम और चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का , फूल , फल , सुपारी चढ़ाते है। दीपक , अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत की कहानी सुनते है और गणेशजी की कहानी सुनते है। इसके बाद पानी भी नहीं पीते जब तक चाँद न दिख जाये। इसके अलावा बैठते नहीं है। खड़े रहते है। चाँद दिखने पर चाँद को अर्ध्य दिया जाता है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम , चन्दन , मोली , अक्षत चढ़ाएं। भोग अर्पित करें। जल कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत खोला जाता है। लोग व्रत खोलते समय अपने रिवाज के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

पूजन सामग्री

कुमकुम, चावल, चन्दन, सुपारी, पान, कपूर, फल, सिक्का, सफ़ेद फूल, अगरबत्ती, दीपक।

पूजा विधि

स्त्रियां इस दिन पूरे दिन का उपवास रखती है। शाम को दुबारा स्नान कर स्वच्छ और नए कपड़े पहनती है। कुछ लोग लक्ष्मी जी और और गणेश जी की पूजा करते है और कुछ अपने इष्ट की। चन्दन घिसकर भगवान को चन्दन से तिलक करके अक्षत अर्पित करते है। सिक्का, फूल, फल, सुपारी चढ़ाते है। दीपक, अगरबत्ती जलाते है। फिर हाथ में चन्दन लेते है। कुछ लोग चन्दन मुँह में भी रखते है। इसके बाद ऊब छट व्रत और गणेशजी की कहानी सुनते है। मंदिर जाकर भजन करती है। इसके बाद व्रती जब तक चंद्रमा जी न दिख जाये, जल भी ग्रहण नही करती और ना ही नीचे बैठती है। ऊब छठ के व्रत का नियम है कि जब तक चांद नहीं दिखेगा तब तक महिलाओं को खड़े रहना पड़ता है। व्रती मंदिरों में ठाकुरजी के दर्शन कर पूजा अर्चना करके परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं और खड़े रहकर पौराणिक कथाओं का श्रवण करती हैं। चंद्रोदय पर चाँद को अर्ध्य देकर पूजा-अर्चना की जाती है। चाँद को जल के छींटे देकर कुमकुम, चन्दन, मोली, अक्षत और भोग अर्पित करते हैं। कलश से जल चढ़ायें। एक ही जगह खड़े होकर परिक्रमा करें। अर्ध्य देने के बाद व्रत का पालना करती है। लोग व्रत खोलते समय अपने मान्यता के अनुसार नमक वाला या बिना नमक का खाना खाते है।

ऊब छठ व्रत कथा

ऊब छठ का व्रत और पूजा करते समय ऊब छठ व्रत कथा सुनते है, जिससे व्रत का पूरा फल प्राप्त हो सके।

किसी गांव में एक साहूकार और इसकी पत्नी रहते थे। साहूकार की पत्नी रजस्वला होने पर भी सभी प्रकार के काम कर लेती थी। रसोई में जाना, पानी भरना, खाना बनाना, सब जगह हाथ लगा देती थी। उनके एक पुत्र था। पुत्र की शादी के बाद साहूकार और उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई।

अगले जन्म में साहूकार एक बैल के रूप में और उसकी पत्नी कुतिया बनी। ये दोनों अपने पुत्र के यहाँ ही थे। बैल से खेतों में हल जुताया जाता था और कुतिया घर की रखवाली करती थी। श्राद्ध के दिन पुत्र ने बहुत से पकवान बनवाये। खीर भी बन रही थी। अचानक कही से एक चील जिसके मुँह में एक मरा हुआ साँप था, उड़ती हुई वहाँ आई। वो सांप चील के मुँह से छूटकर खीर में गिर गया। कुतिया ने यह देख लिया। उसने सोचा इस खीर को खाने से कई लोग मर सकते है। उसने खीर में मुँह अड़ा दिया ताकि उस खीर को लोग ना खाये। पुत्र की पत्नी ने कुतिया को खीर में मुँह अड़ाते हुए देखा तो गुस्से में एक मोटे डंडे से उसकी पीठ पर मारा। तेज चोट की वजह से कुतिया की पीठ की हड्डी टूट गई। उसे बहुत दर्द हो रहा था। रात को वह बैल से बात कर रही थी। उसने कहा तुम्हारे लिए श्राद्ध हुआ तुमने पेट भर भोजन किया होगा। मुझे तो खाना भी नहीं मिला, मार पड़ी सो अलग। बैल ने कहा - मुझे भी भोजन नहीं मिला, दिन भर खेत पर ही काम करता रहा। ये सब बातें बहु ने सुन ली और उसने अपने पति को बताया। उसने एक पंडित को बुलाकर इस घटना का जिक्र किया। पंडित ने अपनी ज्योतिष विद्या से पता करके बताया की कुतिया उसकी माँ और बैल उसके पिता है। उनको ऐसी योनि मिलने का कारण माँ द्वारा रजस्वला होने पर भी सब जगह हाथ लगाना, खाना बनाना, पानी भरना था। उसे बड़ा दुःख हुआ और माता पिता के उद्धार का उपाय पूछा। पंडित ने बताया यदि उसकी कुँवारी कन्या भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्टी यानि ऊब छठ का व्रत करे। शाम को नहा कर पूजा करे उसके बाद बैठे नहीं। चाँद निकलने पर अर्ध्य दे। अर्ध्य देने पर जो पानी गिरे वह बैल और कुतिया को छूए तो उनका मोक्ष हो जायेगा।जैसा पंडित ने बताया था कन्या ने ऊब छठ का व्रत किया, पूजा की। चाँद निकलने पर चाँद को अर्ध्य दिया। अर्ध्य का पानी जमीन पर गिरकर बहते हुए बैल और कुतिया पर गिरे ऐसी व्यवस्था की। पानी उन पर गिरने से दोनों को मोक्ष प्राप्त हुआ और उन्हें इस योनि से छुटकारा मिल गया। हे! ऊब छठ माता, जैसे इनका किया वैसे सभी का उद्धार करना। कहानी लिखने वाले और पढ़ने वाले का भला करना। बोलो छठ माता की. जय !!!

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

स्नेक प्लांट के लिए वास्तु के नियम

इस स्थान पर लगाना माना जाता है शुभ

आजकल घर की सजावट के लिए लोग तरह-तरह के पेड़ पौधे लगाते हैं अगर आप भी घर में स्नेक प्लांट लगा रहे हैं तो इससे जुड़ा वस्तु का नियम जान लीजिए। पौधे लगाने से घर का वातावरण भी शुद्ध हो जाता है। स्नेक प्लांट भी देखने में बहुत खूबसूरत होता है इससे आप घर की सजावट कर सकते हैं। इसके अलावा यह हवा को साफ करने का काम भी करता है वही आज हम स्नेक प्लांट को लेकर कुछ वास्तु नियम के बारे में जानेंगे। लोग अपने घर की बालकनी या फिर अपने घर के छोटे से गार्डन में तरह-तरह के पेड़ पौधे लगाते हैं इन्हें लेकर वास्तु शास्त्र के कई नियम बताए गए हैं जिसमें ध्यान देना जरूरी है।

किस दिशा में लगाएं स्नेक प्लांट....

अगर आप घर में स्नेक प्लांट लगा रहे हैं तो सही दिशा का चुनाव करना जरूरी है, तभी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। वास्तु के नियम के अनुसार, स्नेक प्लांट को घर की दक्षिण और पूर्व दिशा में रखना सही माना गया है। आपको यह भी ध्यान रखना होगा कि स्नेक प्लांट को ऐसी जगह पर रखना चाहिए जहां पर धूप आती हो।

यहां रखें प्लांट

वास्तु के नियम के अनुसार स्नेक प्लांट को प्रवेश द्वार के सामने या फिर लिविंग रूम में रखना अच्छा माना जाता है इस तरह से पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाह करती है इसके अलावा रिश्ते में भी मधुरता बनी रहती है। यदि आप बेडरूम में स्नेक प्लांट लगा रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें की इस बिस्तर के बगल में ही रखना चाहिए।

स्नेक प्लांट के लाभ

अगर आप अपने घर में स्नेक प्लांट रख रहे हैं तो इससे जुड़े वास्तु के नियम ध्यान रखना चाहिए, ताकि सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करें और धन संबंधी परेशानी ना हो। स्नेक प्लांट घर में रखने से परिवार में शांति का माहौल बना रहता है।

सुख शांति

घर में स्नेक प्लांट लगाने से न केवल वास्तु दोष दूर होते है बल्कि, घर में सुख शांति बनी रहती हैं। किसी भी कार्य के लिए सभी दिशाएं खुली रहती है। अगर आप लगातार अपने कार्य में विफल हो रहे है तो यह उपाय जरूर करें।

अन्नप्राशन संस्कार करना बेहद ही जरूरी

जब बच्चा अपनी मां के गर्भ से बाहर आता है, तो उसके बेहतर स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना के लिए बहुत से संस्कार किए जाते हैं। हिंदू धर्म में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कामना की जाती है। ऐसे ही जब बच्चा अपनी 6 महीने की आयु पूरी कर लेता है, तो हिंदू धर्म में अन्नप्राशन संस्कार करना बेहद ही जरूरी बताया गया है। अन्नप्राशन यानी अन्न को ग्रहण करना होता है। इस संस्कार के दौरान नवजात शिशु को पहली बार अनाज खिलाया जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब नवजात शिशु 6 महीने की आयु पूर्ण कर लेता है तो वह अनाज खाने के लिए सक्षम हो जाता है। हिंदू धर्म में यह सभी संस्कार करने जरूरी बताए गए हैं। अन्नप्राशन संस्कार के करने से बच्चों की बल बुद्धि का विकास होता हैं और उनका स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है।अन्नप्राशन संस्कार को लेकर हमने हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री ने लोकल 18 से बातचीत के दौरान बताया कि 16 संस्कारों के क्रम में अन्नप्राशन संस्कार नवजात शिशु के जन्म के 6 से 8 महीने बाद किया जाने वाला महत्वपूर्ण संस्कार होता है। इस दौरान नवजात शिशु को अनाज ग्रहण कराया जाता है वह बताते हैं कि बच्चे को पहले अनाज का सेवन हल्का कराया जाता है। माना जाता है कि बच्चा अनाज का सेवन करने के लिए सक्षम हो गया है।अन्नप्राशन संस्कार को परिवार के सभी सदस्य एक साथ इकट्ठे होकर सूक्ष्म समारोह की तरह मानते हैं, जिसमें पड़ोसियों रिश्तेदारों सगे संबंधियों को बुलाने का रिवाज होता है। वही बच्चों के बेहतर और उज्जवल भविष्य के लिए मंत्रो उच्चारण के साथ हवन यज्ञ भी कराया जाता है। कहीं-कहीं तो बच्चों को पहले अनाज का सेवन चांदी, सोने या अष्टधातु से निर्मित चम्मच से खिलाया जाता है। बच्चों को पहले अनाज का सेवन इन धातुओं से करने पर उसका शारीरिक विकास होने की धार्मिक मान्यता बताई गई है।

बुरी यादें नहीं छोड़ रहीं आपका पीछा? हर वक्त दिमाग में बना रहता है तनाव

3 आध्यात्मिक तरीकों से पाएं छुटकारा

हर व्यक्ति के जीवन में अच्छा और बुरा समय आता है। ऐसे में आपके साथ कुछ अच्छी यादें जुड़ती हैं तो कुछ बुरी यादें भी, लेकिन हम कई बार अपने मन में वर्तमान को ना देखकर पुरानी यादों को संजोकर रख लेते हैं। इनमें भी अच्छी यादों से ज्यादा बुरी यादें हमेशा के लिए ठहर जाती हैं। इन यादों के कारण व्यक्ति आगे नहीं बढ़ पाता और ऐसे में वह अकेलापन, डर, तनाव आदि मानसिक बीमारियों से घिर जाता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि कोई व्यक्ति इन यादों से बाहर निकलने का प्रयास नहीं करता है लेकिन लगातार वह यादों में धंसता ही चला जाता है। ऐसे में आप इससे बाहर आने के लिए कुछ आध्यात्मिक तरीके आजमा सकते हैं। आइए जानते हैं ..

मंत्रों का करें उच्चारण

धर्म शास्त्रों में मंत्र जाप का अत्यधिक महत्व है। आपने पढ़ा और सुना होगा कि हमारे ऋषि-मुनि ध्यान लगाकर ही कितनी सारी शक्तियां प्राप्त कर लेते थे। ग्रंथों में भी यह कहा गया है कि मंत्रोच्चार से गंभीर से गंभीर बीमारी भी ठीक किया जा सकता है। ऐसे में आप भी मंत्रों और जाप का सहारा अपनी बुरी यादों से बाहर निकलने के लिए ले सकते हैं।

हर दिन लगाएं ध्यान

यदि आप अपनी पुरानी और बुरी यादों को हमेशा के लिए भुलाना चाहते हैं तो आप हर रोज ध्यान लगाना शुरू कर सकते हैं। ध्यान सबसे शक्तिशाली माना जाता है। हालांकि जब आप इसकी शुरुआत करते हैं, आपका ध्यान यहां-वहां भटकता है। ऐसे में आपको एकाग्रता लाना होगी और पूरा ध्यान अच्छी चीजों पर लगााना होगा।

स्नान के समय करें ये काम

आप हर रोज स्नान करें और इस जल में गंगाजल के साथ कपूर जरूर मिलाएं। ऐसा करने से आपका शरीर स्वच्छ होने के साथ ही आपके अंदर की गंदगी यानि कि नकारात्मकता भी दूर हो जाएगी। साथ ही आप गीता का पाठ कर सकते हैं, जिसमें हर एक समस्या को दूर और खत्म करने का समाधान मिलता है।

दो शुभ योग में है भाद्रपद की मासिक शिवरात्रि

जानें शिव पूजन मुहूर्त और जलाभिषेक का समय

हिंदू धर्म में भाद्रपद शिवरात्रि बेहद खास माना जाता है. इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा और व्रत का बहुत महत्व है. माना जाता है कि शिवरात्रि के व्रत और पूजा से भगवान शिव की कृपा से सभी कष्टों का निवारण होता है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. इस बार की मासिक शिवरात्रि बेहद ही खास मानी जा रही है. क्योंकि इस दिन 2 शुभ योग बन रहे हैं. ऐसे में आइए आज हम आपको बताते हैं भाद्रपद की शिवरात्रि कब मनाई जाएगी, इसका शुभ मुहूर्त क्या है, इस दिन कौन कौन से योग बन रहे हैं साथ ही जानिए जलाभिषेक समय।हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 1 सितंबर रविवार को सुबह 3 बजकर 40 मिनट से शुरू होकर 2 सितंबर सोमवार को सुबह 5 बजकर 21 मिनट तक रहेगी. ऐसे में इस बार मासिक शिवरात्रि का व्रत 1 सितंबर को रखा जाएगा।

शुभ योग और नक्षत्र

इस शिवरात्रि पर दो शुभ योग बन रहे हैं, परिघ योग और शिव योग. परिघ योग सुबह से लेकर शाम 5 बजकर

50 मिनट तक रहेगा. इसके बाद शिव योग शुरू हो जाएगा. इसके अलावा, अश्लेषा नक्षत्र भी इस दिन रहेगा, जो रात 9 बजकर 49 मिनट तक रहेगा, उसके बाद मघा नक्षत्र का आरंभ होगा।

मासिक शिवरात्रि 2024 शुभ मुहूर्त

इस दिन मासिक शिवरात्रि की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 1 सितंबर को सुबह 11 बजकर 58 मिनट से शुरू होगा और इसका समापन देर रात 12 बजकर 44 मिनट तक है. इस दिन पूजा के लिए आपको 45 मिनट का समय मिलेगा।

मासिक शिवरात्रि 2024 जलाभिषेक समय

जलाभिषेक का सर्वोत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4 बजकर 29 मिनट से 5 बजकर 14 मिनट) और अभिजीत मुहूर्त (दिन में 11 बजकर 55 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट) के बीच होता है. इस समय शिवलिंग पर जल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

मासिक शिवरात्रि का महत्व

हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है. इस दिन भगवान शिव की पूजा और व्रत रखने से विशेष फल की प्राप्ति होती है. वर्तमान में चातुर्मास का समय चल रहा है, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है. शिवरात्रि के दिन शिव परिवार की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. शिवरात्रि की व्रत कथा सुनने से भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनके जीवन में शांति और समृद्धि आती है।

सोते समय सिरहाने न रखें ये चीजें

वरना रूठ जाएंगी धन की देवी

मां लक्ष्मी को हिंदू धर्म में धन की देवी के रूप में पूजा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जब किसी साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है, तो उसे धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। यदि आप सोते समय कुछ चीजें अपने सिरहाने के पास रखते हैं, तो इससे आपको मां लक्ष्मी का क्रोध झेलना पड़ सकता है। ऐसे में इन चीजों को तुरंत अपने सिरहाने के पास से हटा देना चाहिए।

सोते समय कभी भी अपने सिरहाने के पास सोने या चांदी से बने आभूषण नहीं रखने चाहिए, इससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं, जिससे व्यक्ति को धन की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही अपने सिरहाने पर पैसे या पर्स आदि रखकर भी नहीं सोना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी का अपमान माना जाता है।कई लोगों की आदत होती है कि वह अपने सिरहाने पर चाबियां आदि रखकर सोते हैं। लेकिन इस आदत को बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। ऐसा करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है। इसी तरह कभी भी अपने सिरहाने पर चमड़े से बनी चीजों को भी नहीं रखना चाहिए। इससे व्यक्ति को बुरे सपने आने की समस्या बनी रहती है।आजकल कई लोग इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे फोन आदि को अपने सिरहाने पर रखकर सोते हैं। इससे व्यक्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी ऐसा करना सही नहीं माना गया। इससे व्यक्ति के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। कई लोग पढ़ते-पढ़ते किताब को अपने पास ही रखकर सो जाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र की दृष्टि से ऐसा करना मां सरस्वती का अपमान माना जाता है। इसलिए अपनी इस आदत को तुरंत बदल लेना चाहिए।

खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अदिति शर्मा ने बताया अपना अनुभव

स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अभिनेत्री अदिति शर्मा ने बताया कि अपने डर का सामना करने की यात्रा करने में वह जिस तरह से आगे बढ़ी हैं, उसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।शो के चौथे हफ्ते में अदिति के सफर का अंत एक बड़ी चुनौती के साथ हुआ। बिच्छुओं से जुड़े एक स्टंट में उनका सामना शालीन भनोट से हुआ। अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद अदिति शालीन से हार गईं।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अदिति ने कहा, मैं खुद को खोजने के इस अविश्वसनीय सफर के लिए खतरों के खिलाड़ी 14 का शुक्रिया अदा करती हूं। अपने सबसे गहरे डर का सामना करने से लेकर खतरे का सामना करने तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ी हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।उन्होंने कहा, मैं इस यात्रा के हर पल, हर दोस्त के लिए आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे सिखाया है कि सच्चा साहस निडर होने के बारे में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने पर भी खुद में बने रहने के बारे में है।यह शो रोमानिया के बुखारेस्ट में फिल्माया गया है और इसकी मेजबानी रोहित शेट्टी कर रहे हैं। प्रतिभागियों की वर्तमान लाइनअप में आशीष मेहरोत्रा, अभिषेक कुमार, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, निमृत कौर अहलूवालिया, नियति फतनानी, शालीन भनोट और सुमोना चक्रवर्ती हैं। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है।नई दिल्ली की रहने वाली अदिति ने 2017 में गुरु रंधावा के साथ तारे नामक एक संगीत वीडियो से अभिनय की शुरुआत की थी।

बाद में वह दो पंजाबी संगीत वीडियो नान और बेकड़ा और एक हरियाणवी संगीत वीडियो तू राजा की राज दुलारी में दिखाई दी थीं।उन्होंने 2018 में जी टीवी के कलीरें में अरिजीत तनेजा के साथ मीरा ढींगरा कपूर के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की थी।अदिति ने ये जादू है जिन का में रोशनी चौधरी खान और रब से है दुआ में दुआ सिद्दीकी अख्तर की भूमिका निभाई, उन्हें नागिन 3 में एक कैमियो में भी देखा गया था।27 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज क्रैश में काम किया है, जो ऑल्ट बालाजी और जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें जैन इमाम, रोहन मेहरा, कुंज आनंद और अनुष्का सेन हैं। इसे निकिता धोंड ने लिखा और कुशाल जावेरी ने निर्देशित किया है। प्रीति गुप्ता इसकी सह-निर्देशक हैं।प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ एकता कपूर ने इसका निर्माण किया है।

सरकटे के आंतक संग स्त्री 2 का कहर जारी

श्रद्धा कपूर की फिल्म पार किया 250 करोड़ का आंकड़ा

स्त्री 2 का कहर और सरकटे का आतंक बॉक्स ऑफिस पर अभी भी जारी है. स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 6 दिन पूरे कर लिए हैं. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। यह फिल्म शुरुआत से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है।महज 6 दिन में इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।अब स्त्री 2 की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो कामकाजी दिन के मुताबिक बेहतरीन हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, स्त्री 2 ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 254.55 करोड़ रुपये हो गया है।50 करोड़ रुपये की लागत में इस फिल्म ने 51.8 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।श्रद्धा और राजकुमार के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।स्त्री 2 के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं।फिल्म की कहानी निरेन भट्ट ने लिखी है। फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है।स्त्री 2 साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री की दूसरी किस्त है।लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 180.76 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

तेलुगू वर्जन में मुफासा की आवाज बनकर दहाड़ेंगे महेश बाबू, 26 अगस्त को रिलीज होगा ट्रेलर

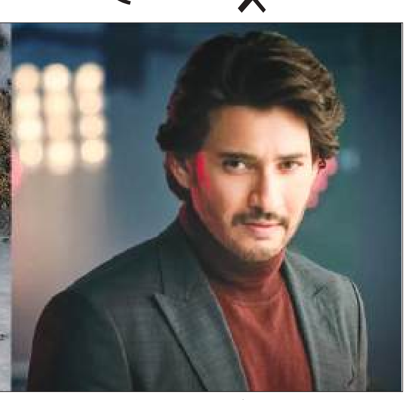

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू को आगामी डिज्नी फिल्म मुफासा: द लॉयन किंग की टीम में शामिल हो गए हैं. फिल्म के हिंदी वर्जन में जहां बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान मुफासा की आवाज बने है, वहीं तेलुगू वर्जन में मुफासा के लिए महेश बाबू को आवाज देने के लिए चुना गया है. डिज्नी इंडिया ने इस खबर की पुष्टि की है. साथ ही मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के बारे में भी अपडेट दिया गया है.वॉल्ट डिज्नी स्टूडियोज इंडिया ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के बारे में अपडेट साझा किया है. मेकर्स ने मुफासा का तेलुगू वर्जन में पोस्टर पोस्ट किया है. इस उन्होंने महेश बाबू की तस्वीर के साथ जोड़ा है.पोस्टर साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, जंगल लाइफ के सुप्रीम किंग को जीवंत करना. सु-परस्टार महेश को तेलुगू में मुफासा की आवाज के रूप में पेश करने के लिए एक्साइडेट हूं. सोमवार को रिलीज होने वाला तेलुगू ट्रेलर देखें मुफासा: द लायन किंग. बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए मुफासा की आवाज देंगे, जबकि आर्यन खान सिम्बा की आवाज देंगे और अबराम खान युवा मुफासा की आवाज देंगे.ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने मुफासा: द लॉयन किंग के तेलुगू वर्जन के ट्रेलर के बारे में बताया है. तरण के मुताबिक, मुफासा: द लॉयन किंग का तेलुगू ट्रेलर 26 अगस्त 2024 को सुबह 11.07 बजे लॉन्च किया जाएगा. फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर 20 दिसंबर 2024 को चार भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में आ रही है.

सनी लियोनी की फिल्म कोटेशन गैंग की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री सनी लियोन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कोटेशन गैंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके लिए दर्शकों को और इंतजार करना पड़ेगा। कोटेशन गैंग की रिलीज डेट अब जुलाई से खिसकाकर आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी।सनी लियोनी की कोटेशन गैंग अब 30 अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, प्रियामणि और सारा अर्जुन जैसे कलाकार हैं। इसमें अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। सनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। साथ ही एक नया मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें फिल्म में उनका तीव्र अवतार दिखाया गया है।अभिनेत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कोटेशन गैंग 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। विवेक के कन्नन द्वारा निर्देशित कोटेशन गैंग को कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में फिल्माया गया था। पिछले महीने, सनी ने फिल्म का पहला लुक जारी किया था, जिसमें वह चेकर्ड शर्ट और स्कर्ट में दिखाई दी थीं, जिसमें प्रिया मणि के किरदार के साथ ग्रामीण लुक में दिखाई दे रही थी।सनी ने इस फिल्म के लिए ग्लैमरस अवतार को त्याग दिया है और खुद को एक बोल्ड ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में ढाल लिया है।

कोटेशन गैंग में सनी एक हत्यारे और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में माहिर एक क्रूर गिरोह के प्रमुख सदस्य की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वर्तमान में, सनी युवा-आधारित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 15 की मेजबानी कर रही हैं और रंगीला, वीरमादेवी, कोका कोला, हेलेन और यूआई जैसी आगामी फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की वेदा का हाल-बेहाल, लाखों में सिमटी दैनिक कमाई

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा का बॉक्स ऑफिस पर कुछ ही दिनों में बुरा हाल हो गया है। जबरदस्त एक्शन से भरपूर इस फिल्म की दैनिक कमाई चंद दिनों में लाखों में सिमट गई है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।

आइए जानते हैं वेदा के खाते में छठे दिन कितने लाख रुपये आए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ अब इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.10 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है।

पड़ गए पंगे का धमाकेदार फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, 30 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अगस्त के महीने में बॉक्स ऑफिस पर बहार है। सावन का महीना है और त्योहार का भी मौसम है, तो दर्शकों के पास मनोरंजन के भी भरपूर मौके हैं। ऐसे में फिल्मों के विकल्प भी कम नहीं है। रिलीज होने वाली फिल्मों में अब एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। इस फिल्म का नाम है- पड़ गए दंगे। एक्शन और बायोपिक फिल्मों के बीच यह एक कॉमेडी फिल्म है और आज इसका पोस्टर जारी किया गया है।फिल्म पड़ गए दंगे का आज फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया है। इसके साथ इसकी रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पोस्टर काफी मजेदार है। फांसी का फंदा बना है, जिसका डिजाइन झूले की तरह है।

उस पर एक्टर राजेश शर्मा बैठे हैं। इस फिल्म में एक नई प्रतिभा के रूप मे समर्पण सिंह को मौका मिला है। यह फिल्म 30 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, सबसे मजेदार मौत की यात्रा पड़ गए पंगे का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। इसमें फ्रेश फेस समर्पण सिंह नजर आएंगे। इनके अलावा राजेश शर्मा, राजेश यादव, राजपाल यादव, फैसल मलिक और वर्षा रेखाटे आदि नजर आएंगे। इस फिल्म को प्राची फिल्मस और उत्तर एक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन संतोष कुमार ने किया है। इस फिल्म के पोस्टर पर यूजर्स की प्रतिक्रिया आ रही है। नए अभिनेता समर्पण को यूजर्स बधाई दे रहे हैं। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, चलो कॉमेडी फिल्म आ रही है। हंसने का मौका मिलेगा। एक यूजर ने लिखा, पोस्टर तो इतना फनी है, देखते हैं फिल्म कितना हंसाएगी।

नरगिस फाखरी ने ऑफ शोल्डर गाउन में गिराई बिजली एक्ट्रेस की सेक्सी अदा ने फैन्स को किया घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी हमेशा अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं।

वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है।बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया है. नरगिस ने चॉकलेट रंग का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बनती है. इस गाउन के साथ हल्का मेकअप, खुले बाल और सिल्वर ब्रेसलेट ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया है. तस्वीर में नरगिस अपनी कातिलाना अदाओं से सबको घायल करती नजर आ रही हैं. उनकी इस सेक्सी पोज़ ने फैन्स के बीच हलचल मचा दी है, और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बाढ़ आ गई है.नरगिस फाखरी की इस तस्वीर को देखकर साफ है कि उनका स्टाइल सेंस बेहद शानदार है और वे फैशन के मामले में हमेशा एक कदम आगे रहती हैं. उनकी इस नई तस्वीर ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं।बी-टाउन की खूबसूरत और हॉट हसीनाओं में से एक नरगिस फाखरी किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।उन्होंने अपनी अदाकारी का जलवा फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोगों की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

फिल्म खेल खेल में की दैनिक कमाई में गिरावट जारी

अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म खेल खेल में शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है।पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई में उतार-चढ़ाव जारी है।

हर गुजरते दिन के साथ फिल्म का कारोबार लगातार घटता जा रहा है।आइए जानते हैं छठे दिन खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.15 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 23 अगस्त 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 10:41 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 07:54 तक
योग : शूल प्रातः 09:30 तक
करण : बालव प्रातः 10:41 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 07:54 तक
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पंचक समाप्त रात्रि 07:54 से , शुक्र रेवती अमृत सिद्धि योग रात्रि 07:54 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम के आदेश पर विधायक के लिए हेलीकॉप्टर से आया जूता

अजमेर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर की केकड़ी विधानसभा सीट से विधायक शत्रुघ्न गौतम ने 231 दिन के बाद जूते पहने। विधायक गौतम के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद जयपुर से जूते लेकर केकड़ी पहुंचे थे। शत्रुघ्न गौतम ने सोमवार को केकड़ी की कृषि मंडी में जिले के लिए दिए बजट को लेकर धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया था। सूबे के सीएम भजनलाल शर्मा भी इस सभा में पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री द्वारा जूते पहनाए जाने के बाद विधायक शत्रुघ्न गौतम ने कहा, मैंने जनता से किया वादा निभाते हुए 231 दिनों तक जूते–चप्पल नहीं पहने। इस दौरान मैं जहां भी गया, नंगे पैर ही जाता था। उन्होंने कहा कि यह करीब 96 किलोमीटर की सड़क है, जिसके करीब 50 किलोमीटर के दायरे में दोनों तरफ पाइपलाइन बिछी है। यह सड़क बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, पाली, सिरोही, ब्यावर, नागौर और अजमेर के लोगों को आगर कोटा, मध्य प्रदेश और यूपी जाने में सहायक है. यह कोई सामान्य सड़क नहीं है।

शत्रुघ्न गौतम ने विधानसभा चुनावों में नामांकन के समय यह ऐलान किया था कि अगर क्षेत्र की जनता उन्हें जिताकर विधानसभा भेजेगी तो वह तब तक जूते या चप्पल नहीं पहनेंगे, जब तक कि केकड़ी–देवली–नसीराबाद सड़क फोर लेन ना हो जाए। वह विधानसभा चुनाव जीत गए थे, जिसके बाद उन्होंने रिजल्ट के दिन से ही जूते चप्पल पहनने छोड़ दिए थे। केकड़ी विधायक को जूते पहनाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि एक जमाना था, जब राजस्थान में गैंगस्टर शरण लेते थे, लेकिन अब अगर कोई गैंगस्टर प्रदेश में आए गा तो यहां से वापस नहीं जाएगा।

सीएम भजनलाल शर्मा दोपहर के करीब 2 बजे केकड़ी पहुंचे। यहां विधायक शत्रुघ्न गौतम ने हैलीपेड पर उनका स्वागत किया। इस दौरान वहां पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी भी मौजूद थे। सीएम भजनलाल यहां से सीधे विधायक शत्रुघ्न गौतम के कार्यक्रम में पहुंचे।

यहां लोगों ने करीब तीन हजार यूनिट से ज्यादा रक्तदान किया। कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले हर शख्स को एक हेलमेट उपहार स्वरूप दिया।

कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा को एसीबी ने दी क्लीन चिट

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी ने आरपीएससी सदस्य मंजू शर्मा को ईओ भर्ती के नाम पर रकम वसूलने के मामले में क्लीन चिट दे दी है। आरपीएसी के पत्र पर एसीबी ने यह जवाब दिया है। एसीबी के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा का कहना है कि सभी तथ्यों की जांच की गई है। आरपीएससी के किसी सदस्य की भूमिका नहीं मिली है।

एसीबी ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों के साथ मंजू शर्मा और संगीता आर्य की मिलीभगत का कोई सबूत नहीं मिला। इसके साथ ही एसीबी ने आरपीएससी सदस्यों को लेकर कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्णय लिया है। एसीबी ने सितंबर 2023 में गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। इसमें एसीबी ने माना कि केसावत और अन्य आरोपियों ने परिवादी को झांसा देकर रिश्वत ली थी। उसमें आरपीएससी सदस्य की कोई भूमिका नहीं मिली है।

हालांकि, एसीबी मामलों की विशेष कोर्ट ने एसीबी महानिदेशक से ईओ–आरओ भर्ती में आरपीएससी सदस्य सहित अन्य लोक सेवक की भूमिका जांच करने को कहा था। सवाल उठाया था कि इस मामले में आरपीएससी सदस्यों के नाम पर पैसा लिया गया। राजस्थान पत्रिका की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बावजूद इस दिशा में अनुसंधान नहीं किया गया। एसीबी ने कांग्रेस नेता गोपाल केसावत व चार अन्य को जुलाई 2023 में 18 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने अभ्यर्थी की ओएमआर शीट बदलकर पास करवाने के नाम पर 18.50 लाख रिश्वत ली थी।

इस एफआईआर में लिखा था कि केसावत ने रिश्वत मांगते वक्त आरपीएससी सदस्य मंजू शर्मा और संगीता आर्य का नाम लिखा था। कोर्ट के आदेश के पर एसीबी ने इस मामले में जांच की थी, लेकिन एसीबी को कवि कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा और संगीता आर्य की कोई भूमिका नहीं मिली।

जयपुर में अमेरिकी महिला से धोखाधड़ी

छह करोड़ में बेच दिया 300 रुपए का नकली जेवर

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से धोखाधड़ी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक अमेरिकी महिला को दुकानदार ने तीन सौ रुपए की नकली ज्वेलरी छह करोड़ रुपए में बेच दी। अमेरिकी नागरिक चेरिस ने जयपुर के जौहरी बाजार से गोल्डन पॉलिश में चांदी की ज्वेलरी खरीदी थी।

यह ज्वेलरी इस साल जब अमेरिका में एक प्रदर्शनी में दिखाई गई तो पाया गया कि यह नकली है। इसके बाद चेरिस भारत आईं और दुकान मालिक गौरव सोनी को उनकी करतूत बताई। हालांकि दुकान के मालिक ने उनके आरोपों को नकार दिया। इसके बाद अमेरिकी नागरिक ने जयपुर पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई। चेरिस ने इस मामले में अमेरिकी दूतावास से भी मदद मांगी। अमेरिकी दूतावास ने जयपुर पुलिस से इस मामले में जांच कर चेरिस का सहयोग करने के लिए कहा है। महिला ने बताया कि वो इंस्टाग्राम के जरिए साल 2022 में गौरव सोनी के संपर्क में आई थीं। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बीते दो सालों में नकली आभूषणों के बदले गौरव सोनी को दो करोड़ रुपए का भुगतान किया है।एडिशनल सीपी बजरंग सिंह ने कहा कि जयपुर के एक ज्वैलर पिता–पुत्र ने अमेरिकी नागरिक महिला को 6 करोड़ रुपए के नकली आभूषण बेचे। ये दोनों आरोपी गौरव सोनी और उसके पिता राजेंद्र सोनी फरार हैं। गौरव की पत्नी और बच्चे भी फरार हैं। गौरव सोनी के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी महिला चेरिस ने गौरव सोनी और उनके पिता राजेंद्र सोनी के साथ मिलकर वह हीरे और सोने के आभूषणों का कारोबार करती थी। फरवरी–मार्च में उसने अमेरिका में प्रदर्शनी लगाई। वहां आभूषणों की जांच की जा रही थी, तो उसने कुछ आभूषणों की जांच कराई। उसे पता चला कि सोना 9 कैरेट का है, जबकि हॉलमार्क पेपर में 14 कैरेट का लिखा था। हीरा मोइसानाइट निकला।अधिकारी के अनुसार, इसके बाद महिला जयपुर आई और उसने गौरव सोनी से आभूषण बदलने का अनुरोध किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उसने उन्हें पुलिस केस करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की। गौरव सोनी और उसके पिता ने उसे रोकने का वीडियो पुलिस को भेज दिया और आरोप लगाया कि विदेशी महिला ने उनकी दुकान में लूटपाट की है लेकिन जब जांच हुई, तो उसके पास सारे बिल और सबूत थे। इसलिए मामला नहीं बना।

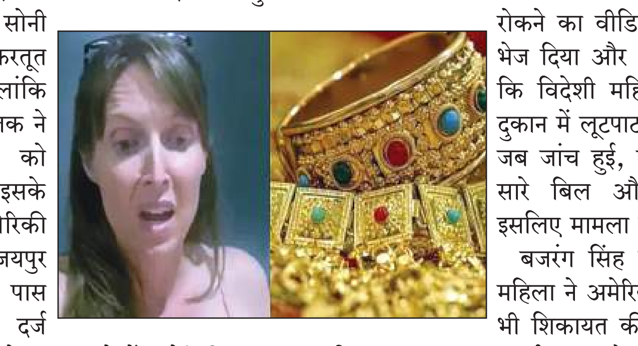

बजरंग सिंह ने बताया कि महिला ने अमेरिकी दूतावास में भी शिकायत की। महिला की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ और जांच हुई। इसी दौरान महिला की दोनों बाप–बेटों के साथ एक मीटिंग हुई जिसमें वो चेरिस को करीब 3 करोड़ रुपए मुआवजा देने पर सहमत हुए। उन्होंने 2 दिन का समय मांगा लेकिन आखिरी दिन पिता–पुत्र ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए और फरार हो गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद महिला एक बार फिर उनके वापस आई। मामले को आगे बढ़ाया और उसका बयान दर्ज किया और लैब में आभूषणों की जांच की। हमने उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसने झूठे प्रमाण पत्र जारी किए। हमने गौरव सोनी के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया है। हम पिता के लिए भी लुकआउट नोटिस जारी करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भी पता चला कि गौरव सोनी की पत्नी के नाम पर एक फर्म है और उसे उसी खाते में ज़्यादातर पैसे मिले हैं। गौरव सोनी की पत्नी भी अपने बच्चों के साथ फरार है। उन सभी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वेतन हजार में, लेकिन खाते में आ रहे थे लाखों रुपए

जवाब देने के बजाय शिकायतें दबाए बैठा रहा वित्त विभाग

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले एक साल से कर्मचारियों के वेतन से जुड़ी समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। कभी कर्मचारियों के खातों में एडवांस वेतन डाल कर रिकवरी के आदेश निकाले जाते हैं। कभी कर्मचारियों को समय पर वेतन ही नहीं मिलता। बहुत से मामले ऐसे हैं, जहां कर्मचारी का वेतन हजारों में है और उनके खातों में लाखों रुपए डाले जा रहे हैं।

कटौतियों को लेकर भी कर्मचारी परेशान हैं। इन सब दिक्कतों के चलते जब महकमें वित्त विभाग को चिट्ठी लिखते हैं, तो उनका जवाब देने के बजाय वित्त विभाग के अफसर इन शिकायती चिट्ठियों को ही दबा लेते हैं। हालात ये है कि हर रोज सैंकड़ों कर्मचारी वित्त विभाग में सिर्फ इसीलिए चक्कर लगाते हैं कि उनकी वेतन संबंधित समस्या दूर हो सके।

जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय हनुमानगढ़– जुलाई में यहां के स्टाफ के खातों में अत्यधिक वेतन क्रेडिट कर दिया गया। अगस्त में जिला अधीक्षक कार्यालय से वित्त विभाग को शिकायती पत्र लिखा गया। इसमें कहा गया कि इस यूनिट के अधीनस्थ कार्मियों का वेतन माह जुलाई/2024 प्रोसेस करने पर लगभग 1600 कर्मियों की पे–स्लिप में वेतन तीन गुना, चार गुना, पांच गुना और किसी को 7 गुना दर्शित हो रहा है। आयकर में जीए–55 में सिर्फ भुगतान की राशि दर्ज है। वेतन और एरियर संबंधी भी असुविधाओं का जिक्र पत्र में किया गया। इसमें सिस्टम पर सही विकल्प ही उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

इसी साल जयपुर पुलिस मुख्यालय से पुलिस उपायुक्त कार्यालय की तरफ से भी वित्त विभाग को चिट्ठी लिखी गई थी। इसमें आईएफएमएस 3.0 में लगातार आ रही परेशानियों के चलते वेतन प्रक्रिया पूर्व पे मैनेजर प्राणाली पर ही प्रोसस करने की मांग की गई थी। पत्र में लिखा गया था कि नए सिस्टम में आयकर कटौतियों में गलती होने की आशंका है।इस कार्यालय से वित्त विभाग को पत्र लिखकर आईएफएमएस सिस्टम में आ रही 15 बड़ी खामियों के बारे में बताया गया, जिसमें सबसे पहला बिंदु ही दोहरे भुगतान का है। कर्मचारियों के वेतन–भत्तों में कटौतियों को एक बार में एक ही जगह किए जाने का ऑप्शन नहीं मिल रहा था। यही नहीं यदि कोई कर्मचारी किसी माह की 14 तारीख को सस्पेंड होता है तो एक से 14 तक का उसका पूर्ण वेतन देने की सुविधा भी इसमें नहीं है।

हरियाणा के चुनावी दंगल में उतरेंगे दिल्ली के सातों सांसद

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के चुनावी अखाड़े में दिल्ली के दिग्गज भी उतरेंगे। इसे लेकर भाजपा रणनीति तैयार कर रही है। सातों सांसदों के जातिगत समीकरण के ध्यान में रखकर चुनाव प्रचार में उतारा जाएगा ताकि दिल्ली से सटे हरियाणा की सीमाओं के वोटरों को लामबंद कर सकें।जाट, गुर्जर, बाल्मीकि, व्यापारी वर्ग समेत पूर्वांचलियों को साधने के लिए भाजपा के ये दिग्गज वोट बटोरने के लिए बतौर स्टार प्रचारक की भूमिका में दिखेंगे। दरअसल हरियाणा चुनाव जीतना भाजपा के लिए इसलिए भी जरूरी है कि इसके बाद दिल्ली विधानसभा का चुनाव होना है। हरियाणा विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। दिल्ली का पड़ोसी राज्य और एनसीआर क्षेत्र में शामिल कई विधानसभा क्षेत्र आता है।ऐसे में शीर्ष नेतृत्व चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली के सांसदों का प्रयोग करने की तैयारी में है। सांसद बांसुरी स्वराज और मनोज तिवारी की भूमिका इसमें अहम होगी। स्वराज जहां अंबाला की बेटी के तौर चुनावी प्रचार अभियान में उतरेंगी, वहीं मनोज तिवारी पूर्वांचलियों को एकजुट करते दिखेंगे। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी का संसदीय क्षेत्र फरीदाबाद की सीमा से जुड़ा है। ऐसे में वह गुर्जर मतदाताओं को लामबंद करते दिखाई पड़ सकते है। इसी तरह पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत जाट मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बढ़ाएंगी। इसी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा का इस्तेमाल भी पार्टी करेगी।

इनेलो–बसपा को प्रत्याशियों की तलाश

वजूद बचाने के लिए दूसरे दलों के बागियों से आस

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में गठबंधन कर उतरने वाली इनेलो और बसपा को मजबूत प्रत्याशियों की तलाश है। दोनों पार्टियां सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी हैं, लेकिन सभी सीटों पर प्रत्याशी उतराना चुनौती बना हुआ है।ऐसे में दोनों ही दलों को भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की सूची जारी होने का इंतजार है। इसके बाद जिन नेताओं की टिकटें कटेंगी, इनेलो–बसपा उन पर दांव खेलने की तैयारी में हैं। फिलहाल इनेलो नेता अभय चौटाला और बसपा नेता आकाश आनंद प्रदेश के अलग–अलग हलकों में जाकर संगठन को मजबूती दे रहे हैं और प्रत्याशियों का फीडबैक ले रहे हैं।प्रदेश की 90 में से 53 सीटों पर इनेलो और 37 सीटों पर बसपा चुनाव लड़ेगी। बेशक चुनाव की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक दोनों दल अपने–अपने विधानसभा क्षेत्र तय नहीं कर पाए हैं, कि कहां से किस दल के प्रत्याशी उतारे जाएंगे। इनेलो के लिए यह चुनाव और भी बड़ी चुनौती है, क्योंकि उस पर चुनाव चिह्न चश्मे का निशान तक छीनने की नौबत आई हुई है।इनेलो नेता अभय चौटाला खुले तौर पर कह चुके हैं कि अगर कोई और दल उनके साथ समझौता करता है तो इनेलो कुछ सीटें उसके लिए छोड़ सकता है। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनेलो के पास अभी सभी सीटों पर मजबूत प्रत्याशी नहीं हैं। संभावना है कि प्रदेश की आरक्षित 17 सीटों पर बसपा अपने उम्मीदवार उतार सकती है। क्योंकि यहां पर दलित वोट बैंक अधिक है और यहां पर अलग–अलग दलों से कई–कई नेता टिकट की दौड़ में हैं। ऐसे में बसपा को उम्मीदवार मिलने में आसानी रहेगी। इसके अलावा जहां–जहां पहले बसपा मजबूत स्थिति में रही है, वहां पर भी पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। इनमें यमुनानगर जिले के छछरौली, जगाधरी, करनाल के असंध समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों से बसपा अपने प्रत्याशी उतार सकती है।इनेलो को अपने पुराने गढ़ से पूरी आस है। इसलिए इनेलो उन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा, जहां पर पहले इनेलो का बड़ा प्रभाव रहा है। इनमें सिरसा जिले की सभी सीटें, जींद, उचाना, जुलाना, सफीदों के साथ–साथ कैथल, कुरुक्षेत्र जिले की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे। साथ ही मेवात, भिवानी और हिसार में भी इनेलो प्रत्याशी उतारेगा। इन सभी इलाकों में 10 साल पहले इनेलो का पूरा प्रभाव था।अब तक प्रदेश में बसपा को हर चुनाव में 5 से 6 प्रतिशत तक वोट मिले हैं। 2018 से पहले इनेलो प्रदेश में 15 से 28 फीसदी तक वोट लेता रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में इनेलो के दो सांसद थे और उन्हें 24.4 प्रतिशत मत मिले थे। 2019 में पार्टी के दो फाड़ होने के बाद इनेलो का सबसे खराब प्रदर्शन रहा और उसे मात्र 1.9 प्रतिशत वोट मिले। 2019 के लोकसभा चुनाव में इनेलो से टूटकर बनी जजपा 4.9 प्रतिशत वोट ले गई। यह इनेलो का ही वोट बैंक था।

बिहार में नर्सों पर खतरा, सबूतों के साथ छात्राओं ने खोला कारनामा

बेतिया (एजेंसियां)। एक तरफ जहां सरकार शराबबंदी को लेकर पूरी तरह से सख्त है वहीं दूसरी तरफ बेतिया मे प्रशिक्षण संस्थान में ही प्राचार्य बिना खौफ के शराब पीते नजर आ रहे हैं। जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान की छात्राएओं का कहना है कि वेलोग अपने शराबी प्रभारी प्राचार्य के खौफ में जी रहे हैं। जब प्राचार्य के रवैये से पूरी तरह से छात्राएं परेशान हो गई तो शराबी प्रभारी से निजात दिलाने के लिए छात्राओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज किया है।

जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान बेतिया के प्रभारी प्राचार्य मनीष जायसवाल का उनके कार्यालय में शराब के साथ फोटो वायरल हो रहा है। शराब के साथ- साथ ही अपने स्टाफ से मसाज कराते हुए भी फोटो अब वायरल है। छात्राओं ने 6 मई को अपने विभाग से शिकायत की थी। स्वास्थ्य निदेशालय के निदेशक डॉ सुनील कुमार झा ने बेतिया सीएस को पत्र लिखकर शराबी प्राचार्य के रिपोर्ट की मांग की। बेतिया सीएस ने प्रभारी प्राचार्य को दोषी मानते हुए विभाग को रिपोर्ट भी भेज दिया है, लेकिन प्राचार्य पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

प्रशिक्षण संस्थान में ट्रेनिंग ले रहीं छात्राओं का आरोप है कि प्राचार्य उनके साथ मानवीय व्यवहार करते हैं। उनलोगों ने शराबी प्रभारी पर अश्लील हरकत करने के आरोप में उनपर कार्रवाई करने की मांग की है।

वायरल फोटो मे देखा जा रहा है कि बेतिया जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान का प्रभारी प्राचार्य मनीष जायसवाल अपने कार्यालय में ही शराब पीते नजर आ रहे हैं। खुद शराब का जाम बना रहा है। कॉलेज की पहले सत्र की छात्राएं बेतिया डीएम से मुलाक़ात की और प्राचार्य पर संगीन आरोप लगाए। छात्राओं ने कहा है कि प्राचार्य ने हॉस्टल में सीसीटीवी लगवाया हुआ है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। हॉस्टल के कॉरीडोर में हमलोग शार्ट्स पहनकर घूमते हैं। बाद में वह उसे जूम करके देखते हैं। इनका कहना है कि हमलोगों ने पहले भी कई बार इस तरह की शिकायत की है। थर्ड ईयर की स्टूडेंट्स ने भी शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इस मामले पर आरोपी प्राचार्य मनीष जायसवाल ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि तस्वीरें एआई से एडिट की हुई हैं। यहां एक ट्यूटर हैं जो मेरी जगह पर पहुंचना चाहते हैं। वही छात्राओं से अवैध वसूली करते हैं। साथ में मेरी तस्वीरें वायरल कराकर सभी को मेरे खिलाफ भड़काते हैं।

20 साल से नहीं बनी सड़क, मोहल्ले वालों का टूटा 'सब्र का बांध'

बांस लगाकर किया जमकर प्रदर्शन

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 39 एवं 32 में रहने वाले वाले लोगों के सब्र का बांध टूट गया। लगभग 20 वर्षों से अधिक समय से चंदन बाग एवं हजरतगंज खानकाह जोड़ने वाली मुख्य सड़क नहीं बनी है। कई सालों से सड़क नहीं बनने के कारण अब सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है, जिसके कारण मोहल्ले वासियों सहित शहर वासियों को हर रोज काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है।

कई सालों से नहीं बनी सड़क एवं गड्ढे में तब्दील सड़क को देखकर मोहल्ले वासियों ने इसको लेकर नेताओं से लेकर जिला प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन इसपर कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद आज दोनों वार्ड के लोगों ने मिलकर सड़क को जाम कर दिया और सड़क बनवाने की मांग करने लगे।

सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि वर्ष 2003 भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर अब्दुल कलाम जब मुंगेर आए थे, उस दौरान ये सड़क बनी थी। उसके बाद से अब तक सड़क नहीं बनी है। उन्होंने कहा कि शहर का मुख्य सड़क होने के छोटी से लेकर बड़ी वाहन गुजरती है, जिसके कारण हर रोज कोई ना कोई घटना घटती रहती है। उन्होंने कहा इसको लेकर विधायक, सांसद और जिला प्रशासन को अवगत का दिया गया है, लेकिन बावजूद इसके कोई सुनवाई नहीं हुई।

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी कर रहे चार शिक्षकों पर निगरानी की गिरी गाज

मोतिहारी (एजेंसियां)। पूर्वी चंपारण जिले में निगरानी की लगातार हो रही कार्रवाई से फर्जी शिक्षकों में फिर से हड़कंप मच गया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर निगरानी के द्वारा फर्जी शिक्षकों की जांच के दौरान बंजरिया में चार और नए शिक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

निगरानी के जांच में इसके पहले भी कई शिक्षकों पर बंजरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

आज निगरानी के आवेदन पर बंजरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा में पदस्थापित शिक्षिका इकरा फातिमा, मध्य विद्यालय जटवा उर्दू में पदस्थापित नईमा परवीन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिसवानिया उर्दू की शिक्षिका साबरा खातून और उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवा में पदस्थापित शिक्षक मो ज्याऊदीन के ऊपर प्राथमिकी हेतु आवेदन दिया है।

इस संदर्भ में पूछने पर थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने बताया कि निगरानी के द्वारा दिए गए आवेदन पर इन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्राथमिकी के आधार पर जांच की जा रही है। बता दें कि हाईकोर्ट के आदेश पर निगरानी के द्वारा फर्जी शिक्षकों की जांच की जा रही है।

इस जांच के दौरान बंजरिया में संदिग्ध प्रमाण पत्रों के आधार पर अभी तक दस शिक्षकों की पहचान की गई है। इसमें छः शिक्षकों पर निगरानी के द्वारा बंजरिया थाना में पहले भी एफआईआर कराया जा चुका है। आज फिर चार और नए शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज होने से जाली प्रमाण पत्र पर शिक्षक की नौकरी कर रहे कई अन्य शिक्षकों में हड़कंप मचा है।

अयोध्या को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला बिहार से गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)। अयोध्या को बम से उड़ने की धमकी देने वाले एक युवक को पुलिस ने जमुई से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी खैरा थाना की पुलिस ने उसके घर से की है। फ़िलहाल अयोध्या की पुलिस उससे पूछताछ कर रही। गिरफ्तार आरोपी की पहचान खैरा थाना क्षेत्र के कोदवारी कागेसर निवासी बंगाली रविदास के पुत्र दासो रविदास के रूप में हुई है।

इस संबंध में सदर एसडीपीओ सतीश सुमन का कहना है कि बीते 21 जुलाई को अयोध्या के कैंट थाना अंतर्गत गौरापट्टी ककरही बाजार निवासी राजकरण पांडेय के पुत्र प्रवीण कुमार पांडेय के मोबाइल पर अयोध्या को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। कॉल आने के बाद उन्होंने इस

बात की जानकारी कैंट थाना को दी। इस आपत्तिजनक कॉल आने की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज किया।

पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस के द्वारा जांच-पड़ताल में तकनीकी अनुसंधान के क्रम में पता चला कि उक्त मोबाइल नंबर जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र के कोदवारी कागेसर निवासी बंगाली रविदास के पुत्र दासो रविदास के नाम से रजिस्टर्ड है। इस बाद की जानकारी उपलब्ध होने के बाद अयोध्या पुलिस ने जमुई पुलिस से इस मामले को शेयर किया। फिर जमुई एसपी डॉ शौर्य सुमन के निर्देश पर खैरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त दासो रविदास को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जमुई पुलिस ने दासो रविदास से पूछताछ की।

इस संबंध में जमुई एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी युवक मानसिक रूप से कमजोर पाया गया है। फ़िलहाल जमुई पुलिस ने आरोपी युवक को अयोध्या पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

अयोध्या पुलिस ने भी दासो रविदास से कड़ी पूछताछ की, लेकिन कुछ हासिल नहीं हो सका। फिलहाल अयोध्या पुलिस आरोपी युवक दासो रविदास को अपने साथ ले गई।

रणभूमि में तब्दील हुआ अस्पताल, एंबुलेंस नहीं मिलने से मरीज की मौत पर हंगामा

बेगूसराय (एजेंसियां)। जिले में एंबुलेंस नहीं मिलने से एक मरीज की मौत हो जाने के बाद गुस्साए परिजनों ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान परिजनों ने एंबुलेंस चालक को पकड़कर पीट डाला। मृतक व्यक्ति की पहचान पलिया थाना क्षेत्र के सदानपुर बालाचक गांव के रहने वाले रुदल पासवान के रूप में की गई है।

इस घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि रुदल पासवान अचानक गिर गए थे। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घायल अवस्था में परिजनों ने उसे इलाज के लिए बलिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेगूसराय रेफर कर दिया था।

परिजनों ने बताया है कि रेफर करने के बाद सरकारी एंबुलेंस की मांग किया। उन्होंने बताया है कि दो-तीन घंटे तक एंबुलेंस नहीं दिया। वहीं एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण रुदल पासवान की मौत हो गई। इस मौत से गुस्साए परिजनों ने बलिया अनुमंडल अस्पताल में जमकर हंगामा शुरू कर दिया और साथ ही साथ एंबुलेंस चालक के साथ मारपीट भी करना शुरू कर दिया।

उन्होंने बताया है कि पहले मरीज को लेकर आए तो अस्पताल में किसी देखा तक नहीं, डॉक्टर भी यहां मौजूद नहीं थे और एक नर्स के द्वारा ही उसे सुई दी गई।

इसके बाद स्थिति गंभीर को देखते हुए बेगूसराय रेफर कर दिया। रेफर करने के दौरान जब अस्पताल से एंबुलेंस का मांग की गई तो एंबुलेंस ही नहीं दी गई, जिसके कारण से इसकी मौत हुई है।

इस घटना के संबंध में अनुमंडल चिकित्सा पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया है कि छत से गिरने के दौरान रुदल राय गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल अवस्था में बलिया अनुमंडल अस्पताल में इलाज करने के लिए लाया गया था, जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेगूसराय रेफर कर दिया, लेकिन एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। उनके परिजनों के द्वारा यह आरोप लगाया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। इसमें जो दोषी पाए जाएंगे उनपर कार्रवाई भी की जाएगी।

अपराधियों ने बाइक सवारों को मारी गोली, एक की मौत

मुंगेर (एजेंसियां)। खगड़िया में अपराधियों के हौसले बुलंद है। अभी चार दिन पहले ही शहर के अंदर एक व्यवसायी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या का मामला शांत भी नहीं हुआ कि गुरुवार को एक और युवक की हत्या गोली मारकर कर दी गई है। जबकि बाइक पर उसके साथ बैठा एक अन्य युवक घायल हुआ है। जिसका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

मृतक की पहचान मानसी थाना क्षेत्र निवासी बैधनाथ राम के 42 वर्षीय पुत्र रोहित राम के रूप में हुई है। जबकि घायल की पहचान मृतक के चचेरे भाई रघुनाथ राम के 26 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है। घटना का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि मृतक अपने भाई के साथ बाइक से खगड़िया की ओर आ रहा था। इसी दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र अमनी बगडू सड़क पर पहले से घात लगाए आधा दर्जन अपराधियों ने उसकी बाइक रोक लिया। जिसके बाद उसपर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगा।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी, लेकिन सदर अस्पताल आने से पहले मृतक की सांसे रुक गई।

परिजनों का कहना है कि मृतक का उसी गांव के कुछ लोगों से रंजिश चल रही थी। इधर मुफस्सिल थाना अध्यक्ष ने बताया कि एक युवक की हत्या हुई है। पुलिस जांच में जुट गई है। बहरहाल खगड़िया में जिस तरह लगातार हत्या की वारदात हो रही है वो पुलिस के लिए सिरदर्द बना है।

आपसी विवाद में छात्रा को लगी गोली, जांच में जुटी पुलिस, मौके से दो आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। शहर के संजय सिनेमा रोड पर ओवरब्रिज के पास आपसी विवाद में छात्रा को लगी गोली है। घटना के बाद से पुलिस ने घायल छात्रा को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर के मुताबिक गोली युवती के हाथ को छूकर निकल गई थी। उसका इलाज किया जा रहा है। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं घायल मनीषा के परिजनों ने यह बताया कि रिंकू की पत्नी जूली से दस हजार रुपए उधार लिए थे। देर रात रिंकू शराब के नशे में घर में घुसकर रुपए को मागने लगा। मनीषा के पिता पिंटू ने अभी पैसे नहीं दे पाने कि बात कही तो रिंकू ने गोली चला दी।

वहीं इस पूरे मामले को लेकर के एसडीपीओ टाउन टू विनिता सिन्हा ने बताया कि ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के संजय सिनेमा रोड स्थित ओवरब्रिज के नीचे की रहने वाली मनीषा कुमारी को गोली लगी है। आपसी विवाद में ये गोली चली है। मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। दोनों गिरफ्तार व्यक्ति कि पहचान रिंकू भगत और पवन भगत के रुप में हुई है।

घरेलू कलह के चलते पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मुंगेर (एजेंसियां)। मामला बखरी नगर परिषद के वार्ड नंबर 20 का है। मृतक की पहचान मनोज राय के 23 वर्षीय पुत्र सावन कुमार के रूप में हुई है। मृतक मजदूरी का काम करता था और वह घर में अकेला ही रहता था। घटना के संबंध में पड़ोस में रहने वाली आशा देवी ने बताया रोज सावन सुबह उठकर मजदूरी करने के लिए चला जाता था, लेकिन आज वह देर तक नजर नहीं आया। जिसके बाद वह

उसके घर में जाकर देखी तो वह दंग रह गई।

उसने सावन को छत से झूलता हुआ पाया। इसके बाद वह शोर मचाने लगी, शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। घटना की जानकारी बखरी पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई।

घटना को परिजनों ने बताया कि 2 साल पूर्व मृतक सावन की शादी बेगूसराय जिला अन्तर्गत राजोपुर कटरमाला में काजल कुमारी के साथ हुई थी। शादी के कुछ माह बाद से ही पति पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। विवाद इतना गहरा हो गया कि लगभग 20 दिन पूर्व काजल अपने परिजनों को बुलवाकर सावन के साथ मारपीट कर मायके चली गई।

इस मारपीट के घटना को लेकर मृतक ने बखरी थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई। मारपीट की घटना के बाद से सावन काफी सदमे में रहने लगा। पड़ोस में रहने वाली मृतक की बहन रजनी ने बताया कि सावन की पत्नी का किसी दूसरे के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है और वह कई लड़कों से बात करती है। जिसको लेकर लगातार दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com